बालाघाट
गुरुवार 29 अक्टूबर 2026
कार्तिक कृष्ण 02 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 38
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	73,246.03
निफ्टी	-	22,698.85
सोना	-	152218
चांदी	-	2,20,000
डॉलर	-	95.14

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

नोएल टाटा 6 बड़ी कंपनियों के बोर्ड से हटेंगे

मुंबई। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा 12 नवंबर को 70 साल के होने जा रहे हैं। नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स के लिए टाटा ग्रुप की रिटायर्ड पॉलिसी के तहत वे समूह की 6 प्रमुख कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा देंगे। हालांकि, वे टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर के रूप में बने रहेंगे। यह बदलाव ऐसे समय पर हो रहा है, जब टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के रीअपॉइंटमेंट, टाटा संस की लिस्टिंग और ग्रुप के गवर्नेंस नियमों को लेकर मतभेद चल रहा हैं। टाटा समूह के गवर्नेंस फ्रेमवर्क के तहत एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स के लिए रिटायरमेंट की उम्र 65 साल और नॉन-एग्जीक्यूटिव/नॉन-इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स के लिए 70 साल है।

20 किमी के दायरे में अब 1500 रुपए में सालाना टोल पास

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले निजी वाहन मालिकों को 1 नवंबर से सालाना पास की सुविधा मिलेगी। इसके तहत वाहन मालिकों को 1500 रुपए में वार्षिक पास मिलेगा। इससे हर महीने पास का नवीनीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में नए नियम अधिसूचित किए हैं। सालाना पास की फीस टोल प्लाजा की स्थिति के आधार पर तय होगी। यह सुविधा टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के भीतर रहने वाले निजी और गैर-वाणिज्यिक वाहन मालिकों को मिलेगी। हालांकि, टोल प्लाजा के निर्धारित दायरे से बाहर रहने वालों को सालाना 3000 रुपए तक का भुगतान करना पड़ सकता है।

रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक बंद रहेंगे ट्रेन के चार्जिंग पॉइंट!

मुंबइ। भारतीय रेलवे में रात के समय सफर करने वाले यात्रियों के लिए मोबाइल, टैबलेट और पावर बैंक चार्ज करने से जुड़ा सुरक्षा निर्देश चर्चा में है। रेलवे बोर्ड के निर्देशों के मुताबिक, रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक ट्रेन के डिब्बों में लगे चार्जिंग पॉइंट बंद रखने की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य बैटरी गर्म होने, शॉर्ट सर्किट और आग लगने जैसी घटनाओं के खतरे को कम करना है। निर्देशों के पालन के लिए संबंधित अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को औचक निरीक्षण करने तथा कर्मचारियों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, यात्रियों को इस व्यवस्था की वर्तमान स्थिति और संबंधित ट्रेन में इसके पालन की जानकारी रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से लेनी चाहिए। दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्र में चार्जिंग के दौरान पावर बैंक से धुआं निकलने की घटना सामने आने के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी।

तूफान अर्नब से विशाखापट्टनम में पेड़-पोल गिरे, सड़कें उखड़ीं, चेन्नई में 20 फीट ऊंची लहरें उठीं

आंध्र प्रदेश में 3 की मौत, 57 हजार लोग शिफ्ट

मप्र, यूपी, राजस्थान, बिहार में अगले दो दिन बारिश का अलर्ट, छत्तीसगढ़-झारखंड के कई जिलों में स्कूल बंद, अर्नब तूफान का असर

विशाखापट्टनम/भुवनेश्वर/हैदराबाद/चेन्नई। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद तबाही मचा रहा है। तेज हवाओं और भारी बारिश से राज्य के कई इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अब तक तीन लोगों की मौत की खबर है, जबकि करीब 57 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तूफान के असर से रेलवे और हवाई सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। करीब 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम हवाई मार्ग की 21 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। कई जगह पेड़ उखड़ गए, बिजली के खंभे गिर गए और सड़कों पर पानी भर गया। काकीनाडा में समुद्री लहरों ने तटीय सड़कों को नुकसान पहुंचाया, जबकि विशाखापट्टनम में पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ। श्रीकाकुलम में धान के खेत पानी में डूब गए हैं।

विशाखापट्टनम में 200 मिमी से ज्यादा बारिश

विशाखापट्टनम में 27 अक्टूबर की सुबह 9:30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक करीब 18 घंटे में 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। यह जुलाई में होने वाली औसत बारिश के डेढ़ गुने से भी ज्यादा है। जुलाई में यहां औसतन 133 मिमी बारिश होती है। तूफान के कारण समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। चेन्नई के एन्नोर बीच पर भी करीब 20 फीट ऊंची लहरें उठने की खबर है। पश्चिम बंगाल के ताजपुर में लोगों को समुद्र में जाने से रोका जा रहा है, जबकि ओडिशा के गोपालपुर में मछुआरों ने अपनी नावें किनारे पर खड़ी कर दी हैं।

आंध्र और ओडिशा में राहत-बचाव तेज

तूफान के खतरे को देखते हुए आंध्र प्रदेश और ओडिशा में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। आंध्र प्रदेश में करीब 57 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राज्य के 31 घरों को नुकसान पहुंचने की सूचना है। ओडिशा में भारी बारिश के मद्देनजर 16 जिलों में स्कूल बंद रखे गए हैं। करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दोनों राज्यों में लगभग 4,000 चक्रवात राहत केंद्र तैयार किए गए हैं, ताकि प्रभावित लोगों को आश्रय दिया जा सके। विजयवाड़ा में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए भारतीय वायुसेना ने 12 टन से अधिक सामग्री भेजी है। इसके लिए दो सी-130जे विमानों का इस्तेमाल किया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम भी राहत कार्यों के लिए पहुंची है। वायुसेना ने कहा है कि वह लोगों की जान बचाने और आपदा राहत अभियान में मदद के लिए तैयार है।

मध्य प्रदेश, यूपी समेत नौ राज्यों में बारिश का अलर्ट

आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद चक्रवात का असर दूसरे राज्यों में भी महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड समेत नौ राज्यों में बारिश की चेतावनी दी है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा- भारी से अत्यधिक भारी बारिश, तेज हवाएं और निचले इलाकों में जलभराव का खतरा। तेलंगाना और छत्तीसगढ़- 28 और 29 अक्टूबर को भारी बारिश की संभावना। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र- पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में बारिश के आसार, कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। झारखंड और बिहार- 28 से 30 अक्टूबर के बीच बारिश की संभावना, बिहार में 29 और 30 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान। उत्तर प्रदेश- पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29 और 30 अक्टूबर को भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका।

मप्र से राज्यसभा जाएंगे केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद सीट खाली हुई थी; 12 नवंबर को उपचुनाव

भोपाल। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बुधवार को उनके नाम की घोषणा की। पुरी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम मंत्री हैं। यह सीट केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उन्होंने 14 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिपरिषद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इस सीट पर 12 नवंबर को मतदान होगा। इसी दिन शाम 5 बजे काउंटिंग होगी।

केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद मध्य प्रदेश से खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव के नामांकन की प्रक्रिया जारी है। एल. मुरुगन अप्रैल 2024 में मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे और उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी, जिस पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। चुनाव आयोग के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 2 नवंबर तय की गई है। इसके बाद 3 नवंबर को प्राप्त हुए नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी, जबकि उम्मीदवार आगामी 5 नवंबर तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। अगर चुनाव की स्थिति बनती है, तो आगामी 12 नवंबर 2026 को मतदान कराया जाएगा। हालांकि राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए यदि कांग्रेस पार्टी अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारती है, तो यह चुनाव निर्विरोध भी संपन्न हो सकता है।

जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय होगा

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए सामान्य स्थिति में 116 मतों का कोटा है। हालांकि, कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ऐसे में 229 विधायकों के आधार पर चुनावी गणित तय होगा और जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय किया जाएगा। बीना विधायक निर्मला सप्रे की स्थिति भी अहम है। वे खुद को कांग्रेस में बताती हैं, लेकिन भाजपा के कार्यक्रमों में भी नजर आती रही हैं। दलबदल से जुड़े मामले के कारण उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। उनके वोट को लेकर तस्वीर साफ होने के बाद ही दोनों दलों की प्रभावी संख्या का सटीक आकलन हो सकेगा।

दिल्ली एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट का सख्त रूख, कहा- चुनाव आयोग फॉर्म 6, 7 और 8 बदल नहीं सकता, 2 हफ्ते में मांगा जवाब

दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 क्यों भरें?

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने चुनाव आयोग से सवाल किया कि जिन लोगों ने दिल्ली एसआईआर में गणना फॉर्म नहीं भरे थे, उनसे नए मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए 'फॉर्म 6' भरने को क्यों कहा जा रहा है, जबकि वो पहले से ही 2026 की मतदाता सूची में शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को इसपर दो हफ्ते के भीतर जवाब देने को कहा है। यह सवाल तब उठा है जब लगभग 43 लाख लोगों को 'स्थान बदलने' या 'अनुपस्थित' होने के कारण ड्राफ्ट मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया है।

दिल्ली में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से सवाल किए कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से बाहर करीब 43 लाख मतदाताओं में जिनके नाम 'शिफ्टेड या अनुपस्थित' श्रेणी में दर्ज हैं, उन्हें दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने को क्यों कहा जा रहा है। यह फॉर्म नए मतदाताओं के रजिस्ट्रेशन के लिए होता है, जबकि ये लोग पहले से ही वोटर लिस्ट में शामिल थे। कोर्ट ने सवाल उठाया कि अस्थायी रूप से अपने पते पर मौजूद नहीं होने के कारण ऐसे मतदाताओं को नए सिरे से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया से क्यों गुजरना पड़ रहा है। चुनाव आयोग फॉर्म 6, 7 और 8 बदल नहीं सकता है।

फॉर्म-8 का उपयोग करने की अनुमति मिलनी चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फॉर्म-6 पहली बार वोट देने वालों के लिए है। जो लोग पहले से ही 2026 की मतदाता सूची में शामिल हैं और केवल एक जगह से दूसरी जगह गए हैं, उन्हें फॉर्म-8 का उपयोग करने की अनुमति मिलनी चाहिए। उनसे यह घोषणा करने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए कि वो पहले कभी मतदाता सूची में शामिल नहीं थे। कोर्ट ने कहा कि कुछ समय के लिए बाहर रहना, स्थायी रूप से जगह बदलना नहीं है। काम के सिलसिले में एक-दो महीने के लिए बाहर रहने से कोई मतदाता स्थायी रूप से स्थानांतरित नहीं हो जाता। जस्टिस बागची ने सवाल किया कि क्या कोई मतदाता, जो अपना फॉर्म नहीं भर पाया, वह हमेशा के लिए अपना वोट देने का अधिकार खो देता है? उन्होंने इसे एक ऐसी संरचनात्मक विसंगति बताया, जिसे ठीक करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक अंतिम मतदाता सूची तैयार नहीं हो जाती, तब तक केवल इसलिए किसी फॉर्म को खारिज करने का कोई मतलब नहीं है कि उसकी समय-सीमा निकल गई है।

चुनाव बैलेट पेपर से हुए और कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली

चार राज्यों में एमएलसी चुनाव के नतीजों के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस से किया सवाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार राज्यों में हुए विधान परिषद यानी एमएलसी चुनावों के नतीजों पर कांग्रेस को घेरा है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में कुल 28 सीटों पर चुनाव हुए थे और इनमें कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि ये चुनाव बैलेट पेपर से हुए। कर्नाटक की चारों सीटें बीजेपी और जेडीएस गठबंधन ने जीतीं, जबकि यूपी में बीजेपी को चार और सपा को दो सीटें मिलीं। पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे चार बड़े राज्यों में 28 सीटों पर एमएलसी चुनाव हुए। चुनाव बैलेट पेपर से हुए। अंदाजा लगाइए, कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं?

पीएम मोदी की यह पोस्ट ऐसे वक्त आई है जब विपक्ष चुनाव प्रक्रिया और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों यानी ईवीएम को लेकर सवाल उठाता रहा है। इसे कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर राजनीतिक तंज के तौर पर देखा जा रहा है। बैलेट पेपर को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। हालांकि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजों को चारों राज्यों के सभी मतदाताओं की पसंद का सीधा संकेत नहीं माना जा सकता। इन चुनावों में वोटरों का दायरा सीमित होता है और स्थानीय समीकरण भी नतीजों पर असर डालते हैं। इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की 11, बिहार की 8, महाराष्ट्र की 5 और कर्नाटक की 4 विधान परिषद सीटें शामिल थीं। मतदान 23 अक्टूबर को हुआ था और वोटों की गिनती 27 अक्टूबर से शुरू हुई। ये चुनाव मुख्य रूप से शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए थे। यहां आम जनता वोट नहीं करती। इन सीटों पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाता ही मतदान करते हैं। कर्नाटक में बीजेपी और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने चारों सीटों पर जीत दर्ज की। बीजेपी ने अपनी तीन सीटें बरकरार रखीं, जबकि जेडीएस ने बेंगलुरु शिक्षक सीट कांग्रेस से छीन ली।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी, अमित शाह पर साधा निशाना, बोले- भारतीय कारोबारी खिलौना नहीं

टाटा को आपराधिक तरीके से किया जा रहा बर्बाद

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि टाटा समूह को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है और देश का कोई भी प्रमुख कारोबारी इसके खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सवाल किया कि कारोबारी जगत आखिर कब तक चुप रहेगा? उन्होंने यह मसला तब उठाया है जब एन. चंद्रशेखरन को फिर से टाटा संस का अध्यक्ष नियुक्त करने को लेकर विवाद हो रहा है।

राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, टाटा को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है और कोई भी कारोबारी नेता एक शब्द कहने की हिम्मत नहीं कर रहा। राहुल गांधी ने सवाल किया, आप कब तक चुप रहेंगे? तब तक, जब तक वे आप पर कब्जा नहीं कर लेते? उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा- भारतीय कारोबार मोदी और शाह का खिलौना नहीं है। आपमें साहस की कमी है। हममें नहीं। हम इन अपराधों के लिए न्याय सुनिश्चित करेंगे। असल में, टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और उसकी सबसे बड़ी शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स के बीच लीडरशिप, कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की संभावना और उसके कामकाज से जुड़े मुद्दों पर मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की करीब 66 फीसदी हिस्सेदारी है।

पति को छोड़ दूसरे पुरुष के लिए रखा करावाचौथ का व्रत, कोर्ट ने किया तलाक मंजूर

13 साल पुरानी शादी टूटी, पति ने मानसिक क्रूरता का लगाया था आरोप

जयपुर। करवाचौथ पर दूसरे पुरुष के लिए व्रत रखने और उसके साथ त्योहार मनाने से जुड़े मामले में जयपुर की फैमिली कोर्ट-2 ने एक दंपती के 13 साल पुराने वैवाहिक संबंध को समाप्त करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश विशाल भार्गव की अदालत ने पति की तलाक याचिका स्वीकार करते हुए उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर माना कि वैवाहिक संबंधों में विश्वास टूटने और मानसिक क्रूरता से जुड़ी स्थिति पैदा हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पति-पत्नी के रुप में दोनों मई 2013 में शादी के पवित्र बंधन में बंधे थे। पति ने 27 जनवरी 2023 को तलाक के लिए याचिका दायर की थी। पति की ओर से अधिवक्ता विष्णु कुमार शर्मा ने पैरवी की। पति का आरोप था कि पत्नी लंबे समय से उसके साथ दांपत्य संबंध बनाए रखने से इनकार कर रही थी और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी। उसने वर्ष 2019 से दोनों के बीच शारीरिक संबंध नहीं होने का दावा भी किया।

पति ने अदालत में आरोप लगाया कि पत्नी का दूसरे पुरुष के साथ व्यवहार सामान्य मित्रता तक सीमित नहीं था। याचिका के मुताबिक, 24 अक्टूबर 2021 को पत्नी ने दूसरे पुरुष के लिए करवाचौथ का व्रत रखा, उसके नाम की मेहंदी लगाई और गोवा में उसके साथ त्योहार मनाया। पति का दावा था कि पत्नी उस व्यक्ति को पति की तरह मानने लगी थी और उसके साथ घूमने जाती थी। अदालत के सामने इन परिस्थितियों को वैवाहिक संबंधों में विश्वास और पति को हुई मानसिक पीड़ा के संदर्भ में रखा गया। उपलब्ध मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने पति की तलाक याचिका स्वीकार कर ली।

बेटे की देखभाल और कथित प्रताड़ना के आरोप भी उठे

पति ने पत्नी पर उसके और उसके माता-पिता के साथ अपमानजनक व्यवहार करने तथा नाबालिग बेटे की पर्याप्त देखभाल नहीं करने के आरोप भी लगाए थे।

कुछ ना कहना

यौन शोषण मामला- बृजभूषण को जवाब देने का आखिरी मौका

अगली सुनवाई 20 नवंबर को, महिला पहलवानों ने बरी होने के फैसले को किया चैलेंज

गोंडा। महिला पहलवानों के यौन शोषण से जुड़े मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पूर्व सचिव विनोद तोमर को बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील पर बुधवार सुबह 11 बजे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। उनके वकील ने ऑनलाइन पेश होकर जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। विशेष न्यायाधीश ने आखिरी मौका देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर तय की है। 9 अक्टूबर को एमपी/एमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विजय सिंह ने मामले की सुनवाई करते हुए बृजभूषण शरण सिंह को 28 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत में शुरू से अंत तक हुई पूरी अदालती कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड (पेन ड्राइव में) याचिकाकर्ता पहलवानों, बृजभूषण शरण सिंह, विनोद तोमर और दिल्ली पुलिस को उपलब्ध कराया जाए। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से भी पूछा था कि क्या वह इस फैसले के खिलाफ अपील दाखिल करेगी, जिस पर पुलिस ने जवाब देने के लिए समय मांगा था।

केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट, महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान

महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत बढ़ाकर 63 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। दिवाली से ठीक पहले कैबिनेट ने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की मंजूरी देकर सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 3 फीसदी बढ़ोतरी की मंजूरी दी गई है। अब केंद्र सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़कर 60 से 63 फीसदी हो चुका है। महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी जुलाई महीने के लिए है।

सरकार के इस फैसले पर केंद्र सरकार के खजाने पर बड़ा असर होगा, करीब 10,016 करोड़ रुपये का भार आएगा। इस बढ़ोतरी के साथ ही कर्मचारियों को जुलाई से जोड़कर 4 महीने का एरियर भी दिया जाएगा। यह एरियर कर्मचारियों की अक्टूबर सैलरी के साथ आएगी। इससे लगभग 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। नई दरें 1 जुलाई से प्रभावी मानी जाएंगी।

अप्रैल में 2 प्रतिशत बढ़ा था डीए

इससे पहले सरकार ने अप्रैल महीने में कर्मचारियों के डीए और पेंशनर्स के लिए महंगाई राहत में 2 फीसदी का इजाफा किया था। उस बढ़ोतरी के साथ डीए की दर 60 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। अब 3 फीसदी की ताजा बढ़ोतरी के बाद यह आंकड़ा 63 फीसदी हो गया है। सरकार के इस फैसले से त्योहारों के सीजन में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सीधा आर्थिक फायदा मिलेगा और पिछले महीनों का एरियर भी खाते में आएगा।

साल में दो बार रिवाइज होता है भत्ता

केंद्र सरकार हर साल कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए डीए और डीआर में दो बार संशोधन करती है। पहला संशोधन आमतौर पर जनवरी से और दूसरा जुलाई से प्रभावी होता है। यह ताजा घोषणा जुलाई की छमाही के लिए की गई है। सरकार ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आंकड़ों के आधार पर महंगाई का आकलन करती है और उसी अनुपात में भत्ते बढ़ाने का निर्णय लेती है।

किरनापुर स्वास्थ्य केंद्र में नवजात की मौत से मचा हड़कंप, डॉक्टरों-नर्स पर लापरवाही के आरोप

तीन दिन अस्पताल में भर्ती रहने के बाद नवजात ने तोड़ा दम, प्रभारी बीएमओ के बयान से उठे सवाल; मौत के बाद परिजनों को एंबुलेंस नहीं मिलने का भी आरोप

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में नवजात शिशु की मौत का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने अस्पताल में नवजात की देखभाल और उपचार व्यवस्था को लेकर डॉक्टरों एवं नर्स पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मामला उस समय और गंभीर हो गया, जब परिजनों ने नवजात की मौत के बाद परिवार को घर जाने के लिए एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने तथा निजी ऑटो रिक्शा से रवाना होने की बात कही। हालांकि, पूरे मामले में चिकित्सकीय लापरवाही की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पताल में भर्ती नवजात की निगरानी और आपातकालीन परिस्थितियों में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि स्वास्थ्य विभाग मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाता है या नहीं।

घर पर प्रसव के बाद माता और नवजात को अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटंगी निवासी श्रवण उईके ने बताया कि 25 अक्टूबर को उनकी पत्नी का घर पर प्रसव हुआ था। प्रसव के बाद वह अपनी पत्नी और नवजात शिशु को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर पहुंचे, जहां दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार को उम्मीद थी कि अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में माता और नवजात को उचित उपचार एवं आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। परिजनों के मुताबिक, माता और नवजात करीब तीन दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहे। इसी दौरान 28 अक्टूबर को नवजात शिशु की मौत हो गई। परिवार के लिए यह घटना बेहद दुखद रही। जिस बच्चे के जन्म के बाद घर में खुशियां आने की उम्मीद थी, उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का कहना है कि जब नवजात अस्पताल में भर्ती था, तब उसकी देखभाल और स्वास्थ्य की निगरानी की जिम्मेदारी अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों की थी। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि भर्ती रहने के दौरान बच्चे की नियमित जांच कैसे की गई, उसकी स्थिति पर किस प्रकार नजर रखी गई और आवश्यकता पड़ने पर कौन-कौन से उपचार किए गए।

नवजात की मौत के बाद डॉक्टरों और नर्स पर लगाए गंभीर आरोप

नवजात को मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल की उपचार व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि घटना के बाद अस्पताल के डॉक्टरों और नर्स ने परिवार को ही लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया। इससे परिजनों की नाराजगी और बढ़ गई। परिवार का सवाल है कि यदि नवजात की देखभाल में किसी प्रकार की समस्या थी, तो अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उसकी समय पर पहचान क्यों नहीं हुई? क्या बच्चे की स्थिति की नियमित निगरानी की जा रही थी? क्या नवजात को आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण और उपचार उपलब्ध कराया गया था? यदि उसकी हालत में कोई बदलाव आया था, तो परिजनों को इसकी जानकारी दी गई थी या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब संबंधित चिकित्सकीय रिकॉर्ड, ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की जानकारी और मामले की निष्पक्ष जांच से ही सामने आ सकता है। फिलहाल परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए पूरे मामले में तथ्यों के आधार पर जांच होना आवश्यक है।

प्रभारी बीएमओ डॉ. कीर्तिमाला बांगरे के बयान से उठे सवाल

मामले को लेकर प्रभारी बीएमओ डॉ. कीर्तिमाला बांगरे से फोन पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बच्चा स्वस्थ था और सब कुछ ठीक था। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार बच्चों को दूध पिलाने के दौरान सही पोजीशन नहीं बन पाने के कारण भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रभारी बीएमओ के इस बयान के बाद नवजात की मौत के वास्तविक कारण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यदि बच्चा स्वस्थ था और स्थिति सामान्य थी, तो फिर किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई? क्या मौत से पहले नवजात के स्वास्थ्य में कोई बदलाव आया था? क्या उस समय चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई थी? इन बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। हालांकि, केवल फोन पर दिए गए बयान या परिजनों के आरोपों के आधार पर नवजात की मौत का कारण निर्धारित नहीं किया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकीय रिकॉर्ड, उपचार से संबंधित दस्तावेजों, अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान की गई जांच और आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों की राय के आधार पर तथ्यात्मक निष्कर्ष निकालना जरूरी होगा।

मौत के बाद एंबुलेंस नहीं मिलने का आरोप, निजी ऑटो से रवाना हुआ परिवार

इस पूरे घटनाक्रम में एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू भी सामने आया है। परिजनों के अनुसार, नवजात की मौत के बाद परिवार को घर जाने के लिए एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी और उन्हें निजी ऑटो रिक्शा से रवाना होना पड़ा। यदि यह आरोप सही पाया जाता है, तो यह अस्पताल की परिवहन व्यवस्था और जरूरतमंद परिवारों को उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता के संबंध में गंभीर सवाल खड़े करता है। ऐसी दुखद परिस्थिति में परिवार पहले ही मानसिक पीड़ा से गुजर रहा होता है। ऐसे समय में आवश्यक सहायता और परिवहन की व्यवस्था को लेकर स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होना जरूरी है। इस मामले में यह भी जांच का विषय है कि परिजनों ने एंबुलेंस की मांग की थी या नहीं, यदि मांग की गई थी तो संबंधित सेवा क्यों उपलब्ध नहीं हो सकी और उस समय अस्पताल में एंबुलेंस की स्थिति क्या थी। संबंधित रिकॉर्ड की जांच से ही इस आरोप की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

किरनापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सामने आया यह मामला केवल एक परिवार की पीड़ा तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे अस्पताल में नवजात शिशुओं की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं की जवाबदेही से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न भी सामने आए हैं।

मामले में निम्न बिंदुओं पर जांच आवश्यक है-

नवजात को अस्पताल में भर्ती करने के समय उसकी स्वास्थ्य स्थिति क्या थी?

तीन दिनों के दौरान उसकी कितनी बार चिकित्सकीय जांच की गई और क्या उपचार दिया गया?

नवजात की देखभाल के लिए कौन-कौन से डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी जिम्मेदार थे?

मौत से पहले बच्चे की स्थिति में कोई बदलाव आया था तो उस पर क्या कार्रवाई की गई?

नवजात की मौत का वास्तविक चिकित्सकीय कारण क्या था?

परिजनों को घर जाने के लिए एंबुलेंस क्यों नहीं मिल पाई, यदि उन्होंने इसकी मांग की थी?

क्या अस्पताल में उपलब्ध उपचार और परिवहन संबंधी व्यवस्थाओं का निर्धारित नियमों के अनुसार पालन किया गया?

इन सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कर संबंधित अधिकारियों को वास्तविक स्थिति सामने लानी चाहिए। यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही या नियमों का उल्लंघन प्रमाणित होता है, तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

अब जांच पर टिकी निगाहें

नवजात की मौत से दुखी परिवार के आरोपों और प्रभारी बीएमओ के बयान के बीच कई सवाल अनुत्तरित हैं। तीन दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद नवजात की मौत किन परिस्थितियों में हुई, उपचार के दौरान क्या-क्या कदम उठाए गए और मौत के बाद एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के आरोप में कितनी सच्चाई है—इन सभी पहलुओं पर स्वास्थ्य विभाग का स्पष्ट पक्ष सामने आना आवश्यक है।

फिलहाल मामले में मौत के वास्तविक कारण और चिकित्सकीय लापरवाही की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में किसी को दोषी ठहराने के बजाय निष्पक्ष जांच, चिकित्सकीय दस्तावेजों की समीक्षा और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर सच्चाई सामने लाना जरूरी है। जांच के निष्कर्ष ही यह तय कर सकेंगे कि घटना के पीछे क्या परिस्थितियां थीं और कहीं किसी स्तर पर जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता है या नहीं।

10 से 12 बार आ चुके है, आज तक नही मिला इंसाफ

पंचायत कार्यों में कथित अनिमियताओ को लेकर ग्रामीणों ने खोला मोर्चा, बहियाटिकुर पंचायत में लाखों की अनियमितताओं का लगाया आरोप सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बहियाटिकुर में कथित वित्तीय अनियमितताओं, अधूरे निर्माण कार्यों और ग्रामीणों को धमकाने के आरोपों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पंचायत के कामकाज से नाराज ग्रामीणों ने पंचायत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गांव के जागरूक युवा ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और शिकायत सौंपकर पंचायत के विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच

कराने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि इसी शिकायत को लेकर 10 से 12 बार कलेक्ट्रेट और जिला पंचायत कार्यालय में ज्ञापन सौप चुके है लेकिन आजतक उनकी शिकायत पर कार्यवाही नही हुई, जहां कार्यवाही तो दूर की बात आज तक शिकायतों की जांच तक नही कराई गई है।जिसपर अपनी नारजगी जताते हुए ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द जिला स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे सीधा हाईकोर्ट जाएगे।

शासकीय राशि का किया जा रहा दुरपयोग

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में निर्माण कार्यों के नाम पर कथित तौर पर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया है। फर्जी मस्टर रोल, बिल-वाउचर और अधूरे निर्माण कार्यों के बावजूद राशि आहरित किए जाने की शिकायत की गई है। वहीं, पंचायत के जिम्मेदारों पर शिकायत करने वाले ग्रामीणों को धमकाने के आरोप भी लगाए गए हैं। ग्रामीणों ने पूरे मामले में पंचायत पदाधिकारियों के साथ संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की मांग की है।

कच्ची सड़कें, गंदगी और अधूरे निर्माण से परेशानी

ग्रामीणों ने बताया कि गांव की कई सड़कें खराब हालत में हैं। श्मशान घाट तक पहुंचने वाली सड़क की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। कच्ची सड़कों के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में विकास कार्यों को लेकर मनमानी की जा रही है और कई निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं। इसके बावजूद कार्यों की गुणवत्ता और भुगतान की स्थिति की समुचित जांच नहीं हो रही है।ग्रामीणों ने खोद तालाब में सिंघाड़ा उत्पादन के कारण जल प्रदूषण की समस्या भी उठाई और संबंधित विभाग से इसकी जांच कराने की मांग की है।

योजनाओं की जानकारी नहीं, केवाईसी के नाम पर राशि मांगने का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों को नहीं दी जाती। इससे पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। ग्रामीणों ने सचिव और ग्राम रोजगार सहायक (जीआरएस) पर केवाईसी एवं ई-केवाईसी के नाम पर राशि मांगने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने प्रशासन से इन शिकायतों की जांच कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की है।

25 बिंदुओं पर जांच की मांग, समिति पर टालमटोल का आरोप

ग्रामीणों के अनुसार, पंचायत के विकास कार्यों और वित्तीय लेन-देन में अनियमितताओं को लेकर पहले भी शिकायतें की गई थीं। उनका दावा है कि शिकायत के बाद सात दिन में जांच समिति गठित करने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक मौके पर पहुंचकर जांच नहीं की गई। इसी कथित देरी से नाराज ग्रामीणों ने जिला पंचायत पहुंचकर फिर से शिकायत दर्ज कराई।ग्रामीणों ने पिछले पांच वर्षों के आय-व्यय, बैंक खातों और कैशबुक का ऑडिट, निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन, जीएसटी बिलों की जांच, सीसी रोड, नाली एवं पुलिया निर्माण की गुणवत्ता की जांच, मनरेगा के मस्टर रोल और हाजिरी का सत्यापन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े अभिलेखों की पड़ताल कराने की मांग की है। शिकायत में कथित फर्जी बिल-वाउचर के आधार पर भुगतान और अधूरे कार्यों की राशि निकाले जाने के आरोप भी शामिल हैं।

रोजगार कार्ड में रिश्तेदार का नाम होने का भी आरोप

ग्रामीण अनिल कुमार रंगारे, आदित्य चौधरी, गुलशन उइके सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत में कराए गए निर्माण कार्यों में अनियमितताएं हुई हैं। उनका दावा है कि कुछ कार्य अधूरे होने के बावजूद उनकी राशि निकाल ली गई। ग्रामीणों ने सरपंच के जेठ का नाम रोजगार कार्ड में दर्ज होने का आरोप लगाते हुए इसकी भी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद सुनवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है।ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग पंचायत के समस्त विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच, वित्तीय अभिलेखों का सत्यापन और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है। मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी दी है।

सचिव,आरोपों को बता चुके है निराधार

आपको बताए कि इसी मामले को लेकर इसके पूर्व नही ग्रामीणों द्वारा ज्ञापन सौपा गया था।जहां, पंचायत सचिव अनिरुद्ध लांजेवार ने ग्रामीणों को धमकाने और विकास कार्यों में अनियमितताओं के आरोपों को निराधार बताया था। उन्होंने कहा था कि जिस कच्ची सड़क को लेकर शिकायत की जा रही है, वह खेतों तक जाने वाला मार्ग है। बारिश के दौरान ट्रैक्टरों की आवाजाही के कारण सड़क खराब हुई है।जिसे जल्द दुरुस्त कराया जाएगा।उन्होंने अन्य आरोपो को भी झूठा व बेबुनियाद बताया था।

मड़कापार पंचायत में निर्माण कार्यों और भुगतान पर उठे सवाल

जिला एवं जनपद पंचायत सीईओ को आवेदन सौंप शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने की जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। किरनापुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मड़कापार में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, निविदा प्रक्रिया और शासकीय राशि के भुगतान को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। पंचायत के विभिन्न निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग करते हुए ग्रामीणों ने जनपद एवं जिला पंचायत किरनापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवेदन सौंपा है। शिकायतकर्ताओं ने वर्ष 2022 से अक्टूबर 2026 तक कराए गए निर्माण कार्यों और संबंधित भुगतानों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। आवेदन में शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने आरोप लगाया गया है कि पंचायत सचिव और सरपंच द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों के भुगतान में नियमों का पालन किया गया या नहीं, इसकी जांच आवश्यक है। शिकायतकर्ताओं ने बिलों में जीएसटी, कोटेशन की उपलब्धता तथा संबंधित फर्मों के दस्तावेजों की जांच कराने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि संबंधित अभिलेखों की पड़ताल के बिना भुगतान की प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों का समाधान संभव नहीं है।

नाली निर्माण से लेकर शौचालय तक जांच के घेरे में

शिकायत में पंचायत के वार्ड क्रमांक 02 में सीसी नाली निर्माण की जांच कराने की मांग की गई है। इसके अलावा वर्ष 2024 में निर्मित स्टॉप डैम की गुणवत्ता की जांच का मुद्दा भी उठाया गया है। ग्रामीणों ने सुदूर सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग करते हुए निर्माण की वास्तविक स्थिति और भुगतान संबंधी रिकॉर्ड का मिलान करने पर जोर दिया है। आवेदन में वार्ड क्रमांक 07 में सीसी नाली के नाम पर लगभग 45 हजार रुपये के भुगतान का उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इस राशि के आहरण और कार्य की वास्तविक स्थिति की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित अभिलेखों के आधार पर यह स्पष्ट करने की मांग की है कि कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप हुआ था या नहीं।

लाखों के शौचालय निर्माण पर भी उठे सवाल।

शिकायत में आवास टोला में वर्ष 2026 में निर्मित सामुदायिक शौचालय की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की गई है। वहीं, लगभग 90 हजार रुपये की लागत से वर्ष 2022 में निर्मित सामुदायिक शौचालय और करीब 3 लाख 44 हजार रुपये की राशि से बने सामुदायिक स्वच्छता परिसर के निर्माण कार्यों की भी जांच की मांग की गई है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन निर्माण कार्यों से जुड़े बिल, माप पुस्तिका, भुगतान विवरण और स्थल निरीक्षण के आधार पर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए। यदि किसी कार्य में गुणवत्ता की कमी या वित्तीय अनियमितता मिलती है, तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

निविदा प्रक्रिया पर भी सवाल

आवेदन में वर्ष 2022 से 2026 तक पंचायत द्वारा जारी निविदाओं की जानकारी की जांच कराने की मांग की गई है। शिकायतकर्ताओं ने पूछा है कि कितने ठेकेदारों, वेंडरों और दुकानदारों ने निविदा प्रक्रिया में भाग लिया, कितनों ने काम लेने के लिए आवेदन किया तथा किन फर्मों को काम मिला। साथ ही, निविदा में भाग नहीं लेने वाली फर्मों से संबंधित भुगतान की स्थिति की भी जांच करने की मांग की गई है।

जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

शिकायतकर्ताओं ने जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सीईओ से आवेदन में उठाए गए सभी बिंदुओं पर दस्तावेजी जांच, निर्माण स्थलों का निरीक्षण और भुगतान रिकॉर्ड का सत्यापन कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारी मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और जांच के जरिए वास्तविक स्थिति सामने आती है या नहीं।

फिलहाल ये सभी बिंदु शिकायत में लगाए गए आरोप और जांच की मांग हैं। निष्पक्ष जांच से ही स्पष्ट होगा कि निर्माण कार्यों और भुगतान में नियमों का पालन हुआ है या कहीं अनियमितता हुई है।

चौकीदार की आवश्यकता है
शादी के भवन के लिए
चौकीदार, परिवार सहित रहने
वाले को प्राथमिकता दी जावेगी
8966935382, 9301240270

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
बम के गोला
आकर्षक झांकी के साथ दामाद बाबू राजनांदगांव एवं राधिका बंजारी दुर्ग के द्वारा अनुपम प्रस्तुती
8085493332, 7440787959

In The Court Of Pranesh Kumar Pran,
Principal District and Session Judge, Balaghat
Presiding Officer: प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 प्रतिपाल्य संरक्षकता अधिनियम
प्रकरण क्रमांक (MJC GW/00028/2026)

1 धैर्य गिरी पिता स्व अरूण गिरी उम्र 11 वर्ष
2 रोपित गिरी पिता स्व अरूण गिरी उम्र 08 वर्ष
3 गीता गिरी पति स्व अरूण गिरी सभी निवासी वार्ड नंबर 33 मोती नगर बालाघाट........................ आवेदकगण

विरूद्ध

1 आम जनता.................................अनावेदकगण

Process Id- 970/2026
पेशी दिनांक-07/12/2026

(1) आम जनता पता- आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका ने धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 के अंतर्गत स्वयं को दोनों पुत्रों का संरक्षक एवं प्रतिपाल्य घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदिका ने अपने दोनों पुत्रों धैर्य गिरी एवं रोपित गिरी को अपने और अपने पति स्व0 अरूण गिरी की संतान होना बताया है। आवेदिका ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है कि उसे उसके बच्चों का संरक्षक घोषित किया जावे, जिससे कि वह अपने बच्चों के हिस्से की जमीन ग्राम पाथरी प0ह0नं0 9 रा0नि0मं0 रजेगांव तहसील किरनापुर जिला बालाघाट में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 267/2 एवं 267/3 रकबा 0.406 हेक्टे शामिल शरीक भूमि में से 22 डिसमिल को विक्रय कर सके।

अतः यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07-12-2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश

भावेश झंझाड़े
आपको
जन्मदिवस की ढेर सारी
शुभकामनाएं
शुभेच्छु-
श्रीमती रोशनी-राकेश झंझाड़े (मम्मी-पापा)
श्रीमती अनुसुईया-लक्ष्मीनारायण झंझाड़े
(दादा-दादी)
तिलकराम झंझाड़े, लकेश झंझाड़े चाचा
एवं समस्त झंझाड़े परिवार बुढ़ा ह. (लालबर्रा)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

चर्च निवास के उद्घाटन समारोह में बवाल

धर्मगुरु से मिलने की बात पर भिड़े दो पक्ष, भरवेली में गाली-गलौज और मारपीट से मचा हड़कंप, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली में पास्टर के चर्च निवास के उद्घाटन समारोह के बाद उस समय विवाद की स्थिति निर्मित हो गई जब धर्मगुरु बिशप सी. सेल्विन से मिलने के दौरान दो पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गाली-गलौज के साथ मारपीट के आरोप लगने लगे। घटना 25 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे की बताई जा रही है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने भरवेली थाने पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यक्रम समाप्त होते ही बढ़ी भीड़ मिलने को लेकर शुरू हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अक्टूबर की रात भरवेली में पास्टर के चर्च निवास का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में समाज के सदस्य, पदाधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए थे। जबलपुर से भी मनीष गिडियन, एरिक पवन नाथ, श्रीमती सिनरेला गिडियन, श्युमिन गिडियन, दृष्टि एरिक नाथ, सामर्थ गिडियन, टाइटस कुमार और कुमारी कुंदन लीना कस्बे सहित अन्य लोग कार्यक्रम में पहुंचे थे रात करीब 8:30 बजे कार्यक्रम समाप्त होने के बाद धर्मगुरु बिशप सी. सेल्विन बाहर निकल रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद लोग उनसे मिलने और बातचीत करने के लिए आगे बढ़ने लगे। धर्मगुरु के आसपास लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। इसी बीच जबलपुर निवासी मनीष गिडियन भी अपने परिवार के साथ उनसे मिलने का प्रयास कर रहे थे। मनीष गिडियन सचिव पद से निलंबित बताए गए हैं इसी दौरान ट्बलेश क्षत्रिया सहित कुछ अन्य लोगों ने भीड़ के बीच धर्मगुरु से मिलने पर आपत्ति जताई। बताया जाता है कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते कहासुनी ने विवाद का रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज तथा मारपीट की स्थिति बन गई।

एक पक्ष ने गाली-गलौज और हाथ-मुक्कों से मारपीट का लगाया आरोप

मामले में ट्बलेश क्षत्रिया और फेडरिक सोमा की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार, मनीष गिडियन, सिनरेला गिडियन, सामर्थ गिडियन और श्युमिन गिडियन पर अश्लील गाली-गलौज करने तथा हाथ-मुक्कों से मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने विवाद के दौरान धक्का-मुक्की और झूमाझटकी होने की बात भी कही है वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से एरिक पवन नाथ, दृष्टि एरिक नाथ, टाइटस कुमार और कुमारी कुंदन लीना कस्बे ने धर्मगुरु से मिलने से रोके जाने को लेकर विवाद होने की बात कही है। इस पक्ष ने आरोप लगाया कि धर्मगुरु से मिलने का प्रयास करने पर उनके साथ गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई।

दृष्टि एरिक नाथ ने भी दर्ज कराई शिकायत

दृष्टि एरिक नाथ की ओर से दर्ज शिकायत में फेडरिक सोमा, जबलपुर निवासी, अमित मैथ्यू निवासी बालाघाट, मेक्सपाल, ट्बलेश क्षत्रिया और विनय बेदी निवासी भरवेली के विरुद्ध मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के मुताबिक, धर्मगुरु बिशप सी. सेल्विन से मिलने के प्रयास के दौरान उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को रोका गया। इस दौरान मारपीट किए जाने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं इस प्रकार, एक ही घटनाक्रम को लेकर दोनों पक्षों ने अलग-अलग आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। विवाद की शुरुआत किस बात से हुई और मारपीट की घटना में किसकी क्या भूमिका रही, यह जांच का विषय है।

दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज-पुलिस जांच में जुटी

घटना के संबंध में दृष्टि एरिक नाथ और दूसरे पक्ष के ट्बलेश क्षत्रिया ने भरवेली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामला कायम कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी चर्च निवास के उद्घाटन जैसे धार्मिक कार्यक्रम के समापन पर धर्मगुरु से मिलने को लेकर उपजा यह विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। मामले में दोनों पक्षों के आरोपों और घटना के वास्तविक कारणों को लेकर आगे की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बालाघाट जिले में पटाखों की बिक्री और उपयोग को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

30 नवंबर तक प्रभावशील रहेगा आदेश, प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों पर प्रतिबंध; अस्पतालों और अन्य शांत क्षेत्रों के 100 मीटर के दायरे में पटाखे चलाना प्रतिबंधित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में दीपावली पर्व के दौरान वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने तथा जनस्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आदित्य सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 28 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक संपूर्ण बालाघाट जिले की सीमा में प्रभावशील रहेगा। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार, जिले में ऐसे पटाखों के क्रय-विक्रय, भंडारण, परिवहन और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिनके निर्माण में बेरियम साल्ट तथा एंटीमनी, लिथियम, मरकरी, आर्सेनिक, लेड और स्ट्रॉंटियम क्रोमेट जैसे रसायनों का उपयोग किया गया है। लड़ी वाले पटाखों तथा ऐसे पटाखों के उपयोग पर भी प्रतिबंध रहेगा, जिनकी विस्फोट की तीव्रता स्थल से 04 मीटर की दूरी पर 125 डेसीबल से अधिक है। पटाखों की ई-कॉमर्स कंपनियों अथवा निजी व्यक्तियों द्वारा ऑनलाइन बिक्री तथा गैर-लाइसेंसी बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। अस्पताल, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केंद्र, शैक्षणिक संस्थान, सिविल न्यायालय और धार्मिक स्थलों सहित घोषित शांत क्षेत्रों के 100 मीटर के दायरे में पटाखे चलाना प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा आयुध निर्माणियों, पेट्रोल पंप, गैस गोदाम, पटाखा बाजारों तथा अन्य ज्वलनशील स्थानों पर भी पटाखे चलाने की अनुमति नहीं होगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक पटाखा एवं विस्फोटक लाइसेंसधारी को प्रतिबंधित पटाखों के निर्माण, क्रय-विक्रय, परिवहन और भंडारण से संबंधित नियमों का पालन करना होगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ग्रीन पटाखों के उपयोग पर जोर

वायु प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए त्योहार के दौरान ग्रीन पटाखों की श्रेणी के पटाखों के क्रय-विक्रय, वितरण और उपयोग को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पटाखों की जांच और निगरानी भी की जाएगी। पटाखे जलाने के बाद उत्पन्न कचरे को खुले में या ऐसे स्थानों

पर फेंकने से बचने के निर्देश दिए गए हैं, जहां प्राकृतिक जलस्रोतों और पेयजल स्रोतों के प्रदूषित होने की आशंका हो। कचरे को एकत्रित कर नगर पालिका और ग्राम पंचायत के सफाई कर्मचारियों के माध्यम से उचित निस्तारण कराया जाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को आदेश का पालन सुनिश्चित कराने तथा पटाखा कारोबारियों के प्रतिष्ठानों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदारों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा संबंधित विभागों को इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा गया है।

करवा चौथ व्रत आज

पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखेंगी सुहागिनें, चांद के दीदार का रहेगा इंतजार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ सुहागिन महिलाएं आज करवा चौथ का व्रत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाएंगी। इस पर्व को लेकर बालाघाट शहर सहित जिले के तहसील मुख्यालयों और ग्रामीण अंचलों में उत्साह का माहौल है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगी और रात में चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य अर्पित करने के बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोलेंगी। पर्व की तैयारियों के चलते बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। कपड़ों, आभूषणों, शृंगार सामग्री और पूजन के सामान की दुकानों पर महिलाओं की चहल-पहल दिखाई दे रही है।

सजने-संवरने से लेकर पूजा की थाली तक, हर तैयारी पूरी

करवा चौथ को लेकर महिलाओं में कई दिनों से तैयारियां चल रही हैं। कोई अपने लिए आकर्षक साड़ी और लहंगा पसंद कर रही है तो कोई चूड़ियां, बिंदी, मंगलसूत्र, पायल, नथनी और अन्य शृंगार सामग्री खरीदने में जुटी है। ब्यूटी पार्लरों में भी महिलाओं की आवाजाही बढ़ी है। मेहंदी लगवाने और विशेष शृंगार के लिए कई महिलाओं ने पहले से समय निर्धारित करा रखा है। त्योहार की रौनक खासतौर पर नवविवाहिताओं में देखने मिल रही है, जो शादी के बाद अपना पहला करवा चौथ मनाने को लेकर उत्साहित हैं। उनके लिए यह व्रत केवल परंपरा नहीं, बल्कि दांपत्य जीवन के नए सफर की यादगार शुरुआत भी है।

15 से 50 रुपये तक के मिट्टी के करवे उपलब्ध

करवा चौथ के अवसर पर शहर के बाजारों में मिट्टी के करवे की दुकानें भी सज गई हैं। अलग-अलग आकार और डिजाइन के करवे महिलाओं को आकर्षित कर रहे हैं। बाजार में मिट्टी के करवे 15 रुपये से लेकर 50 रुपये तक में उपलब्ध हैं। इनके साथ पूजन थाली, ढक्कन, छलनी, दीपक और अन्य पूजन सामग्री की भी बिक्री हो रही है। कई दुकानों पर डिजाइनर छलनी और आकर्षक पूजा सेट उपलब्ध हैं। त्योहार से पहले खरीदारी बढ़ने से स्थानीय व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं।

सोलह शृंगार के साथ करेंगी पूजन

करवा चौथ पर महिलाएं पारंपरिक परिधान पहनकर सोलह शृंगार करेंगी और करवा माता की पूजा-अर्चना करेंगी। पूजन के लिए रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक, धूप-अगरबत्ती, फल, फूल, मिठाई, करवा चौथ कैलेंडर और अन्य आवश्यक सामग्री खरीदी जा रही है। कई महिलाएं पूजा की थाली सजाने के लिए विशेष सामग्री जुटा रही हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत रखकर महिलाएं पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। शाम को करवा चौथ की कथा सुनने के बाद चंद्रमा निकलने का इंतजार किया जाता है।

निजी कंपनी के बाल गिनती ऐप पर भड़कीं शहरी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बोलीं बिना लिखित आदेश नहीं करेंगे काम

विभागीय आंकड़ों की गोपनीयता और मोबाइल की सुरक्षा पर जताई चिंता, कलेक्टर व महिला-बाल विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों के लिए निजी कंपनी द्वारा तैयार किए गए बाल गिनती ऐप को लेकर शहरी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में नाराजगी सामने आई है। ऐप के माध्यम से बच्चों की गिनती और मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देशों पर आपत्ति जताते हुए कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि बालाघाट में करीब एक माह से संचालित इस ऐप को लेकर विभाग की ओर से कोई स्पष्ट लिखित आदेश नहीं दिया गया है, इसके बावजूद शहरी क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर इसे मोबाइल में डाउनलोड कर काम करने का दबाव बनाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि जब प्रदेश के अन्य जिलों में यह ऐप संचालित नहीं है और जिले की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी इसे अनिवार्य नहीं किया गया है, तो फिर केवल शहरी क्षेत्र की कार्यकर्ताओं से ही इस पर काम क्यों कराया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि ऐप के उपयोग पर तत्काल रोक लगाई जाए और विभागीय स्तर पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। शहरी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता योगिता कावड़े ने बताया कि ऐप डाउनलोड करने और लॉगइन करने में कई तरह की तकनीकी परेशानियां आ रही हैं। इसकी शिकायत संबंधित सुपरवाइजरों से भी की गई है। उनका आरोप है कि निजी कंपनी से जुड़े लोग विभागीय अधिकारियों का नाम लेकर कार्यकर्ताओं पर ऐप में काम करने के लिए दबाव बना रहे हैं। कुछ कार्यकर्ताओं के अनुसार, कंपनी के प्रतिनिधियों ने उनके आंगनबाड़ी केंद्रों पर पहुंचकर निजी मोबाइल में ऐप लॉगइन कराने

का प्रयास भी किया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विधिवत लिखित आदेश जारी किया जाता और ऐप की तकनीकी व सुरक्षा संबंधी जानकारी स्पष्ट होती, तो उन्हें काम करने में आपत्ति नहीं होती। लेकिन किसी निजी कंपनी के ऐप पर विभागीय कामकाज कराए जाने से पहले उसकी आधिकारिक मान्यता, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में उन्हें पोषण ट्रैकर, संपर्क ऐप, पीएम योजनाओं से जुड़े पोर्टल, फेस कैप्चर, आधार और समग्र आईडी अपडेट सहित कई डिजिटल माध्यमों पर काम करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त विभागीय जिम्मेदारियों के साथ प्रशासनिक कार्यों का बोझ भी रहता है। उनके मुताबिक, विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए मोबाइल फोन की क्षमता सीमित है और कम रैम के कारण कई ऐप एक साथ चलाने में परेशानी होती है। पोर्टल पर लंबे वीडियो देखने, हितग्राहियों की गृहभेंट के दौरान वीडियो दिखाने और फिर उसकी जानकारी अपलोड करने में भी दिक्कत आती है। वहीं, विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई बीएसएनएल सिम का नेटवर्क कमजोर होने से ऑनलाइन काम प्रभावित होता है। ऐसे में निजी ऐप जोड़ने से तकनीकी समस्याएं बढ़ने और विभागीय कार्यों में बाधा आने की आशंका है। कार्यकर्ताओं ने बेहतर क्षमता वाले मोबाइल फोन उपलब्ध कराने की मांग भी दोहराई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि विभागीय आंकड़ों और हितग्राहियों से जुड़ी जानकारी संवेदनशील होती है, इसलिए किसी निजी कंपनी के ऐप पर डेटा दर्ज करने से पहले सुरक्षा व्यवस्था और गोपनीयता की स्पष्ट गारंटी होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि यदि 'बाल गिनती ऐप' के माध्यम से काम कराना आवश्यक है, तो महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से लिखित आदेश जारी किया जाए, ऐप की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट की जाए और इसे सभी संबंधित कार्यकर्ताओं के लिए समान नियमों के तहत लागू किया जाए। फिलहाल कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि लिखित आदेश और सुरक्षा संबंधी स्थिति स्पष्ट होने तक वे इस निजी ऐप पर काम नहीं करेंगी। अब देखना होगा कि विभाग उनकी आपत्तियों पर क्या रुख अपनाता है और ऐप की अनिवार्यता, तकनीकी व्यवस्था तथा डेटा सुरक्षा को लेकर किस तरह का निर्णय लिया जाता है।

संभागीय आयुक्त ने की विभागीय योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जबलपुर संभाग के संभागीय आयुक्त श्री धनंजय सिंह ने 28 अक ?टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जनविश्वास अभियान, स्वामित्व योजना, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व न्यायालयों के प्रकरणों तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की गई। बैठक में बैहर एवं बिरसा क्षेत्र में जनविश्वास अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग करने तथा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत जिन पटवारी हलकों में रजिस्ट्री की संख्या शून्य है, वहां आगामी 15 दिनों में कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को प्रसूति सहायता संबंधी लंबित प्रकरणों तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लंबित प्रगति का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान 100 दिन से अधिक तथा छह माह से अधिक समय से लंबित शिकायतों के एल-3 एवं एल-4 स्तर पर अधिक संख्या में पाए जाने पर इनका प्राथमिकता से निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। संभागीय आयुक्त श्री सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से संबंधित लंबित कार्यों का निराकरण करने को कहा। इसके अतिरिक्त सभी विभागों को अधूरे निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा स्वास्थ्य विभाग को सीएस मॉनिटरिंग संबंधी जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह, जिला पंचायत सीईओ सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में दमखम दिखाएगी छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की टीम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेल प्रतिभाओं को राज्य स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देने के उद्देश्य से छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की महिला बास्केटबॉल टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ग्वालियर रवाना हो गई है। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार शासकीय महाविद्यालय हट्टा, जिला बालाघाट द्वारा संभाग स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों का चयन छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की टीम के लिए किया गया है। अब ये खिलाड़ी राज्य स्तरीय मंच पर अपने खेल कौशल, प्रतिभा और टीम भावना का प्रदर्शन करेंगी। राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 28 एवं 29 अक्टूबर 2026 को शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ग्वालियर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की 12 महिला खिलाड़ी हिस्सा लेंगी और प्रदेश के विभिन्न परिक्षेत्रों से आने वाली टीमों के बीच मुकाबला करेंगी। खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। प्रतियोगिता उनके लिए अपनी खेल प्रतिभा को साबित करने और आगे की खेल गतिविधियों में पहचान बनाने का अवसर भी होगी। टीम के साथ दल प्रबंधक के रूप में क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ऋषिकेश पटेल तथा प्रशिक्षक के रूप में क्रीड़ा अधिकारी कु. रोशनी सुलाखे ग्वालियर रवाना हुए हैं। दोनों अधिकारी प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे। टीम के रवाना होने पर छिंदवाड़ा परिक्षेत्र के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ क्रीड़ा अधिकारियों सहित खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। सभी ने उम्मीद जताई कि महिला खिलाड़ी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर अपने परिक्षेत्र का नाम रोशन करेंगी। इस संबंध में जानकारी शासकीय महाविद्यालय हट्टा के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सचिन तिवारी ने दी।

कोलीवाड़ा से महिला रहस्यमय ढंग से लापता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम कोलीवाड़ा से एक महिला के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने उसके अपहरण कर किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर रखे जाने की आशंका जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर रामपायली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कोलीवाड़ा निवासी अजय कुंभलवार मजदूरी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी रामेश्वरी और एक बेटा है। बताया गया कि 23 अक्टूबर को सुबह करीब 10 बजे अजय मजदूरी करने के लिए गांव में गए थे। दोपहर करीब 1 बजे जब वह घर लौटे तो घर का दरवाजा बंद मिला और उनकी पत्नी रामेश्वरी घर पर नहीं थीं इसके बाद अजय ने पत्नी की तलाश गांव के बस स्टैंड, मोहल्ले और आसपास के अन्य स्थानों पर की लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। उन्होंने रिश्तेदारों को फोन कर भी जानकारी जुटाने का प्रयास किया। आसपास के गांवों और संभावित स्थानों पर तलाश करने के बावजूद रामेश्वरी का कहीं पता नहीं चल सका काफी तलाश के बाद भी पत्नी की जानकारी नहीं मिलने पर अजय ने रामपायली थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पत्नी का अपहरण कर उन्हें किसी गुप्त स्थान पर बंधक बनाकर रखा हो सकता है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लापता महिला की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

आस-पास की खबरें

खमरिया क्षेत्र में बदलीनुमा मौसम से किसान चिंतित

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में किसानों के द्वारा लगाई गई हल्की प्रजाति की धान की फसल की कटाई जारी है। वहीं भारी प्रजाति के धान की कटाई को अभी समय है किन्तु अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं शाम के समय बुंदाबांदी बारिश होने से क्षेत्रीय किसान धान की फसल को लेकर काफी चिंतित नहर आये है। वहीं बार-बार मौसम परिवर्तन होने से तुअर की फसल में भी बीमारी लग सकती है, ऐसी स्थिति में किसानों को काफी नुकसान होने की संभावना बनी हुई है। खमरिया क्षेत्र के किसानों ने बताया कि अचानक मौसम परिवर्तन होने से किसान धान की फसल को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे हैं, जबकि हल्की प्रजाति की धान पककर तैयार हो चुकी है, जिसकी कटाई युध्द स्तर पर जारी है। अगर तेज बारिश होती है तो धान का कड़पा गीली हो सकती है, जिसे सुरक्षित करने में किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं जिन किसानों ने पूर्व में धान की कटाई कर चुके है उनके द्वारा चुरने का कार्य किया जा रहा है। आगे किसानों ने बताया कि अगर धान की फसल गीली हो जाती है तो सरकार उसे समर्थन मूल्य में नही खरीदेगा ऐसी स्थिति में व्यापारियों को कम दामो में बेचना पड़ेगा। साथ ही बदलीनुमा मौसम के कारण तुअर में भी बीमारी लग रही है। इसलिए मौसम साफ रहना चाहिये ताकि किसान अपनी धान की फसल को सुरक्षित करने के साथ ही तुअर फसल का उत्पादन अधिक ले सके।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत विकासखंड स्तरीय कैंप का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में बुधवार को विकासखण्ड स्तरीय कैंप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थितजनों को 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान' की शपथ दिलाई गई तथा तंबाकू से मुक्ति पाने के लिए विशेष परामर्श एवं सलाह दी गई। वहीं कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आम जनमानस को तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, तंबाकूसेवन की प्रवृत्ति को रोकना और तंबाकू मुक्त वातावरण के निर्माण के नियमों को बढ़ावा देना है। साथ ही तंबाकू से होने वाले गंभीर नुकसानों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई गई ताकि एक स्वस्थ एवं तंबाकू मुक्त वातावरण का निर्माण किया जा सके। इस अवसर पर मेडिकल ऑफिसर डॉ. पीयूष जायसवाल, दंत चिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया, एनएसए जेके पंचेश्वर, बीपीएम बी बोपचे, ए मेश्राम, रोहित भारद्वाज सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय की आवश्यक बैठक संपन्न

बैठक में लालबर्रा क्षेत्र में बिखरे पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण और संवर्धन पर हुई विस्तृत चर्चा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष कक्ष में बुधवार को 'इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय' लालबर्रा की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर के प्रमुख आतिथ्य एवं संस्थान के जिलाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्रसिंह गहरवार व अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली सभी 77 ग्राम पंचायतों में क्षेत्र के इतिहास से जुड़े अवशेषों का सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत सभी पंचायतों से एक निर्धारित प्रपत्र में पुरातात्विक अवशेषों की जानकारी मंगाई जायेगी। जो ग्राम पंचायतें अपने यहां इन अवशेषों को संग्रहित करने में असमर्थ हैं, वे उन मूर्तियों व अवशेषों को सुरक्षित रूप से बालाघाट संग्रहालय भेजने का कार्य करेंगी। वही बैठक में पुरातात्विक महत्व के मंदिरों का सीमांकन करवाकर वहां और मुख्य मार्ग (मेन रोड) पर सूचना बोर्ड लगाने, क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास और पुरातात्विक महत्व को उजागर करने के लिए एक विशेष पुस्तक का प्रकाशन करने पर चर्चा की गई। जिससे आने वाली पीढ़ी को अपने क्षेत्र के इतिहास की जानकारी मिल सके। साथ ही लालबर्रा क्षेत्र के रानीकुठार स्थित कव्हरगढ़ की पहाड़ी, बोरी में स्थित गणेश प्रतिमा व अम्मा माई एवं श्रीराम मंदिर, मिरेगांव, घटोलगांव, निलजी, खिर्री और नेवरगांव (ला.) में स्थित प्राचीन योध्दाओं की मूर्तियों के बारे में लोगों को जागरूक करने और उनका प्रचार-प्रसार करने पर जो दिया गया। साथ ही जिन स्थानों पर पुरातात्विक अवशेष या मूर्तियां खंडित अवस्था में हैं, उन्हें व्यवस्थित करने और उन स्थलों का जीर्णोद्धार कर क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प लिया गया। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर सहित अन्य वक्ताओं ने क्षेत्र के इतिहास को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सभी ने एकमत होकर कहा कि कव्हरगढ़, अम्मा माई, खिर्री, निलजी, बोरी और अन्य ऐतिहासिक स्थलों का विकास किया जाना चाहिए ताकि लालबर्रा क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित रह सके। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठित होकर इस दिशा में पूरी निष्ठा से कार्य करने का आव्हान किया है। वहीं क्षेत्रीय पुरातात्विक संपदा को सहेजने और ऐतिहासिक धरोहरों को नया जीवन देने की दिशा में यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर जनपद सदस्य कुंवर बिसेन, सभापति धनेन्द्र भलावी, राजेन्द्रकुमार ब्रम्हे, दिनेश नेमा, अजेय ठाकुर, श्रीमती स्वर्णलता ठाकुर, किशोर सोनवाने, राजेश ब्रम्हे सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

खंडित व अव्यवस्थित मूर्तियों को किया जायेगा व्यवस्थित - देवीलता

जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी ने बताया कि पुरातात्विक धरोहरों और ऐतिहासिक मूर्तियों के संरक्षण व उचित प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के प्रमुख पुरातात्विक महत्व वाले स्थलों के जीर्णोद्धार तथा वहां स्थापित मूर्तियों की देखरेख के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। आगे बताया कि बैठक के दौरान पुरातात्विक महत्व के 4 प्रमुख स्थलों के संवर्धन का प्रस्ताव तैयार कर प्राथमिकता तय की गई है। जिसमें प्रथम प्राथमिकता में कव्हड़गगढ़, अम्माबाई, निलजी, नेवरगांव ला. सहित अन्य स्थान पर पुरातात्वि मूर्तियां स्थित है। इन चिन्हित स्थानों पर कई प्राचीन व पुरातात्विक मूर्तियां स्थित हैं, जो वर्तमान में अव्यवस्थित स्थिति में हैं। प्रशासन एवं समिति द्वारा इन मूर्तियों को व्यवस्थित करने की योजना बनाई गई है। साथ ही जो मूर्तियां खंडित हो चुकी हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित उठाकर व्यवस्थित व संरक्षित किया जायेगा।

बोरी में दसवीं शताब्दी की है पुरातत्व अवशेष - डॉ. वीरेन्द्र

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय के जिलाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र गहरवार ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र में पुरातत्व अवशेष जो बिखरे हुए हैं उसे संरक्षित किया जाये और जो मूर्तियां अगर खंडित है, रखी हुई है, वहां पर पिलर बनाकर रखने सहित अन्य बिन्दुओं पर बैठक में चर्चा की गई है। साथ ही उक्त पुरातत्व मूर्तियों के अवशेषों के बारे में लिखा जायेगा ताकि मूर्तियां किस स्थान की है, कब से बनी हुई है और इसका इतिहास क्या है। अगर इतिहास लिखा जाता है तो सभी को उनके बारे में जानकारी प्राप्त होगी। डॉ. गहरवार ने बताया कि बोरी में जो पुरातत्व अवशेष रखी हुई है, दसवीं शताब्दी की है, खिर्री में 150 से 200 प्रतिमाएं है जिन्हे व्यवस्थित करेगें और कुछ मूर्तियों को पुरातत्व संग्रहालय बालाघाट में सुरक्षित रखा गया है। जल्द की लालबर्रा क्षेत्र में जो पुरातत्व अवशेष (मूर्तियां) बिखरे हुए है उन्हे व्यवस्थित करने के क्षेत्र में जल्द ही कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा।

2610 नवसाक्षरों ने साक्षर बनने के लिए उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा में हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए सरकार के द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के माध्यम से ग्राम के निरक्षरों को अक्षर साथी के द्वारा साक्षर बनाने के लिए पाठशाला आयोजित की जाती है ताकि सभी साक्षर बन सके। शासन के निर्देशानुसार लालबर्रा विकासखण्ड में गत दिवस 164 केन्द्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 2610 नवसाक्षरों ने प्रात: 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक केन्द्रों में पहुंचकर पेपर हल किये। इस दौरान परीक्षा केन्द्र में शिक्षकों के द्वारा नवसाक्षरों का तिलकवंदन कर स्वागत किया गया, जिसके बाद उनकी परीक्षा संपन्न करवाई गई। वही इस आयोजित उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और उत्साह के साथ पेपर (पर्चा) हल किये। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में 1648 महिला एवं 962 पुरूष वर्ग ने साक्षर बनने के लिए पेपर दिये है। वहीं साक्षर बनने के लिए असाक्षर महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिये और उत्साह के साथ पर्चा हल किये। आपको बता दे कि सरकार की मंशा है कि देश का प्रत्येक व्यक्ति पढ़ना-लिखना सीखने के साथ ही साक्षर बन सके। इसी मंशा से उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन योजना प्रारंभ की गई है और प्रत्येक ग्रामों में अक्षर साथी की नियुक्ति कर ग्राम के निरक्षरों का चयन कर उनसे समय लेकर उनकी कक्षाएं लगाकर उन्हे लिखना-पढ़ना सिखाया जाता है ताकि वे लिखना-पढ़ना सीखने के साथ ही हस्ताक्षर कर सके। लालबर्रा विकासखण्ड में भी अक्षर साथी के द्वारा अपने-अपने ग्रामों के निरक्षरों को साक्षर बनाने का कार्य किया जा रहा है और वर्ष 2026-27 में जो लक्ष्य मिला था उन्हे साक्षर बनाने का कार्य किया गया है। जिनकी परीक्षा गत दिवस लालबर्रा विकासखंड में बनाये गये 164 परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन योजना के तहत लालबर्रा विकासखण्ड में गत दिवस 164 परीक्षा केन्द्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया और 2610 नवसाक्षरों ने उत्साह के साथ परीक्षा में शामिल होकर पेपर हल किये। श्री तुरकर ने बताया कि परीक्षा आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य है कि नवसाक्षरों को पढ़ना-लिखना एवं सामान्य गणित संबंधी बुनियादी कौशलों का आकलन करवाना तथा उन्हे साक्षरता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और असाक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाकर मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस परीक्षा को संपन्न करवाने में बीईओ वायआर गजभिये, बीआरसी श्रीराम तुरकर, सह समन्वयक बीआर डोंगरे, बीएसी, सीएसी, संकुल प्राचार्यों एवं साक्षर सार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

सुहागिन महिलायें पति की दीर्घायु के लिये रखेंगी करवाचौथ का व्रत आज

पर्व को लेकर सुहागिन महिलाएं खासा उत्साहित, बाजार रहा गुलजार, जमकर की खरीदारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पति की लंबी उम्र और अखंड सौभाग्य के लिए मनाये जाने वाला महापर्व 'करवा चौथ' 29 अक्टूबर को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस पावन पर्व को लेकर सुहागिन महिलाओं में खासा उत्सात देखने को मिल रहा है। पर्व की तैयारियों के तहत एक दिन पूर्व 28 अक्टूबर को महिलाओं ने नगर के बाजारों में पहुंचकर महिलाओं ने करवा, छलनी, श्रृंगार का सामान, नई साड़ियां और आवश्यक पूजन सामग्री की जमकर खरीदारी की। जिससे बाजार क्षेत्र में खासी भीड़ रही और दुकानदारों का व्यापार भी अच्छा रहा। महिलाओं में इस महापर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह का माहौल बना हुआ है।

निर्जला व्रत रखकर की जायेगी विशेष पूजा-अर्चना

आपकों बता दे कि करवा चौथ का व्रत हर वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाते है जिसमें भगवान श्री गणेश जी की पूजा की जाती है और इस व्रत पर सुहागिन महिलाओ के द्वारा करवाचौथ का निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर अपने सजना के दीर्घायु जीवन एवं उज्जवल भविष्य की कामना की जाती है। जिसमें महिलाओं के द्वारा साज-श्रृंगार कर चंद्र देव का दीदार किया जाता है एवं पतियों के द्वारा जल पिलाकर व्रत छुड़वाया जाता है। 29 अक्टूबर को करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और उ'जवल भविष्य के लिए निर्जला व्रत धारण करेंगी। इस दौरान भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश, कार्तिकेय और करवा माता सहित चंद्रमा की विशेष विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शाम में चंद्रोदय के बाद छलनी में चांद और अपने सुहाग के चेहरे का दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर महिलाएं व्रत खोलेगी। चर्चा में व्रत के संबंध में महिलाओं ने बताया कि 29 अक्टूबर को करवा चौथ का पर्व सुहागिन महिलाओं के द्वारा अपने पति की दीर्घायु के लिए मनाया जावेगा इसलिए पर्व के एक दिन पूर्व बाजार से हमारे द्वारा पूजा में लगने वाली सामग्रियों की खरीदी की गई है और करवा चौथ पर्व में करवा, छलनी, सिंगार का सामान सहित अन्य सामग्री लगती है एवं आज रात में खाना खाने के बाद गुरूवार को दिनभर निर्जला व्रत रखेगें। जिसके बाद शाम में चांद निकलने के बाद उसकी पूजा अर्चना कर छलनी में अपने पतियों का चेहरा देखने के बाद उनके हाथों से जल ग्रहण कर व्रत छोड़ेगें उसके बाद भोजन ग्रहण करेगें। साथ ही यह भी बताया कि प्राचीन कथाओं में लिखा गया है कि करवा मईया का उपवास रखने पर पति की दीर्घायु होती है इसलिए सभी सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए करवा चौथ का व्रत रखते है और यह पर्व पति के दीर्घायु के लिए मनाई जाती है।

राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने बालाघाट की टीम इंदौर पहुंची

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल द्वारा निर्धारित खेल कैलेंडर के अनुसार इंदौर में शालेय राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के 14 बालक एवं 14 बालिका खिलाड़ी भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बालाघाट जिले की टीम को हट्टा विद्यालय की पीटीआई विभा दुबे एवं केसलेवाड़ा विद्यालय की पीटीआई माहेश्वरी धोरमारे के नेतृत्व में रवाना किया गया। प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ी अन्य जिलों की टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

जिले के खिलाड़ियों के प्रतियोगिता में शामिल होने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती मोनिका पटेल, जिला परियोजना अधिकारी मोहित डहेरिया, जिला खेल अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी, विद्यालय हट्टा की प्राचार्य रेखा वानखेड़े, कन्या हट्टा के प्राचार्य मुकेश पटले, कोच रमा देवी तेकाम, मनीष डहाटे सहित पीटीआई कंचन महाजन, बीना चौधरी, सुनीता बिसेन, नरेश लिल्हारे, सीमा धुवारे, राजेश बिसेन, शैलेष नगपुरे, जय ठाकरे, नवजीत दुबे, डेलेन्द राहांगडाले तथा शिक्षक चन्द्रा नगपुरे एवं मनोज माहुले ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। सभी ने उम्मीद जताई कि बालाघाट जिले के खिलाड़ी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे।

टूटी नहर की माइनर बदहाल खेतों तक नहीं पहुंच रहा पानी

टूटे किनारे झाडियों और गंदगी से बढ़ी परेशानी पानी के लिए भटक रहे किसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के मध्य से गुजरने वाली वूटी नहर से वार्ड नंबर ३ की ओर निकलने वाली माइनर नहर की हालत वर्तमान में बेहद खराब हो गई है। ग्राम सिकंद्रा एवं थानेगांव नाले तक जाने वाली इस माइनर के जगह जगह से क्षतिग्रस्त होने के साथ ही झाड़ियों और गंदगी की भरमार बनी हुई है। इसके कारण किसानों के खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। स्थिति यह है कि नहर का पानी शहर की सीमा तक ही पहुंच पा रहा है जबकि इसके आगे स्थित खेतों तक पानी नहीं पहुंचने से किसान परेशान हैं। फसलों के लिए अंतिम पानी की आवश्यकता के बीच उत्पन्न हुई इस समस्या ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

अंतिम पानी के लिए दूसरे किसानों पर निर्भरता

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस माइनर नहर पर निर्भर किसानों ने अपने खेतों में धान की लंबी अवधि वाली किस्मों की खेती की है। वर्तमान में कुछ किसानों की धान की फसल कटाई के लिए तैयार हो रही है जबकि कुछ खेतों में फसल को पकने के लिए अभी और समय की आवश्यकता है। ऐसे में फसलों को अंतिम पानी देना बेहद जरूरी है। लेकिन नहर की खराब स्थिति और पानी का प्रवाह आगे तक नहीं पहुंचने के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नहर से पानी नहीं मिलने के कारण किसानों को अपनी फसल बचाने के लिए आसपास के उन किसानों से पानी खरीदना पड़ रहा है, जिनके पास सिंचाई के वैकल्पिक साधन उपलब्ध हैं। इससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। एक ओर खेती में पहले ही लागत बढ़ चुकी है वहीं दूसरी ओर समय पर सिंचाई नहीं होने की आशंका से किसान चिंतित हैं। इस महत्वपूर्ण चरण में पानी की कमी होने से उपज प्रभावित हो सकती है। वर्तमान परिस्थितियों में उनकी समस्या का समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। किसानो ने माइनर नहर की बदहाल स्थिति और पानी की समस्या को लेकर संबंधित विभाग को कई बार अवगत कराया जा चुका है। यहां तक कि जब विभागीय अधिकारी पानी के शुल्क की राशि लेने के लिए गांव पहुंचते हैं तब भी किसानों द्वारा उन्हें नहर की स्थिति और खेतों तक पानी नहीं पहुंचने की समस्या बताई जाती है। इसके बावजूद अब तक समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। यदि नहर की समय रहते मरम्मत कराई जाती और पानी के प्रवाह को सुचारु बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाते तो उन्हें इस तरह परेशान नहीं होना पड़ता। वर्तमान में सिंचाई की जरूरत के समय पानी उपलब्ध नहीं होने से किसानों को आर्थिक नुकसान की आशंका सता रही है। इस माइनर नहर के सीमेंटीकरण की स्वीकृति मिलने की बात भी सामने आ रही है लेकिन अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। ऐसे में किसान इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि नहर की समस्या का स्थायी समाधान कब होगा। फिलहाल किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी मौजूदा फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था करना है। किसानों का आरोप है कि बार बार शिकायत करने के बाद भी उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। खेती पूरी तरह समय पर सिंचाई और मौसम की परिस्थितियों पर निर्भर करती है । ऐसे में नहर के रख रखाव में लापरवाही का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। किसानों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि माइनर नहर का तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराई जाए झाडियों और गंदगी की सफाई की जाए तथा ग्राम सिकंद्रा से थानेगांव नाले तक पानी का प्रवाह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रस्तावित सीमेंटीकरण कार्य को भी शीघ्र प्रारंभ किया जाए,ताकि किसानों को भविष्य में सिंचाई के लिए इस तरह परेशान ना होना पड़े।

किसानों को खेतो में जरूरत के समय नही मिल रहा पानी-यशवंत चौहान

किसान यशवंत चौहान ने बताया कि नहर में पानी नहीं आ रहा है साधन वालों के पास पानी है नहर पुरी सुखी है उपज में नुकसान की संभावना बनी हुई है। अभी हम लोगों को इधर पानी की जरूरत है शिकायत भी किया है पर कोई विभाग का आदमी नहीं आया। यह दूसरा वर्ष चल रहा है जो इस प्रकार की समस्या बनी हुई है पहले जैसे तैसे किसान मेहनत करके पानी ला लिया करते थे पर अब वह भी नहीं आता है। हेड पर पानी है बाकी नहर की स्थिति खराब है वार्ड नंबर १ से नहर आती है तो वहां पर लीकेज के कारण पानी व्यर्थ बहता है इधर नहीं आता। यह नहर आगे थानेगांव नाले तक जाती है अभी एक पानी की जरूरत है।

नहर का पानी नही मिलने से किसान पैसे देकर पानी खरीद रहे है-संतोष पंचेश्वर

किसान संतोष पंचेश्वर ने बताया कि यह जो नहर हमारे खेतों में आती है वह पूरी तरह बंद है । हम पानी की रास्ता इस पर देख रहे हैं परंतु पानी नहीं आने से हम आसपास के किसानों को रुपए देकर पानी खरीद रहे हैं। इस तरफ फसल कटाई में अभी समय है अंतिम पानी की जरूरत फसल को है अभी किसान जाएगा तो पानी वहां से लेकर आएगा परंतु कोई किसान जा नहीं रहा है। नहर बहुत ज्यादा खराब हो गई है जगह.जगह से टूट गई है १५ वर्ष पहले इस नहर में मरम्मत और सुधार कार्य हुआ था उसके बाद आज तक नहीं हुआ है। कुछ स्थानों से तो नहर गायब होने जैसी स्थिति है अब जिनके पास सुविधा है उनसे मांग रहे हैं जबकि यहां पर हजार एकड़ से अधिक खेती है।

विभाग की लापरवाही बढ़ती जा रही है जिससे किसान परेशान है-सुंदरलाल कावरे

किसान सुंदरलाल कावरे ने बताया कि नहर में बहुत ज्यादा गंदगी है झाड़ियां हो गई है मलमा भरा हुआ है यही कारण है कि पानी इधर आ नहीं पता हैं। इससे फसल को नुकसान हो रहा है इधर अभी कटाई नहीं हो रही है अभी समय लगेगा। पहले साफ सफाई किसान कर लेते थे इस बार नहर की स्थिति देखते हुए वह भी नहीं कर रहे हैं। पानी का पैसा लेने के लिए समय पर अधिकारी आ जाते हैं पर समस्या पर नहीं आते हैं बहुत ज्यादा लापरवाही विभाग की बढ़ती जा रही है। नहर नगर के मुख्य नहर से आती है इसमें पानी रेवणी के मकान तक आता है फिर इधर कुछ नहीं आता।

पानी की मांग को लेकर अनशन पर बैठे किसानों ने किया अनशन समाप्त

कटोरी,भंडारबोड़ी सहित अन्य ग्रामों के किसानों को विधायक गौरव पारधी के प्रयास से मिला सिंचाई का पानी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी तहसील क्षेत्र के ग्राम कटोरी, भंडारबोड़ी,फुलचर,कुम्हली एवं मानेगांव में निर्धारित शेड्यूल के बावजूद नहरों से सिंचाई का पानी नहीं पहुंचने के कारण किसान आमरण अनशन पर बैठ गए थे। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने संबंधित विभागों से लगातार समन्वय किया और अन्य नहरों के माध्यम से इन गांवों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की व्यवस्था कराई। पानी की व्यवस्था होने के बाद विधायक पारधी अनशन स्थल पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की। उन्होंने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद किसानों को पानी पिलाकर उनका आमरण अनशन समाप्त कराया। इस बार राजीव सागर बांध से ऐसे समय में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है , जब पूर्व में इस अवधि में पानी मिलना संभव नहीं हो पाता था। किसानों की जरूरत को देखते हुए विधायक पारधी ने विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर सिंचाई व्यवस्था सुचारु बनाने पर जोर दिया। जिससे किसानों को अपनी फसलों के लिए पानी मिलने की उम्मीद मजबूत हुई है। भीमगढ़ बांध से केवलारी, सिवनी, लालबर्रा, परसवाड़ा और वारासिवनी सहित पांच विधानसभा क्षेत्रों की सिंचाई आवश्यकताएं जुड़ी हैं। ऐसे में सभी क्षेत्रों के किसानों तक निर्धारित शेड्यूल के अनुसार पानी पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। इसके बावजूद कटोरी सहित पांच गांवों के किसानों को राहत देने के लिए वैकल्पिक नहरों से पानी की व्यवस्था की गई। अब किसानों की अपेक्षा है कि आगे भी उन्हें तय समय सारणी के अनुसार सिंचाई के लिए पानी मिलता रहे।

हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाना मेरी जिम्मेदारी- गौरव पारधी

विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि किसानों की फसल और उनकी आजीविका की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक गांव और नहर के अंतिम छोर तक स्थित खेतों को निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सिंचाई का पानी मिले,इसके लिए प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस एवं सिंचाई विभाग के साथ समन्वय कर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को सिंचाई के लिए परेशान ना होना पड़े इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाते रहेंगे। अनशन समाप्त होने के बाद किसानों ने राहत व्यक्त की और विधायक गौरव पारधी का आभार प्रकट किया। इस दौरान ज्ञानेश रहांगडाले,देवराज कोल्हे, अनिल कुर्वे, तेजलाल चौधरी, अजय मेश्राम, अनिल गौतम, थानसिंह गौतम, डेविड मेश्राम सहित क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

खैरलांजी अस्पताल में एंबुलेंस नही मिलने से ३ घंटे तड़पती रही घायल युवती

अस्पताल प्रबंधन पर सुविधा नही मिलने का ग्रामीणों ने लगाया गंभीर आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में हैं। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक युवती को जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किए जाने के बावजूद समय पर एंबुलेंस नहीं मिली। वाहन के अभाव में युवती को करीब तीन घंटे तक अस्पताल में ही दर्द से जूझना पड़ा जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई।

यह है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात्रि करीब ८ बजे लालबर्रा निवासी विस्मिता पिता रविशंकर नगपुरे अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान खैरलांजी से लगभग दो किलोमीटर दूर नवेगांव के पास उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवती को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी लाया गया । जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रिफर कर दिया। डॉक्टरों के द्वारा रिफर किए जाने के बाद जब एंबुलेंस की आवश्यकता पड़ी तो अस्पताल में हड़कंप मच गया। अस्पताल में मौजूद जननी एक्सप्रेस १०८ और अन्य दो एंबुलेंस तकनीकी या अन्य कारणों से बंद पाई गई। नतीजतन दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था होने तक घायल युवती और उसके परिजनों को करीब तीन घंटे तक भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस लंबी देरी के दौरान युवती की हालत लगातार चिंताजनक होती गई। जबकि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल और पूर्व विधायक टामलाल सहारे के द्वारा अलग अलग समय पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एंबुलेंस दान दी गई थीं। इसके बावजूद प्रबंधन की कथित लापरवाही के कारण आपातकाल में मरीजों को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है ,जो क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच तूफान एंबुलेंस के चालक मनोज माहुले की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी वेतन भोगी इस चालक की ड्यूटी एंबुलेंस चलाने के बजाय बीएमओ डॉ.खिलेंद्र पाल के निजी वाहन के संचालन में लगाई गई है। अब यह बड़ा जांच का विषय है। आपातकाल में इस तरह की लापरवाही ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। स्थानीय नागरिकों और परिजनों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि एक एक्सीडेंट आया हुआ था जिसमें घायल की स्थिति गंभीर थी। जिसे १०८ की एडवांस लाइफ सपोर्ट वाली एंबुलेंस की जरूरत थी। इसी कारण १०८ में बात करने और बालाघाट से एंबुलेंस उपलब्ध होने में समय लगा। बाकी हमारे यहां सामान्य एंबुलेंस उपस्थित है और उसकी सेवा लोगों को मिल रही है।

डॉ खिलेन्द्र पाल
बीएमओ खैरलाँजी

साकड़ी से डांगोरली घाट तक कांक्रीट सड़क का विधायक विवेक पटेल करेंगे भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में आवागमन को सुगम बनाने और सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। ग्राम साकड़ी पांचटोला से डांगोरली घाट तक लगभग २ किलोमीटर लंबी एवं ७ मीटर चौड़ी सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण करीब ४ करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इस सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन २९ अक्टूबर की दोपहर १ बजे ग्राम पंचायत साकड़ी में आयोजित किया गया हैं। यह कार्यक्रम वारासिवनी विधायक विवेक पटेल मुख्य अतिथि ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोकुल प्रसाद गौतम की अध्यक्षता, जिला पंचायत सदस्य मधु ऋषि शुक्ला खैरलांजी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तेजराज नागपुरे,जनपद पंचायत खैरलांजी अध्यक्ष खुशबू बिसेन,उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे के विशिष्ट अतिथि एवं अशोक लिल्हारे उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी ,सेवकराम सुलाखे पूर्व जि.पं.सदस्य, गिरिशराम भयरे कांग्रेस मंडल अध्यक्ष बेनी ,लालचंद माने पूर्व सरपंच सतोना ,अनिल उइके ज.पं सदस्य खैरलांजी ,जेपाल खरे ,देवाजी पंचेश्वर पूर्व सरपंच घोटी ,जीतलाल बसेने पूर्व जं.पं.सदस्य आरंभा ,मुकेश लिमजे , देवराम लिल्हारे , रमेश पराशर ,जयचंद ठाकरे ,मनीज हेड़ाउ ,गौस अली,गंगाराम मरठे ,चंदन दांदरे ,उपदेश मुन्ना डहाके ,गणेश दांदरे , धनीराम डहाके ,अर्जुन दांदरे के विशिष्ट आतिथ्य में किया जायेगा।

रामदेव बाबा मंदिर में करवा चौथ सामूहिक कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित श्री रामदेव बाबा मंदिर परिसर में २९ अक्टूबर को श्री राधा माधव महिला मंडल के तत्वाधान में सामूहिक करवा चौथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। क्षेत्र में सुहागिनों के पावन पर्व करवा चौथ के अवसर पर इस वर्ष भी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सामूहिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। श्री राधा माधव महिला मंडल वारासिवनी के द्वारा लगातार २६वें वर्ष इस सामूहिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम श्री राधा माधव सत्संग मंडल के संस्थापक पूज्य सद्गुरु हरि ओम ब्रह्मचारी महाराज के सूक्ष्म संरक्षण में संपन्न होगा। जिसमें २९ अक्टूबर की दोपहर ४.३० बजे से बाबा रामदेव मंदिर लालबर्रा रोड़ में कार्यक्रम के अंतर्गत सभी महिलाएं मंदिर प्रांगण में एकत्र होंगी और सामूहिक रूप से भगवान श्री गणेश की पूजन अर्चन कर विघ्नहर्ता की कृपा प्राप्त करेंगी। श्री राधा माधव महिला मंडल ने क्षेत्र की सभी महिलाओं से समय का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समय पर मंदिर पहुंचने और इस सामूहिक अनुष्ठान में शामिल होकर पर्व का लाभ उठाने की विनम्र अपील की है।

व्रत से परे करवा चौथ- प्रेम, परवाह और साझेदारी का पर्व

करवा चौथ पर्व का भारत की गौरवशाली संस्कृति में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो 29 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्घ्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है। कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्घ्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई। करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है।

ब्रिक्स संसदीय मंच है शांति और न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था का संकल्प

आज जब दुनिया युद्धों, क्षेत्रीय संघर्षों, आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद, व्यापारिक तनाव और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से घिरी हुई है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सार्थकता केवल कूटनीतिक घोषणाओं में नहीं, बल्कि आम आदमी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में निहित है। ऐसे समय में 26-27 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के संविधान सदन में आयोजित 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच वैश्विक लोकतांत्रिक संवाद, जन-केंद्रित विकास और बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर बनकर सामने आया है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि दुनिया की समस्याओं का स्थायी समाधान टकराव, वर्चस्व और संकीर्ण राष्ट्रीय हितों में नहीं, बल्कि संवाद, सहमति और साझा जिम्मेदारी में निहित है। इस संसदीय मंच का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है कि विकास का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सम्मान, सुरक्षा, अवसर और खुशहाली सुनिश्चित करना है। सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि, तकनीकी प्रगति, व्यापार का विस्तार और बुनियादी ढाँचे का विकास तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। विकास की चमक के बीच यदि गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, असमानता और सामाजिक वंचना बनी रहती है, तो प्रगति का दावा अधूरा है। इसलिए जन-केंद्रित विकास की अवधारणा आज वैश्विक नीतियों की अनिवार्य कसौटी बननी चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संसदीय संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित को प्राथमिकता देने पर बल इसी दृष्टि से विशेष प्रासंगिकता रखता है। संसद लोकतंत्र की आत्मा है। वह केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, पीड़ाओं, अधिकारों और अपेक्षाओं की प्रतिनिधि है। सांसदों का दायित्व सरकारों के निर्णयों का समर्थन करना भर नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करना, जनहित के प्रश्न उठाना और सत्ता को जवाबदेह बनाए रखना भी है। जब विभिन्न देशों के निर्वाचित प्रतिनिधि एक मंच पर बैठकर अनुभवों और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तब संसदीय लोकतंत्र की शक्ति राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक कल्याण का माध्यम बन सकती है। इस मंच की प्रासंगिकता इसलिए भी बढ़ जाती है कि वर्तमान विश्व व्यवस्था अनेक विरोधाभासों से जूझ रही है। एक ओर विज्ञान, संचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व क्षमताएँ प्रदान की हैं, वहीं दूसरी ओर युद्धों, अविश्वास, हथियारों की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक विषमताओं ने मानवता के भविष्य को अनिश्चित बनाया है। ऐसे वातावरण में सांसदों का साझा दायित्व है कि वे अपने-अपने देशों की नीतियों को मानवीय संवेदनाओं, शांति और न्याय के व्यापक उद्देश्यों से जोड़ें। संसदों के बीच संवाद कार्यपालिका की कूटनीति को जनप्रतिनिधियों के अनुभवों से समृद्ध करता है और अंतरराष्ट्रीय निर्णयों में पारदर्शिता तथा लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करता है।

ब्रिक्स संसदीय मंच के चार प्रमुख आधार-संस्थागत लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास-भविष्य की वैश्विक राजनीति के लिए विशेष महत्त्व रखते हैं। संस्थागत लचीलापन लोकतांत्रिक संस्थाओं को संकटों के बीच भी सक्षम और उत्तरदायी बनाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के उपयोग में नैतिकता, पारदर्शिता तथा मानवीय हितों की रक्षा आवश्यक है, ताकि तकनीक सुविधा का माध्यम बने, असमानता और नियंत्रण का नहीं। इसी प्रकार सतत विकास का अर्थ आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना है। जलवायु संकट का सामना कोई देश अकेले नहीं कर सकता, इसके लिए संसाधनों, ज्ञान और उत्तरदायित्व का न्यायपूर्ण बँटवारा जरूरी है। इस सम्मेलन का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष ग्लोबल साउथ अर्थात विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली बनाना है। विश्व की बड़ी आबादी इन देशों में निवास करती है, लेकिन वैश्विक वित्तीय व्यवस्था, व्यापारिक नियमों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में उनकी अपेक्षाओं को हमेशा पर्याप्त स्थान नहीं मिला है। खाद्य सुरक्षा, उर्वरक उपलब्धता, ऊर्जा की सुलभता, ऋण का बोझ और विकास के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं। ऐसे में ब्रिक्स देशों के सांसदों को यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वैश्विक नीतियाँ शक्तिशाली देशों के हितों तक सीमित न रहें, बल्कि विकासशील समाजों की वास्तविक आवश्यकताओं को भी प्रतिबिंबित करें। भारत की भूमिका इस संदर्भ में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं, विविधतापूर्ण सामाजिक संरचना, विकास संबंधी अनुभवों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नीति के माध्यम से विभिन्न देशों के बीच संवाद का सेतु बन सकता है। भारत की शक्ति केवल उसकी आर्थिक क्षमता या जनसंख्या में नहीं, बल्कि विविधताओं को साथ लेकर चलने और मतभेदों के बीच सहमति खोजने की लोकतांत्रिक क्षमता में भी निहित है। नई दिल्ली में इस मंच का आयोजन भारतीय संसदीय कूटनीति को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

भारत का प्रयास होना चाहिए कि ब्रिक्स सहयोग किसी एक देश के वर्चस्व का साधन न बने, बल्कि सभी सदस्य और साझेदार देशों के साझा हितों का मंच बने। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने उद्घाटन संबोधन में इस बात पर विशेष बल दिया कि ब्रिक्स की वास्तविक सफलता संवाद को ठोस परिणामों में बदलने से मापी जाएगी। उन्होंने युवाओं की आकांक्षाओं को अवसरों से जोड़ने तथा विकास और पर्यावरण संरक्षण को परस्पर पूरक बनाने की आवश्यकता भी रेखांकित की। इन विचारों में भविष्य की दिशा छिपी है। दुनिया की युवा आबादी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार और नवाचार के अवसर उपलब्ध कराना केवल राष्ट्रीय सरकारों का दायित्व नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग का भी विषय है। यदि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा नहीं मिलेगी, तो निराशा और असमानता सामाजिक अस्थिरता को जन्म दे सकती हैं। इसी तरह आतंकवाद के विरुद्ध साझा रणनीति, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान और संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधार आज की अपरिहार्य जरूरतें हैं। भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग और अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण वैश्विक शासन व्यवस्था की आवश्यकता को संसदीय संवाद के महत्वपूर्ण विषयों के रूप में उठाया है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की विश्वसनीयता तभी बढ़ेगी, जब वे सभी देशों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार करें और संकटों के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाएँ। शांति का अर्थ केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि भयमुक्त जीवन, न्यायपूर्ण अवसर और मानवीय गरिमा की सुरक्षा भी है।

अंततः 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का वास्तविक महत्त्व इस बात में निहित है कि वह दुनिया के सांसदों को उनकी मूल जिम्मेदारी का स्मरण कराता है-वे केवल अपने देशों की सीमाओं के भीतर जनता के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि साझा मानव भविष्य के निर्माण में भागीदार भी हैं। संविधान सदन से उठने वाला संदेश स्पष्ट है कि लोकतंत्र की सार्थकता जनता के विश्वास, संस्थाओं की जवाबदेही और नीतियों के मानवीय परिणामों में है। यह सम्मेलन तभी ऐतिहासिक सिद्ध होगा, जब इसके विचार ठोस नीतियों, प्रभावी कानूनों और जनजीवन में दिखाई देने वाले परिवर्तनों का रूप लेंगे। दुनिया को आज केवल शक्तिशाली राष्ट्रों की नहीं, बल्कि संवेदनशील नेतृत्व, उत्तरदायी संसदों और मानवीय दृष्टि से प्रेरित नीतियों की आवश्यकता है। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स संसदीय मंच इसी दिशा में आशा जगाता है कि संवाद संघर्षों को कम कर सकता है, सहयोग विषमताओं को घटा सकता है और लोकतंत्र विकास को मानवीय बना सकता है। यही इस सम्मेलन का संदेश है, यही इसकी प्रासंगिकता और यही एक शांतिपूर्ण, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

-ललित गर्ग

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति गुलाब का फूल है, वह काँटों में भी मुस्कराता है

सभी के हित का ध्यान रखते हुए मनसा, वाचा, कर्मणा अपने दायित्वों का सम्यक् रूप से निर्वाह करना कर्तव्य है। कर्तव्य का पालन यदि समुचित रूप से किया जाता है तो जीवन पूर्णतः गौरवान्वित बनता है। जो कर्तव्यनिष्ठ है, वह अपने करणीय कर्म के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है। जो समर्पित है, उसमें किसी भी तरह की अपेक्षा अथवा प्रदर्शन आदि को अवकाश नहीं रहता। वह परमार्थ पोषक एवं प्रामाणिक होता है। कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति की कथनी और करनी में किसी भी प्रकार का अंतर नहीं रह जाता। वह जैसा कहता है, वैसा ही करता भी है। ऐसी कथनी-करनी की एकरूपता से वह समाज में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्रत्येक उससे प्रेरणाएँ ग्रहण करता है। आज राजनीतिक मंच पर हम देख रहे है कि कर्तव्य से विमुख लोग अपना उल्लू सीधा करने के लिए अनेक प्रकार की भ्रांति फैला रहे है।सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ अनेक आरोप लगाकर कर्तव्यपथ से विमुख करने की कोशिश की जा रही है।गत दिनों कांग्रेस के दिग्गज नेता और पार्टी के अध्यक्ष खरगे ने मोदी के पिताश्री पर भद्दी गाली देकर अपने राजनैतिक गुस्से को शांत किया।लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी का यह कारण तो नही है कि इतने बड़े लोकतंत्र के नेता और भारत के प्रधानमंत्री को गाली दी जाए।यह कांग्रेस की गलत मानसिकता है।कर्तव्य पालन की जगह उन पर दोषारोपण कर रहे है जो कर्तव्यनिष्ठ और कथनी करनी की समानता धारण किये हुए है।

कर्तव्य परिपालन की बात करना और कर्तव्य परिपालन के नाम पर शोर-शराबा मचाना अलग बात है और कर्तव्यों के क्षेत्र में बिना किसी शोर-शराबे के समर्पित हो जाना अलग बात है। आज हम देखते हैं कि कर्तव्यों के परिपालन के लिए अक्सर लम्बे-चौड़े उपदेश दिये जाते हैं, पर जब कर्तव्य-निर्वाह का अवसर आता है तो व्यक्ति दायें-बायें देखने लगता है। कटु सत्य तो यह है कि आज कर्तव्यों की चर्चा करने वाले लाखों हैं, पर कर्तव्यों के पावन पथ पर गतिशील होने वाले विरले ही हैं। कई बार मुझे चिंतन के क्षणों में लगता है कि आज व्यक्ति कर्तव्यों से विमुख हो गया है। इस विमुखता के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अराजकता और अशांति का विस्तार हुआ है।

याद रखिए, कर्तव्यों के पावन क्षेत्र से भटककर कोई व्यक्ति कभी भी शांति का अहसास नहीं कर सकता। जीवन का गौरव और उसकी सार्थकता कर्तव्य पालन में ही है। कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति गुलाब का फूल है, वह काँटों में भी मुस्कराता है। यह व्यक्ति पर निर्भर है कि वह उसे पुष्पमाला के रूप में गले में डाले अथवा निर्ममतापूर्वक मसल दे। लेकिन गुलाब की मुस्कराहट और उसकी सुवास में कोई अंतर नहीं आता। स्वयं में सुवासित रहकर अपने निकट के वातावरण को सवासित करते रहना उसका कर्तव्य है और अपने इस कर्तव्य को वह अन्त तक बखूबी निभाता है। आज हम देख रहे है कि भारत के प्रधानमंत्री को हर राह चलता व्यक्ति अभद्र टिप्पणी करता है।यहां तक उनके परिवार को गालियां दी जाती है,लेकिन मोदी की सहनशीलता गजब की है।मोदी जानते है कि मुझे कार्य करना है और देश को विकसित करना है।उसके लिए प्रयासरत है।

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति का हृदय कुसुम-सा कोमल एवं वज्र-सा कठोर होता है। उसकी दृष्टि में कर्तव्य का मूल्य है।अपने प्राणों का नहीं। उसका स्वर होता है- कार्य वा साधयामि, देहं वा पातयामि मेरा जो कर्तव्य है, जो कार्य है उसे मैं पूर्ण करके ही रहूँगा, भले ही मुझे अपने प्राणों का उत्सर्ग ही क्यों न करना पड़े। भारतीय पौराणिक युग के चमकते हुए पात्र, कर्तव्य की सजीव मूर्ति हरिश्चन्द्र के नाम से हम भलीभाँति परिचित हैं। अत्यंत उदार, सहज, सरल और सत्यनिष्ठ जीवन जीने वाले हरिश्चन्द्र ने हँसते-हँसते अपने विशाल साम्राज्य का त्याग कर दिया था। इतना ही नहीं, तारा को बेच दिया, स्वयं बिक गये, पुत्र रोहित को जब तारा अग्नि-संस्कार के लिए मरघट में लेकर आई, उस समय का दृश्य सचमुच अत्यंत करुणा से परिपूर्ण बन गया था, पर हरिश्चन्द्र अपने कर्तव्य से एक पल के लिए भी विचलित नहीं हुए।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के द्वारा जटायु की परिचर्या, घायल हंस की बुद्ध के द्वारा सेवा, कबूतर को बचाने के लिए मेघरथ द्वारा स्वयं की प्रस्तुति, चींटियों की रक्षा के लिए धर्मरुचि द्वारा अपने प्राणों का उत्सर्ग कर्तव्य का परिपालन नहीं है तो और क्या है ? सहस्राब्दियाँ गुजर जाने के बाद भी आज हम कर्तव्यनिष्ठ जनों का आदरपूर्वक स्मरण करते हैं एवं उनसे प्रेरणाओं का प्रकाश ग्रहण करते हैं। कर्तव्य-पालन में जीवन का उत्थान है तो कर्तव्य से च्युत होने में जीवन का पतन है। अपने कर्तव्यों से मुख चुराना अच्छी बात नहीं है। जो अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा नहीं रख पाते, वे जीवन के हर क्षेत्र में समस्याओं की सर्जना करते हैं। समस्याओं का यह सर्जन मनुष्य को मझधार में धकेल देता है। ऐसे व्यक्ति कदम-कदम पर असफल सिद्ध होते हैं। जो कर्तव्यनिष्ठ है, वह प्रत्येक क्षेत्र में सफलता से साक्षात्कार करता है। सिद्धियाँ उसके चरणों की उपासिकाएँ बनकर निवास करती हैं। पशु-जगत् के पास में विवेक दृष्टि नहीं होती। मानव के पास मनन करने की क्षमता है। वह सम्यक् और असम्यक् का बोध रखता है। बोध और क्षमता होने के बावजूद भी यदि मानव अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक नहीं है तो उसका जीवन पशु से गया गुजरा जीवन है। मनन क्षमता का पूर्ण विकास न होने पर भी बिचारे पशु किसी-न-किसी रूप में अपने-अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हैं। प्रकृति जगत् भी अपने कर्तव्यों का बिना किसी अगर-मगर के निर्वाह कर रहा है। सूर्य आज भी प्रतिदिन समय पर उदित होकर अंधकार दूर करने का अपना कर्तव्य निभाता है। पृथ्वी, हवा, जल, अग्नि, वनस्पति सभी अपने-अपने कर्तव्य में संलग्न हैं। जो कर्तव्य से विमुख है, जिसने अपने कर्तव्यों को जाना और पहचाना नहीं है उसका क्या मूल्य है? मूल्य, महत्त्व उसी जीवन का है जो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ निभाता है। कर्तव्य धर्म का पर्याय है। यों तो धर्म बहुत व्यापक शब्द है, पर जो कर्म मानवता की दृष्टि से करणीय है उसके बारे में कहा जाता है कि ऐसा करना हमारा धर्म है। इस तरह कर्तव्य भी धर्म की श्रेणी में आ जाता है। अपने दायित्वों का, अपने कर्तव्यों का मनोयोग से निःस्वार्थ रूप से जागरूकतापूर्वक परिपालन करने में सचमुच एक अनोखा आनन्द है। इस आनन्द की अनुभूति कर्तव्यों से जुड़कर ही की जा सकती है। कर्तव्यों की लम्बी-चौड़ी व्याख्याओं और परिभाषाओं में हमें नहीं उलझना चाहिए। व्याख्याएँ व्याख्याएँ है, इनमें उलझने का अर्थ मूल से भटकना है। हमें मूल से भटकना नहीं है, अपितु मूल से जुड़ना है। आत्महितों की सुरक्षा के लिए किसी के हितों की हत्या कर देना या निपट स्वार्थी अथवा निर्मम बन जाना मानव के लिए कतई शोभास्पद नहीं है। मानव जिस परिवार, मौहल्ले, समाज, गाँव, नगर और राष्ट्र में जीता है, उसके प्रति उसके कुछ कर्तव्य हैं और उन कर्तव्यों का निर्वाह सतत होना चाहिए।

-कांतिलाल मांडोत

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

-किशन सनमुखदास भावनानीं

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति- रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं, जिसका वर्णन वे स्वर्गलोक के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य,कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की जरूरत नहीं।अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया,जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग।आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा,याने आज की तकनीकी

भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग।

साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है। वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है। क्रोध से उत्पन्न हुए अपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंततः बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे ब?ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है।

साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तो अभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा। सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली याने क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है।

साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है। आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है।क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है । इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है,या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। जिन बच्चों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं को क्रोध डायरी में लिखा था, उन्होंने वास्तव में अपनी भावनात्मक समझ में सुधार किया, जिससे बदले में कम आक्रामकता हुई। जब अपनी भावनाओं से निपटने की बात आती है, तो बच्चे ऐसे उदाहरणों के प्रत्यक्ष उदाहरण देखकर सबसे अच्छा सीखने की क्षमता दिखाते हैं, जिनके कारण कुछ निश्चित स्तर पर गुस्सा आया। उनके क्रोधित होने के कारणों को देखकर, वे भविष्य में उन कार्यों से बचने की कोशिश कर सकते हैं या उस भावना के लिए तैयार हो सकते हैं जो वे अनुभव करते हैं यदि वे खुद को कुछ ऐसा करते हुए पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर उन्हें गुस्सा आता है, इसके साथ ही एकांत में जाकर ध्यान के माध्यम से क्रोध के विकारों को नष्ट करने का प्रयास करें तो ऋणात्मक ऊर्जा को मो ?कर हम सकारात्मक ऊर्जा से विवेक सम्मत निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांत, परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र है!स्वयं को माचिस की तीली बनने की बजाए शांति सरोवर बनाएं, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए। क्रोध,उत्तेजित स्वभाव,अपराधिक बोध प्रवृत्ति का मुख्य प्रवेशद्वार है अपराध मुक्त भारत के लिए मनीषियों को क्रोध त्यागना प्राथमिक उपाय है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी पर रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती रही। दलहनों में चना मामूली लटक दिखा गया। उड़द में भी सुस्ती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली के चलते भावों में सुर्खी बनी रही। सोया व कपास्या तेलों में भाव मजबूती पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन 6900 रू. प्रति क्विंटल पर 100-200 रू. क्विंटल पर कमजोर पड़ा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती बनी। वहीं, दलहनों में चना 100 रू. क्विंटल घटाकर बोला गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5200-5400, खोपरा गोला 380-420, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1830-1850, मुम्बई 1840, राजकोट तेलिया 2850, सोया साल्वेंट 1370-1375, सोया रिफाइंड 1430-1440, कपास्या 1490, धूलिया 1495, कड़ी 1500,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1775-1800, मुम्बई पाम 1410, मुम्बई सोया 1480,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9000, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कटिकाला बेस्ट 7600, विशाल 7450-7500, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9100-9200, एवरेज 8900-9000, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 199000, चाँदी (99) 198600, टंच 198200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 144000,

दीपावली से पहले महंगे कमर्शियल गैस सिलेंडर ने बढ़ाई व्यापारियों की चिंता

नई दिल्ली। एजेंसी। त्योहारी सीजन से ठीक पहले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर आम जनता और व्यापारियों के बीच मिश्रित स्थिति देखने को मिल रही है। जहां घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर बने हुए हैं, वहीं कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों के कारण होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई विक्रेताओं का लागत खर्च बढ़ सकता है। घरेलू गैस सिलेंडर के स्थिर दामों ने आम परिवारों को राहत दी है। राजधानी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 939.50 रुपए पर स्थिर बनी हुई है। मुंबई में यह 941.50 रुपए, कोलकाता में 968 रुपए और पटना में 1,031.50 रुपए प्रति सिलेंडर मिल रहा है। इसके विपरीत 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की ऊंची कीमतों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की चिंताएं बढ़ा दी है। दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2,810 रुपए दर्ज की गई है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 352.64 अंक टूटकर की 73,246.03 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 50.90 अंक नीचे आकर 22,698.85 पर बंद हुआ। हालांकि, यह गिरावट मुख्य रूप से बड़े पूंजीकरण वाले शेयरों तक ही सीमित रही, जबकि छोटे और मध्यम आकार के शेयरों में तेजी रही। बाजार में जहां लार्जकैप शेयरों में दबाव रहा, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 244.80 अंक की तेजी के साथ 57,274.70 पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी 166.20 अंक की बढ़त लेकर 18,634.90 पर बंद हुआ। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशक मजबूत आधार वाली मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में अवसरों की तलाश में हैं। सेक्टोरल इंडेक्स में, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,

निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा ने शानदार प्रदर्शन किया और वे सबसे अधिक लाभ में रहे। इनके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर कुछ प्रमुख सेक्टर्स में भारी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी आईटी के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी रियल्टी में भी नकारात्मक रुझान बना रहा, जिससे इन क्षेत्रों से निवेशक दूर रहे। सेंसेक्स पैक के भीतर, एलएंडटी, ट्रेंट, एसबीआई, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम जैसे शेयरों ने निवेशकों को लाभ पहुंचाया और मजबूती के साथ बंद हुए। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे सूचकांकों पर दबाव बना। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 700 अंक से अधिक फिसलकर 72,800 के स्तर पर आ गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 22,550 के अंक तक नीचे आया।

ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाएं जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें

नई दिल्ली। एजेंसी। मुंबई में बीएफएसआई इनसाइट समिट में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने देश में बड़े बैंकों के निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के और ज्यादा एकीकरण की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हुए बैंकों के विलय से एक ठोस आधार तैयार हुआ है और अब अगला लक्ष्य ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाना होना चाहिए जो जटिल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए मुख्य रूप से पांच प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है। इनमें विशालकाय संस्थानों का निर्माण, कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को गहरा बनाना, म्युनिसिपल बॉन्ड व्यवस्था को मजबूत करना, बीमा कवरेज का विस्तार और पेंशन की पहुंच को हर नागरिक तक पहुंचाना शामिल है। जानकारों के मुताबिक बड़े बैंक बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण और वैश्विक आर्थिक झटकों को सहने में ज्यादा सक्षम होते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऋण विस्तार को बढ़ावा देना, दीर्घकालिक बचत जुटाना और विनिर्माण क्षेत्र को गति प्रदान करना है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली की स्थिति काफी मजबूत है और यह पुराने फंसे कर्जों से उबर चुकी है। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर कई दशकों के निचले स्तर 1.8 फीसदी पर आ गया है, जबकि शुद्ध एनपीए घटकर मात्र 0.4 फीसदी रह गया है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली रुकावटों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतर स्थिरता का प्रदर्शन किया है। उद्योगों को मिलने वाले बैंक ऋण में भी सालाना आधार पर करीब 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जो निजी कॉरपोरेट निवेश चक्र में सुधार का संकेत देती है।

धनतेरस पर निवेशक सोने-चांदी के गहनों के अलावा चुन सकते हैं अन्य विकल्प

नई दिल्ली। एजेंसी। धनतेरस पर सोने और चांदी की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। इस दिन लोग गहने या सिक्के खरीदते हैं, लेकिन आधुनिक वित्तीय साधनों के जरिए इन कीमती धातुओं में निवेश करके बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। अपनी जरूरतों और वित्तीय लक्ष्यों के मुताबिक निवेशक गहनों के अलावा कई अन्य विकल्पों का चुनाव कर सकते हैं। पहला विकल्प सोने-चांदी के गहने, सिक्के या छड़ें खरीदना है। यह पारंपरिक तरीका है, हालांकि गहने खरीदते समय मेकिंग चार्ज और करों का अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता है। यदि शुद्ध निवेश के नजरिए से देखा जाए तो सिक्के या छड़ें खरीदना ज्यादा उपयुक्त रहता है। दूसरा विकल्प गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ है। ये शेयर बाजार में खरीदे और बेचे जाने वाले फंड हैं, जो सोने-चांदी की वास्तविक कीमतों पर आधारित होते हैं। इसमें धातु को भौतिक रूप में घर पर रखने या चोरी होने का जोखिम नहीं रहता। तीसरा विकल्प गोल्ड और सिल्वर म्युचुअल फंड है। जो निवेशक बिना डीमैट खाते के निवेश करना चाहते हैं, वे इन फंड्स के जरिए पैसा लगा सकते हैं। ये फंड मुख्य रूप से ईटीएफ में निवेश करते हैं। चौथा विकल्प डिजिटल गोल्ड है, जिसमें कई मोबाइल ऐप्स के जरिए बेहद कम रकम से भी ऑनलाइन सोना खरीदा जा सकता है। सेबी या आरबीआई का प्रत्यक्ष नियंत्रण न होने के कारण डिजिटल गोल्ड में निवेश करने से पहले संबंधित प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता अवश्य जांच लेनी चाहिए। पांचवां विकल्प इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट है। यह शेयर बाजार में मानकीकृत मात्रा में कारोबार करने वाला साधन है, जहां खरीदे गए सोने को सुरक्षित वॉल्ट में रखा जाता है। निवेशक जरूरत पड़ने पर इसे भौतिक सोने में भी बदल सकते हैं। जानकारों के मुताबिक निवेश का कोई भी तरीका चुनने से पहले उससे जुड़े शुल्कों, शुद्धता और तरलता की शर्तों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए ताकि त्योहार पर की गई खरीदारी वित्तीय रूप से भी लाभदायक सिद्ध हो सके।

मेष- आज का दिन आपके लिए कई अच्छी संभावनाएँ लेकर आ सकता है। भाग्य का साथ मिलने से लंबे समय से अटके कामों में गति आएगी और आर्थिक लाभ के अवसर मिल सकते हैं। मन में उत्साह बना रहेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति पहले से अधिक मजबूत हो सकती है।

वृषभ- आज आपको अचानक कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न होगा और भविष्य को लेकर सकारात्मकता बढ़ेगी। दूर स्थान पर रहने वाले किसी व्यक्ति से भी शुभ समाचार मिलने की संभावना है। हालांकि, आर्थिक मामलों में किसी भी तरह का निर्णय जल्दबाजी में न लें।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन आर्थिक दृष्टि से राहत देने वाला हो सकता है। आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते खुल सकते हैं और पहले किए गए प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल रहेंगी और किसी महत्वपूर्ण सौदे या व्यावसायिक बातचीत में सफलता मिल सकती है। नौकरी करने वालों को भी अपने काम में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और पारिवारिक जीवन में आपसी समझ बेहतर होगी।

कर्क- आज आपको अपने हर कदम पर सोच-समझकर आगे बढ़ने की जरूरत होगी। किसी व्यक्ति के साथ मतभेद होने की संभावना है, इसलिए छोटी-छोटी बातों को बेवजह तूल देने से बचें। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है, तो उसमें आपके पक्ष में सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद बन सकती है।

सिंह- सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने का है। यदि आप अपने कामों की प्राथमिकता तय करके चलेंगे, तो कई रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं और व्यापार करने वालों को भी लाभ के अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

कन्या- आज परिवार से जुड़ी परेशानियों को सुलझाने का अच्छा अवसर मिल सकता है। घर के सदस्यों के साथ बातचीत करने से पुराने मतभेद दूर हो सकते हैं और आपसी संबंधों में सुधार आएगा। प्रॉपर्टी खरीदने या उससे संबंधित कोई योजना बनाने के लिए भी विचार-विमर्श हो सकता है। हालांकि, किसी भी बड़े आर्थिक निर्णय से पहले सभी जरूरी पहलुओं की जांच करना उचित रहेगा।

तुला- तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्साह और सकारात्मकता से भरा रह सकता है। आप अपने कामों को पूरी ऊर्जा के साथ पूरा करने की कोशिश करेंगे और मित्रों या सहयोगियों का साथ मिलने से आपकी राह आसान होगी। लंबे समय से रुके हुए कामों में प्रगति हो सकती है। धन लाभ के लिए किए गए प्रयास भी अच्छे परिणाम दे सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

वृश्चिक- आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ने के संकेत हैं। आपकी मेहनत, समझदारी और काम करने के तरीके की सराहना हो सकती है। शिक्षा से जुड़े मामलों में सफलता मिलने की संभावना है और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। व्यापार करने वालों के लिए दिन लाभकारी रह सकता है, लेकिन किसी भी बड़े निर्णय में जल्दबाजी करना उचित नहीं होगा।

धनु- धनु राशि वालों के लिए आज का दिन भाग्य और मेहनत के मेल से अच्छे परिणाम देने वाला हो सकता है। करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं और नौकरी करने वालों को अपनी योग्यता साबित करने का मौका मिलेगा। यदि आप किसी नई जिम्मेदारी या महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, तो उसमें पूरा ध्यान लगाना फायदेमंद रहेगा। व्यापार से जुड़े कार्यों में भी प्रगति के संकेत हैं और कोई पुरानी योजना आगे बढ़ सकती है। हालांकि, सफलता की संभावनाओं के बीच अपने समय का सही प्रबंधन करना बेहद जरूरी होगा।

मकर- आज दूर स्थान से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है, जिससे आपका उत्साह बढ़ सकता है। विदेश से जुड़े कामों में प्रगति हो सकती है और लंबे समय से प्रतीक्षित किसी अवसर को लेकर सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण विषय पर बैठक या चर्चा हो सकती है, जिसमें आपकी भूमिका अहम रहेगी।

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए आज आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं। धन की स्थिति बेहतर हो सकती है और आमदनी बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों से लाभ मिलने की संभावना है। यदि आप किसी नए अवसर की तलाश में हैं, तो अपने कौशल और अनुभव का सही इस्तेमाल करें। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं और मेहनत के दम पर आप अपनी स्थिति को मजबूत कर सकते हैं।

मीन- आज आपकी नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आ सकती है। कार्यक्षेत्र में लोग आपकी बातों और निर्णयों को महत्व दे सकते हैं, जिससे जिम्मेदारियाँ बढ़ने की संभावना है। नौकरी करने वालों के लिए अपनी योग्यता साबित करने का अवसर मिल सकता है, वहीं व्यापारियों को भी अपने कामकाज में सुधार और लाभ के संकेत मिल सकते हैं।

शब्दजाल- 8434

ख	न	र	कु	डु	प्ली	के	ट	ला	नी	क
ज	वा	फु	ज	इं	डे	ने	ह	क	गु	प
फ	दी	आ	ट	म	न	इ	दो	न	ना	म
च	र	त	म	पा	ल	स	र	प	ह	ह
स	म	बा	ज	त	त	उ	हें	ख	री	म
डै	जे	ज	र	नी	द	ला	म	ल	इ	द
ड्री	मा	दे	ख्म	व	बा	स	म	पी	ख	स्त
र	दे	श	बा	र	प	र	थ	इ	भ	क
म	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	सा	थी	स	म

शब्दजाल में महेश भट्ट निर्देशित १० फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

फुटपाथ, राज, जख्म, डुप्लीकेट, दो राहें, दस्तक, गुनाह, साथी, डैडी, नया दौर,

शब्दजाल - 8433 का हल

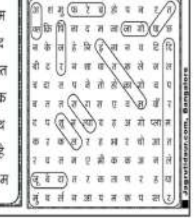

फिल्म वर्ग पहेली - 7368

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'उड़ते तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षणा की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरुख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरुख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'अके चली बाकि चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतुतु' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फें' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनके क्यूं बिगड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होंठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7367

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.31 ब.से
चंद्र	वृष में	धनु	09.47 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.53 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.39 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.12 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.42 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.34 बजे से
		सिंह	00.50 बजे से
		कन्या	03.02 बजे से
		तुला	05.13 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 302 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 22.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 11.12 बजे को समाप्त।
योग परिघ 00.06 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 11.38 बजे तदनन्तर बालव 22.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 23'
सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872877
जूलियन दिन 2461342.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल तारीख 17
विशेष करवा चौथ, रोहिणी व्रत, संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः निंदा और प्रशंसा

बहुत पुरानी कथा है। किसी राज्य में एक मूर्तिकार रहता था। उसकी जीवंत मूर्तियों को देख कर लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। उसने अनेक राजाओं व महान हस्तियों की ऐसी मूर्तियां बनाईं थीं कि वे स्वयं भी धोखा खा जाते थे कि मूर्तियों का अस्तित्व असली है या स्वयं उनका। धीरे-धीरे मूर्तिकार की ख्याति दूर-दूर तक फैलती गई। एक दिन एक साधु उसके पास आया और बोला, 'पुत्र, अब केवल तुम्हारी एक माह की आयु शेष है। तुम चाहे कोई भी युक्ति आजमाओ तुम्हें मौत के मुंह में जाने से कोई नहीं रोक सकता।' यह कहकर साधु चला गया। साधु के जाते ही मूर्तिकार सोच में पड़ गया। आखिरकार उसने मौत से बचने की एक तरकीब सोच ही ली। उसने अपनी कई मूर्तियां बनाईं। नियत दिन यमदूत के आते ही वह स्वयं उन मूर्तियों के बीच मूर्तिवत खड़ा हो गया। यमदूत हैरान रह गया। वह असली मूर्तिकार को मूर्तियों के बीच में से पहचान ही नहीं पा रहा था किंतु मूर्तिकार के प्राण तो लेने ही थे, इसलिए यमदूत ने युक्ति से काम लिया। उसने मूर्तियों के करीब जाकर उनमें दोष न होते हुए भी दोष निकालने शुरू कर दिए। वह तरह-तरह से मूर्तिकार की आलोचना करने लगा। मूर्तियों में कमियां सुनकर असली मूर्तिकार की भौंहें टेढ़ी-मेढ़ी होने लगीं। इस तरह यमदूत ने असली मूर्तिकार को पहचान लिया और इसके बाद कुछ मूर्तियों की प्रशंसा शुरू कर दी। अपनी तारीफ सुनकर मूर्तिकार के चेहरे पर चमक व प्रसन्नता के भाव आ गए। इसके बाद यमराज ने असली मूर्तिकार का हाथ पकड़ा और बोला, 'मानवीय भावों में निंदा और प्रशंसा के कारण ही इंसान मृत्यु को नहीं जीत पाता और जब तक जीवन है तब तक उसमें निंदा और प्रशंसा के भाव आते ही रहेंगे और मृत्यु का सिलसिला भी अनवरत चलता ही रहेगा।' यह कहकर यमदूत मूर्तिकार को अपने साथ लेकर चला गया।

सूडोकु नवताल- 7677

★★★★☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5					6	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7676 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8892

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8891 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

नक्सल प्रभावित 100 गांवों में विकास का रोडमैप तैयार

चार किलोमीटर दूर स्कूल, घरों में बिजली नहीं; गांवों की हकीकत जानने पहुंचे कलेक्टर, घाट की कटाई देखने ग्रामीणों के साथ पैदल चले कलेक्टर, सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। लांजी। नक्सलवाद के साये से बाहर निकल रहे बालाघाट जिले के दुरस्थ गांवों में अब विकास की नई इबारत लिखने की तैयारी है। वर्षों से बुनियादी सुविधाओं, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार की राह देख रहे ग्रामीणों की समस्याओं को करीब से समझने के लिए कलेक्टर आदित्य सिंह पहली बार इस तरह सीधे गांवों के बीच पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुरूप नक्सल प्रभावित रहे जिले के 100 चिन्हित गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की मुहिम के तहत कलेक्टर ने लांजी विकासखंड की देवरबेली ग्राम पंचायत के बरगुड़-सतोना, केराडीह, संदूका और सायर गांवों का भ्रमण किया। कहीं बच्चों की पढ़ाई के लिए चार किलोमीटर दुर जाना मजबूरी है, तो कहीं घरों में बिजली नहीं, नल-जल योजना का पंप खराब है और वनाधिकार पट्टों के लिए ग्रामीण इंतजार कर रहे हैं। रोजगार के सीमित अवसर, फसल खराब होने की आशंका और स्वास्थ्य-पोषण से जुड़ी चुनौतियां भी सामने आईं। कलेक्टर ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर समस्याओं को सुना, स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को 14 दिन के भीतर 100 चिन्हित गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों की जरूरतों के मुताबिक विकास कार्यों का खाका तैयार करने को कहा है। इस पहल का मकसद केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं, बल्कि दुर्गम गांवों में बुनियादी सुविधाएं विकसित कर ग्रामीणों के लिए शिक्षा, आजीविका और बेहतर जीवन के रास्ते खोलना है।

चार गांव, समस्याओं की लंबी फेहरिस्त; समाधान के लिए मौके पर बनी कार्ययोजना

कलेक्टर के भ्रमण में सबसे गंभीर तस्वीर केराडीह गांव की सामने आई, जहां करीब 200 की आबादी के लिए प्राथमिक शाला तक नहीं है। बच्चों को पढ़ने के लिए लगभग चार किलोमीटर दूर टेमनी जाना पड़ता है। गांव में बिजली की सुविधा नहीं है, पेयजल संकट बना हुआ है और हर्राडेही-देवरबेली तक सड़क निर्माण की मांग भी लंबे समय से उठ रही है। आंगनवाड़ी भवन क्षतिग्रस्त होने से केंद्र किराये के मकान में संचालित हो रहा है। ग्रामीणों ने सभामंच निर्माण और वनाधिकार पट्टे दिलाने की समस्या भी रखी। कलेक्टर ने बीआरसी को प्राथमिक शाला खोलने का प्रस्ताव तैयार करने, विद्युत विभाग को बिजली लाइन बिछाने की कार्रवाई करने, जनपद पंचायत को सभामंच निर्माण के प्रस्ताव बनाने और एसडीएम को पात्र लोगों के वनाधिकार पट्टों के प्रकरणों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आंगनवाड़ी भवन की मरम्मत शीघ्र कराने को भी कहा गया।

घाट की कटाई देखने ग्रामीणों के साथ पैदल पहुंचे कलेक्टर

केराडीह से हर्राडेही-देवरबेली तक निर्माणाधीन सड़क को लेकर ग्रामीणों ने घाट की कटाई उचित तरीके से नहीं होने की आशंका जताई। इस पर कलेक्टर ग्रामीणों के साथ पैदल ही मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य की स्थिति देखी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क इकाई के अधिकारियों से चर्चा में बताया गया कि सड़क का काम दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है और फिलहाल घाट की कटाई जारी है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कटाई इस तरह की जाए, जिससे सड़क बनने के बाद आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सड़क पूरी होने के बाद वे दोबारा गांव आएंगे और इस मार्ग पर साइकिल चलाकर देखेंगे। ग्रामीणों की समस्या को मौके पर समझने और निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान देने की यह पहल दौरे का प्रमुख हिस्सा रही।

गांवों में आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए कलेक्टर ने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और आजीविका मिशन के अधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। बरगुड़-सतोना में किसानों को रबी सीजन में अलसी और सरसों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने तथा सब्जी उत्पादन और उद्यानिकी फसलों से जोड़ने को कहा गया। ग्रामीणों ने 13 किसानों का कोदो-कुटकी उपार्जन के लिए पंजीयन नहीं होने की समस्या बताई, जिस पर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। भैंस, बकरी और मुर्गी पालन जैसे व्यवसायों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। केराडीह में महिला स्व-सहायता समूहों को सक्रिय कर दोना-पत्तल निर्माण की मशीन उपलब्ध कराने और ग्रामीणों द्वारा तैयार झाड़ू व अन्य उत्पादों की बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने की पहल करने को कहा गया। उत्पादों के परिवहन एवं विपणन के लिए इच्छुक ग्रामीण को ऑटो रिक्शा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऋण दिलाने की कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। सायर गांव के युवा ब्राह्मण धुर्वे ने सत्तीझोड़ी में किराना दुकान खोलने के लिए सहायता मांगी, जिस पर जनजातीय कार्य विभाग को स्वरोजगार योजना के तहत ऋण प्रकरण तैयार करने को कहा गया। प्रशासन का जोर ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर है, ताकि उन्हें आजीविका के लिए दुसरे स्थानों पर निर्भर न रहना पड़े।

कहीं कुपोषण की चुनौती, कहीं आंगनवाड़ी भवनों की मरम्मत की जरूरत

कलेक्टर ने चारों गांवों के आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के पोषण, टीकाकरण, गर्भवती एवं धात्री माताओं को मिल रही सुविधाओं और भवनों की स्थिति का जायजा लिया। बरगुड़-सतोना में एक बच्चा गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) श्रेणी में पाया गया, जिसका उपचार किया जा रहा है। सायर में भी एक बच्चा एसएएम श्रेणी में है। संदूका में बारिश के दौरान आंगनवाड़ी भवन टपकने और सायर में भवन के नवीनीकरण की आवश्यकता सामने आई। केराडीह में भी आंगनवाड़ी भवन क्षतिग्रस्त है। कलेक्टर ने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य की निगरानी को गंभीरता से लेते हुए सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर निर्धारित प्रारूप में स्वास्थ्य चार्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। इसमें बच्चों के नाम, उम्र, टीकाकरण, एसएएम-एमएएम श्रेणी, एनीमिया की स्थिति और बीमार बच्चों के फॉलोअप का विवरण दर्ज करना होगा। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में दिए जा रहे नाश्ते की गुणवत्ता भी स्वयं चखकर परखी। संदूका के प्राथमिक स्कूल में कलेक्टर ने बच्चों की पढ़ाई का स्तर भी देखा। गणित की कक्षा के दौरान एक बच्चे से बोर्ड पर लिखा गुणा का सवाल हल करवाया, जिसे बच्चे ने सही हल किया। इस पर उन्होंने शिक्षक की सराहना की। साथ ही गांव के 12वीं पास युवाओं की सूची तैयार कर बीआरसी कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें रोजगारमूलक गतिविधियों से जोड़ा जा सके।

फसल नुकसान का सर्वे, तालाब निर्माण और बिजली समस्या दूर करने के निर्देश

संदूका में ग्रामीणों ने कम बारिश के कारण कोदो-कुटकी और धान की फसलों के सूखने की समस्या बताई। कलेक्टर ने एसडीएम लांजी को फसलों की स्थिति का अनावारी सर्वे शीघ्र कराने तथा नियमानुसार राहत के लिए आवश्यक प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। गांव में तालाब निर्माण की मांग पर जनपद पंचायत को प्रस्ताव बनाने को कहा गया। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली लाइन होने के बावजूद घरों में बिजली नहीं पहुंच रही है। इस समस्या के निराकरण के लिए विद्युत विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। गांव में आधार कार्ड और वनाधिकार पट्टे नहीं बन पाने की समस्याएं भी सामने आईं। बरगुड़-सतोना में खराब नल-जल पंप के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की जानकारी पर कलेक्टर ने पंचायत सचिव को उपलब्ध राशि से पंप की मरम्मत कराकर आपूर्ति शीघ्र बहाल करने को कहा। वहीं, केराडीह में बिजली, पेयजल और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम टेमनी के स्कूल में 1 नवंबर को शिविर लगाकर आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज तैयार कराने की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए टेमनी में स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया।

चक्रवाती तूफान अर्नब का असर, लांजी में दिनभर छाए रहे बादल, शाम को हुई बूंदाबांदी

पद्मेश न्यूज। लांजी। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव के बीच बुधवार, 28 अक्टूबर को लांजी क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दिनभर तेज हवाएं चलती रही। ठंडी हवाओं के बीच शाम को हुई हल्की बूंदाबांदी से वातावरण में ठंडक बढ़ गई। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली और अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में सर्दी की आहट महसूस होने लगी। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'अर्नब' बुधवार को आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। मौसम संबंधी रिपोर्टों के अनुसार, इस तूफान का प्रभाव देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम की गतिविधियों के रूप में देखने को मिला। इसी बीच लांजी क्षेत्र में भी बादलों की मौजूदगी, ठंडी हवाओं और हल्की बारिश के कारण मौसम में बदलाव महसूस किया गया। लांजी क्षेत्र में भी हुई बूंदाबांदी का सीधा संबंध इस तूफान से होना बताया जा रहा है।

दिनभर बादलों ने ढका आसमान, शाम को हुई बूंदाबांदी

बुधवार सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा रहा। दिनभर धूप नहीं निकलने से मौसम सुहावना बना रहा। ठंडी हवाओं के चलते सुबह और शाम के समय ठंडक अधिक महसूस हुई। शाम को हल्की बूंदाबांदी होने से वातावरण में नमी बढ़ गई और मौसम ने करवट ले ली। सामान्य दिनों की तुलना में तापमान कम महसूस होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

किसानों की मौसम पर नजर

अक्टूबर के अंतिम दिनों में मौसम में आए इस बदलाव के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में भी मौसम की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हल्की प्रजाति की धान फसल पक चुकी है एवं कटाई के लिए तैयार है। मौसम में आए परिवर्तन के चलते किसान संशय में है कि कटाई करें या न करें। क्षेत्र में शाम को हल्की बारिश से वातावरण में नमी बढ़ी है, ऐसे में किसानों को कृषि कार्यों की योजना बनाते समय स्थानीय मौसम पूर्वानुमान पर ध्यान देने की जरूरत है। आने वाले दिनों में मौसम का रुख कैसा रहता है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

प्रस्फुटन समितियों को दिया ग्राम विकास और जनभागीदारी का प्रशिक्षण

बोलेगांव में नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप के तत्वावधान में क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित, पांच ग्रामों की समितियों ने लिया हिस्सा

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम विकास को गति देने, जनभागीदारी बढ़ाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में बुधवार, 28 अक्टूबर को ग्राम पंचायत भवन बोलेगांव में प्रस्फुटन समितियों का सेक्टर स्तरीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप, लांजी के माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण में सेक्टर-05 की पांच ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों, सदस्यों और नवांकुर सखियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, बालाघाट के जिला समन्वयक महेश पटले के दिशा-निर्देशन तथा विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ ग्राम पंचायत भिमोड़ी की सरपंच चित्ररेखा पुरुषोत्तम अस्तने ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के पूजन के साथ किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव भुवन कबीरे सहित अन्य अतिथि एवं समिति पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सामूहिक प्रयासों से ही संभव है ग्राम विकास

उद्घाटन अवसर पर सरपंच चित्ररेखा पुरुषोत्तम अस्तने ने कहा कि गांव के समग्र विकास के लिए सामूहिकता, सहभागिता और आपसी समन्वय जरूरी है। ग्राम विकास से जुड़े कार्यों में सभी की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए प्रस्फुटन समितियों को जागरूकता के साथ काम करना होगा।

चार सत्रों में दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की अवधारणा, उद्देश्य और कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सामूहिकता, स्वावलंबन, जनभागीदारी और स्वैच्छिक सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों और नवांकुर संस्था के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना आवश्यक है। द्वितीय सत्र में नवांकुर संस्था के सचिव रमेश आसटकर ने प्रस्फुटन समितियों के दस्तावेजों के व्यवस्थित संधारण, अभिलेखों के रखरखाव तथा समितियों को सशक्त स्वयंसेवी संगठनों के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया समझाई। तृतीय सत्र में दुष्यंत नगपुरे ने स्वच्छता मिशन से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया। भोजनावकाश के बाद आयोजित चतुर्थ सत्र में परामर्शदाता ज्योति शकरपुड़े ने संवाद कौशल, उसकी आवश्यकता और प्रभावी संवाद की तकनीकों की जानकारी दी। इसके बाद विकासखंड समन्वयक ने प्रशिक्षण में शामिल समितियों के कार्यों की समीक्षा की तथा निर्धारित लक्ष्यों को सामूहिक प्रयासों और जनसहभागिता के माध्यम से पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

पांच ग्रामों की समितियों ने लिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में सेक्टर-05 के बोलेगांव, बेनेगांव, भिमोड़ी, कोचेवाही और आवा की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष, सदस्य तथा नवांकुर सखियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अंत में नवांकुर संस्था के सचिव रमेश आसटकर ने प्रशिक्षण में सहभागिता करने वाले सभी अतिथियों, समिति पदाधिकारियों, सदस्यों और नवांकुर सखियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बहेला पुलिस की बड़ी कार्रवाई!

24.314 किलोग्राम गांजे के साथ ओडिशा का आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बहेला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा निवासी एक युवक को 24.314 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गांजे के स्रोत, संभावित खरीदारों और इससे जुड़े सप्लाई नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को रात थाना बहेला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भुरसाडोंगरी तिराहे के पास एक व्यक्ति गांजा बेचने के उद्देश्य से मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गठित कर बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। भुरसाडोंगरी तिराहे से करीब 150 मीटर लांजी की ओर मुख्य मार्ग के समीप झाड़ियों में एक संदिग्ध व्यक्ति छिपा हुआ मिला। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास पीले रंग की प्लास्टिक की बोरी मिली। बोरी

खोलने पर खाकी रंग के टेप में लिपटे 11 पैकेट बरामद हुए। जांच में पैकेटों में गांजा पाया गया, जिसका कुल वजन 24.314 किलोग्राम निकला। पुलिस के मुताबिक इसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये है। गांजे को विधिवत जब्त और सीलबंद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान सीमांचल मलिक (27), निवासी बलाकिया पाडीगन, जिला कंधमाल, ओडिशा के रूप में की है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अपने गांव के जंगल में अवैध रूप से गांजा उगाया था और उसे बेचने के उद्देश्य से प्लास्टिक की बोरी में छिपाकर लाया था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ के आधार पर गांजे के स्रोत और परिवहन के साथ ही संभावित खरीदारों तथा अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। मामले में थाना बहेला में अपराध क्रमांक 77/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विवेचना की जा रही है।पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे नशे के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत बालाघाट जिले में मादक पदार्थों के निर्माण, संग्रहण, परिवहन, तस्करी और बिक्री में संलिप्त लोगों की लगातार पतासाजी की जा रही है। पुलिस द्वारा सूचना तंत्र सक्रिय कर तस्करों के साथ उनके सप्लाई नेटवर्क तक पहुंचने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षक मोहम्मद रफीक नाज़मी का इंतकाल, नम आंखों से दी गई आखिरी विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सालेटेकरी मार्ग स्थित रेस्ट हाउस के समीप निवासी एवं शासकीय माध्यमिक शाला घोटी में पदस्थ शिक्षक मोहम्मद रफीक नाज़मी (60 वर्ष) का बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 को सुबह 8:30 बजे इंतकाल हो गया। उनके इंतकाल की खबर से परिजनों, परिचितों और शुभचिंतकों में गम का माहौल छा गया। मरहूम मोहम्मद रफीक नाज़मी को बुधवार शाम नमाज़े ईशा के बाद जनाज़े की नमाज़ अदा कराई गई। इसके पश्चात उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान परिजनों, रिश्तेदारों और परिचितों ने नम आंखों से उन्हें आखिरी विदाई दी। मरहूम अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके इंतकाल से परिवार में गम की लहर है। अल्लाह तआला मरहूम की मगफिरत फरमाए और परिजनों को इस गम को बर्दाश्त करने की ताकत अता करे।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

दुभाजक के पास रुक रहीं बसें, विद्यार्थियों की जान खतरे में

बिरसी बस स्टॉप पर सुरक्षा व्यवस्था का अभाव - शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा-तुमसर मार्ग पर बिरसी गांव के पास स्थित बस स्टॉप पर यात्रियों और स्कूली विद्यार्थियों की सुरक्षा का मुद्दा गंभीर होता जा रहा है. बस स्टॉप परिसर में अतिक्रमण के कारण एसटी बसों को निर्धारित स्थान पर खड़ा करने में परेशानी हो रही है. ऐसे में कई बार बसों को मुख्य सड़क या डिवाइडर के पास रोकना पड़ता है. इससे बस में चढ़ने-उतरने वाले यात्रियों, विशेषकर स्कूली विद्यार्थियों की जान जोखिम में पड़ने की आशंका जताई जा रही है.

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, बस स्टॉप पर सर्विस रोड उपलब्ध होने के बावजूद अतिक्रमण के कारण बसों को उचित स्थान पर रोकना मुश्किल हो रहा है. इसके चलते यात्रियों को बस में चढ़ने और उतरने के लिए परेशानी उठानी पड़ती है. विशेष रूप से स्कूली विद्यार्थियों के डिवाइडर के पास खड़े होकर बस का इंतजार करने के दृश्य सामने आने की बात कही जा रही है. डिवाइडर की ऊंचाई अधिक होने से विद्यार्थियों, महिलाओं और बुजुर्गों को बस में चढ़ने-उतरने में कठिनाई हो सकती है. वहीं, इस मार्ग पर भारी वाहनों और कोयला परिवहन करने वाले ट्रकों की आवाजाही भी काफी रहती है. ऐसे में जरा-सी चूक गंभीर हादसे का कारण बन सकती है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं.

शिकायत के बाद भी कार्रवाई का इंतजार

इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत के सरपंच को शिकायत और ज्ञापन दिए जाने की जानकारी सामने आई है. तिरोड़ा बस डिपो के प्रबंधक सी. एस. पटले द्वारा भी समस्या के समाधान के लिए ग्राम पंचायत का ध्यान आकर्षित किए जाने की बात कही जा रही है. इसके बावजूद अतिक्रमण हटाने के लिए ठोस कार्रवाई नहीं होने की शिकायत नागरिक कर रहे हैं.

हादसे के बाद जागेगा प्रशासन?

नागरिकों ने सवाल उठाया है कि क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन इस समस्या पर ध्यान देगा? उन्होंने ग्राम पंचायत और संबंधित विभागों से तत्काल मौके का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने तथा बसों के सुरक्षित ठहराव की व्यवस्था करने की मांग की है. नागरिकों का कहना है कि विद्यार्थियों, बुजुर्गों और आम यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए, इसलिए किसी अनहोनी का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को समय रहते आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि बिरसी बस स्टॉप पर यात्रियों को सुरक्षित परिवहन सुविधा मिल सके.

चक्रवात का असर- जिले में आधे घंटे तक बरसे बादल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर जिले में भी दिखाई देने लगा है. बुधवार, 28 अक्टूबर को सुबह से ही मौसम बदला रहा और दोपहर करीब 3.50 बजे अचानक बारिश शुरू हो गई. लगभग आधे घंटे तक हुई बारिश के साथ तेज हवाएं भी चलीं. ऐसे समय में बारिश हुई है, जब जिले में हल्के धान की कटाई और चुराई का काम जारी है. खेतों में काटकर रखी गई धान की फसल भीगने से किसानों को नुकसान होने की आशंका है.

पिछले दो दिनों से आसमान में बादल छाए रहने के कारण जिले के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई. मौसम विभाग के संकेतों के अनुसार, आगामी दो दिनों में जिले के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है. गुरुवार, 29 अक्टूबर के लिए भी गोंदिया में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. इस दौरान बादल छाए रहने के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है. जिले में करीब 1 लाख 90 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की फसल लगाई गई है. फिलहाल हल्के धान की कटाई व चुराई का काम तेजी से चल रहा है. कई किसानों ने खेतों में फसल काटकर रखी है, जबकि कुछ स्थानों पर चुराई का काम जारी है. ऐसे में अचानक हुई बारिश से कटी हुई फसल के भीगने और गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है. पहले से ही मौसम में बदलाव के संकेत मिलने के बीच बुधवार को हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है. यदि अगले दो दिनों तक बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रहता है, तो खेतों में तैयार खड़ी तथा काटकर रखी गई धान की फसल प्रभावित हो सकती है. ऐसे में किसानों की नजर अब मौसम के अगले रुख पर टिकी हुई है.

पति से मारपीट, बीच-बचाव करने आई पत्नी घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा तहसील के झालीया गांव में पुराने विवाद को लेकर एक युवक ने महिला के पति के साथ मारपीट की. इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंची पत्नी के दाहिने हाथ और कलाई में चोट लग गई.

जानकारी के अनुसार, गोंडीटोला निवासी फिर्यादी चांदणी नवगोडे (22) झालीया में अपनी मां के घर पर थी. इसी दौरान उसके पति राकेश नवगोडे ने फोन कर बताया कि वह मोहल्ले के चौक में खड़ा था, तभी गांव के शुभम दमाहे (24) ने पुराने विवाद को लेकर उससे बहस शुरू कर दी. शुभम ने राकेश से मोटरसाइकिल से बार-बार कट मारने की बात को लेकर विवाद किया. इसके बाद गालीगलौज करते हुए उसकी कॉलर पकड़कर मारपीट करने लगा. पति का फोन आने पर चांदणी तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. उस समय दोनों के बीच विवाद जारी था और आरोपी लकड़ी के डंडे से उसके पति पर हमला कर रहा था. चांदणी जब बीच-बचाव करने पहुंची, तो डंडा उसके दाहिने हाथ पर लगा. इससे हाथ की चूड़ियां टूट गईं और हाथ व कलाई में चोट आई. महिला की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस नायक निमजे कर रहे हैं.

उंगली को काटकर दी धमकी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव थाने के तहत पाथरी निवासी फिर्यादी मितालाल शालिकराम भोयर (30) अपने घर पर खाना खा रहा था. इसी बीच आरोपी नितेश बाबूलाल घरत (22) फिर्यादी के घर के आगे आकर गालीगलौज कर रहा था. इस दौरान फिर्यादी ने उसे तु शराब पिकर है, गालीगलौज मत कर, ऐसा कहा. जिस पर आरोपी ने फिर्यादी के साथ विवाद कर उसकी उंगली को काट लिया व आगे देख लेने की धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार शिवदास निकोडे कर रहे हैं.

2.82 लाख रु. का माल चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रावणवाड़ी थाने के तहत कोरनी निवासी फिर्यादी दामोदर शैलेंद्रकुमार तुरकर (39) परिवार के साथ घर के हॉल में आराम कर रहे थे. इसी बीच अज्ञात चोर ने घर में प्रवेश किया व 1 लाख 75 हजार रु. के सोने के आभूषण व 1 लाख 7 हजार रु. नकद ऐसा कुल 2 लाख 82 हजार रु. का माल चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत रावणवाड़ी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अर्जुन राठोड कर रहे हैं.

ट्रक से 86 एलएडी टीवी चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी थाने के तहत आरटीओ चेक पोस्ट के पास अज्ञात व्यक्ति ने एक ट्रक से 86 नग एलएडी टीवी चुरा लिया. जानकारी के अनुसार, बिजार राज्य के मोहम्मादीर निवासी फिर्यादी अदालत सुरेंद्र रॉय (26) ट्रक के पीछे डाले में एलजी कंपनी की टीवी लेकर कामधेनू फाईल करियर ट्रान्सपोर्ट राजनंदगांव पुने से कलकत्ता लेकर जा रहा था. इसी बीच शिरपुर चेक पोस्ट परिसर में अज्ञात व्यक्ति ने 158 टीवी में से 86 नग एलएडी टीवी चुरा लिया. जिसकी कीमत 3 लाख रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक मुकेश राठोड कर रहे हैं.

गड्ढे में गिरने से व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। नवेगांवबांध थाने के तहत धाबे पवनी निवासी श्रीराम देवराम डोकुजी दर्रा (55) बिरसा मुंडा चौक में रोड के नाली निर्माण के लिए खोद गए नाली में गिर गया. इसी बीच उसे उपचार के लिए ग्रामीण अस्पताल नवेगांवबांध ले जाया गया. जहां चिकित्सा अधिकारी ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी देवराम डोकूजी दर्रा (55) की शिकायत पर नवेगांवबांध पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार दिलीप वाडई क रहे हैं.

रेती की अवैध ढुलाई पर राजस्व विभाग का शिकंजा

13 बैलगाड़ियां पकड़ीं - तहसील कार्यालय में जमा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी के तहसील में गौण खनिजों के परिवहन पर नियंत्रण लगाने के लिए राजस्व विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है. तहसीलदार इंद्रायणी गोमासे के मार्गदर्शन में 28 अक्टूबर को सड़क अर्जुनी, कोहमारा और केसलवाड़ा में रेत का परिवहन करने वाली कुल 13 बैलगाड़ियों पर कार्रवाई की गई. कार्रवाई के बाद सभी बैलगाड़ियों को सड़क अर्जुनी तहसील कार्यालय में जमा कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्व विभाग की टीम ने सड़क अर्जुनी के शिव मंदिर परिसर में रेत का परिवहन करने वाली पांच बैलगाड़ियों पर कार्रवाई की. इसके बाद कोहमारा में तीन और केसलवाड़ा में पांच बैलगाड़ियों को पकड़ा गया. इस तरह तीन अलग-अलग स्थानों पर कुल 13 बैलगाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की गई. तहसीलदार इंद्रायणी गोमासे के मार्गदर्शन में तलाठी मयूर धोरवे, आंबेकर, विक्की पवनकर व सूरज नागरे ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया. राजस्व विभाग की टीम गौण खनिजों के परिवहन पर नजर रख रही है. नियमों का उल्लंघन कर परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया. कार्रवाई को लेकर तहसीलदार गोमासे ने स्पष्ट किया कि रेत सहित गौण खनिजों का परिवहन करने वाली बैलगाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. उन्होंने कहा कि बैलगाड़ियों से गौण खनिजों के परिवहन की सूचना मिलने पर विभाग की ओर से कार्रवाई करते हुए गौण खनिज जब्त किए जाएंगे. राजस्व विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में रेत परिवहन का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है।

जीपीएस टैग वाली मादा सारस की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले के दासगांव में जीपीएस टैग लगी एक वयस्क मादा सारस मृत अवस्था में मिलने से पक्षी संरक्षण के क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है. यह मादा सारस इलाके में प्रजनन करने वाले एक जोड़े की अहम सदस्य थी. हाल ही में उसने एक बच्चे को जन्म दिया था. मादा की मौत के बाद अब उस बच्चे के जीवित रहने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं.

महाराष्ट्र में सारस पक्षियों की मौजूदगी मुख्य रूप से गोंदिया जिले में दर्ज की जाती है. पिछले दो दशकों से 'सेवा' संस्था सारस संरक्षण के लिए काम कर रही है. संस्था की पहल और किसानों व ग्रामीणों के बीच लगातार जनजागरूकता के चलते सारस संरक्षण को जनसमर्थन मिला है. संस्था ने सारस गणना की शुरुआत की थी, जो अब वन विभाग के सहयोग से की जाती है. गोंदिया व भंडारा के अलावा मध्यप्रदेश के बालाघाट क्षेत्र में भी संस्था के सहयोग से सारस की गणना होती है. दासगांव में मंगलवार को मिली मृत मादा सारस के शरीर पर जीपीएस टैग लगा हुआ था. प्राथमिक निरीक्षण के अनुसार, उसकी मौत करीब दो दिन पहले हुई होगी. टैग लगे हिस्से के पास घाव दिखाई दिया, जिसमें मैगॉट्स यानी कीड़े पाए गए. पशु चिकित्सकों और घटनास्थल पर किए गए प्राथमिक निरीक्षण के आधार पर आशंका जताई गई है कि घाव में संक्रमण फैलने से पक्षी की मौत हुई होगी. हालांकि, मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है. इसके लिए पशु चिकित्सा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट अहम होगी. रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों की पुष्टि हो सकेगी.

टैगिंग से जुड़े सवालों की जांच जरूरी

बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) ने हाल ही में इस क्षेत्र में सारस संरक्षण परियोजना शुरू की थी. इसके तहत अध्ययन के लिए एक मादा सारस को जीपीएस टैग और रिंग लगाया गया था, जबकि अन्य तीन सारसों को केवल रिंग लगाए गए थे. इनमें से एक उपवयस्क सारस की पहले ही मौत हो चुकी है. अब जीपीएस टैग लगी मादा सारस की मौत के बाद टैग और रिंग लगाने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. हालांकि, फिलहाल दोनों मौतों का टैगिंग से सीधा संबंध साबित नहीं हुआ है. ऐसे में मौतों के कारणों की निष्पक्ष जांच के साथ यह स्पष्ट करना जरूरी होगा कि टैगिंग से पक्षियों की सुरक्षा या स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है.

रकम लौटाने के विवाद में वृद्ध की हत्या

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाना क्षेत्र के बोथली गांव के खेत परिसर में हुई 61 वर्षीय वृद्ध की हत्या का स्थानीय अपराध शाखा ने 12 घंटे के भीतर खुलासा किया है. जमीन के सौदे में मध्यस्थता कर बैंक खाते में रखे गए 4 लाख रु. में से 3.50 लाख रु. शेयर बाजार के इंट्राडे ट्रेडिंग में गंवाने के बाद रकम लौटाने के विवाद में हत्या किए जाने का मामला सामने आया है. पुलिस ने इस प्रकरण में बोथली निवासी अजय शामराव ब्राम्हणकर (21) को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए आमगांव पुलिस को सौंप दिया है.

जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर को सुबह करीब 11.30 बजे बोथली के खेत परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या होने की सूचना मिली. पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची. मृतक की पहचान बोथली निवासी चंद्रशेखर भास्कर दहीकर (61) के रूप में हुई. पुलिस पाटिल शकुंतला चंद्रकुमार पाथोडे की शिकायत पर आमगांव थाने में मामला दर्ज किया गया. इसके बाद अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई. जांच के दौरान स्थानीय अपराध शाखा को गोपनीय सूचना और तकनीकी जानकारी मिली कि मृतक अपने घर में अकेले रहता था. सितंबर 2026 में उन्होंने आमगांव स्थित अपनी जमीन की बिक्री का सौदा गांव के ही अजय ब्राह्मणकर की मध्यस्थता से किया था. सौदे के लिए 5 लाख रु. टोकन के रूप में दिए गए थे, जिनमें से 4 लाख रु. अजय के बैंक खाते में रखे गए थे. जमीन के दस्तावेजों में दिक्कत के कारण रजिस्ट्री नहीं हो सकी और सौदा रद्द हो गया. खरीदार को 27 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे तक टोकन राशि लौटानी थी. इसी बीच मृतक ने अजय से अपने बैंक खाते में रखे 4 लाख रु. वापस मांगे. पुलिस के अनुसार, अजय ने इनमें से 3.50 लाख रु. इंट्राडे ट्रेडिंग में गंवा दिए थे और उसके पास रकम लौटाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि रकम लौटाने का दबाव होने के कारण उसने 26 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे हत्या की योजना बनाई. मृतक जब गांव की ओर से अपने घर लौट रहे थे, तब आरोपी ने उनके सिर और छाती पर ईंट से हमला कर दिया. इससे उनकी मौत हो गई. इसके बाद आरोपी ने शव को घर के सामने झाड़ियों में छिपा दिया. गोपनीय सूचना के आधार पर स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने अजय शामराव ब्राम्हणकर को हिरासत में लिया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध कबूल किया. उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आमगांव पुलिस के हवाले कर दिया गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के मार्गदर्शन में स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक अमरदीप खाडे, राजू मिश्रा, तुलसीदास लुटे, दीक्षितकुमार दमाहे, विठ्ठलप्रसाद ठाकरे, महेश मेहर, संजय चव्हाण, सुबोध बिसेन, सोमेंद्रसिंह तुरकर, रियाज शेख आदि ने की.

9 महीने से मानधन के इंतजार में मानसेवी डाक्टर

आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले 8 चिकित्सक आर्थिक संकट में

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। महाराष्ट्र के पूर्वी छोर पर स्थित आदिवासीबहुल गोंदिया जिले के दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले मानसेवी चिकित्सा अधिकारियों पर आर्थिक संकट गहरा गया है. पिछले 9 महीनों से मानधन नहीं मिलने के कारण इन डाक्टरों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. पहले से ही सीमित मानधन का अनियमित और किस्तों में भुगतान होने से चिकित्सा क्षेत्र में नाराजगी जताई जा रही है.

दुर्गम और आदिवासीबहुल क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा मानसेवी और संविदा आधार पर चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं. जिले में कुल 8 मानसेवी चिकित्सा अधिकारी कार्यरत हैं. इनमें सालेकसा तहसील में 2, अर्जुनी मोरगांव में 2, सड़क अर्जुनी में 2 व देवरी तहसील में 2 डाक्टर नियुक्त हैं. इन चिकित्सा अधिकारियों को प्रतिमाह 40 हजार रु. मानधन दिया जाता है. इसमें से 18 हजार रु. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान के तहत, जबकि शेष 22 हजार रु. राज्य सरकार की नवसंजीवनी योजना के माध्यम से दिए जाते हैं. ऐसे में पूरा मानधन समय पर उपलब्ध कराने के लिए दोनों योजनाओं के अंतर्गत अनुदान जारी होना आवश्यक है. बताया जा रहा है कि दोनों योजनाओं के लिए अनुदान एक साथ उपलब्ध नहीं होने के कारण मानधन वितरण में बार-बार देरी होती है. विभागों के बीच समन्वय की कमी को भी इसका संभावित कारण माना जा रहा है. लेकिन, विलंब की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं है, लेकिन इसका सीधा असर दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देने वाले डाक्टरों पर पड़ रहा है.

घर खर्च चलाना हुआ मुश्किल

पिछले 9 महीनों से मानधन लंबित रहने के कारण डाक्टरों को घरेलू खर्च, परिवार के भरण-पोषण और अन्य आर्थिक जिम्मेदारियां निभाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. प्रतिकूल परिस्थितियों में आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं देने के बावजूद समय पर भुगतान नहीं होने से व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं.

बकाया मानदेय तत्काल देने की मांग

दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले मानसेवी चिकित्सा अधिकारियों को नियमित और एकमुश्त मानधन मिलना जरूरी है. इसके लिए भुगतान संबंधी तकनीकी व प्रशासनिक अड़चनों को दूर करने और दोनों संबंधित योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है. डाक्टरों के लंबित मानधन के मामले में शासन और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर पिछले 9 महीनों का बकाया भुगतान करने की मांग की जा रही है. साथ ही भविष्य में प्रत्येक माह समय पर और एकमुश्त मानदेय उपलब्ध कराने की स्थायी व्यवस्था करने की अपेक्षा जताई जा रही है.

जिले में 92.77 प्रश. बच्चों को दी गई कृमिनाशक गोली

2.78 लाख से अधिक बच्चों को मिली जंतों से सुरक्षा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में राष्ट्रीय कृमिनाशक अभियान के तहत 92.77 प्रतिशत पात्र बच्चों को कृमिनाशक गोली खिलाई गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले में कुल 3,00,251 पात्र बच्चों में से 2,78,556 बच्चों को दवा दी जा चुकी है। अभियान के दौरान आंगनवाड़ियों, सरकारी व निजी स्कूलों, महाविद्यालयों और आश्रमशालाओं में बच्चों को प्रत्यक्ष रूप से गोली खिलाई गई। यह जानकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार ने दी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पेट में मौजूद कृमि बच्चों के शारीरिक और बौद्धिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं। इनके कारण कुपोषण, खून की कमी यानी एनीमिया और लगातार थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा और उनके समुचित विकास के उद्देश्य से पूरे जिले में राष्ट्रीय कृमिनाशक अभियान चलाया गया। सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंदकुमार वाघमारे ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने स्कूलों, आंगनवाड़ियों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रयास किए। 27 अक्टूबर को राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस के अवसर पर बच्चों और किशोरों को अल्बेंडाजोल की गोली दी गई। हालांकि, बीमारी, छुट्टी या अन्य कारणों से कुछ बच्चे दवा लेने से वंचित रह गए। ऐसे बच्चों की पहचान के लिए आशा सेविकाओं और आंगनवाड़ी सेविकाओं के माध्यम से खोज अभियान चलाया जा रहा है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि संबंधित बच्चों ने किसी अन्य स्थान पर दवा तो नहीं ली है। जिला माता एवं बाल संगोपन अधिकारी डॉ. राजेश बेलमकर ने बताया कि छूटे हुए पात्र बच्चों को 3 नवंबर 2026 को आयोजित मॉप-अप राउंड में कृमिनाशक गोली दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने इस दिन शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करने की बात कही है।

तहसीलवार कृमिनाशक अभियान की स्थिति

तहसील	पात्र बच्चे	दवा दी गई	प्रतिशत
देवरी	32,501	30,159	92.79%
सालेकसा	22,035	21,196	96.19%
सड़क अर्जुनी	25,804	24,644	95.50%
अर्जुनी मोरगांव	34,854	33,016	94.73%
आमगांव	29,277	26,087	89.10%
गोरेगांव	26,981	24,681	91.48%
तिरोड़ा	36,186	32,925	90.99%
गोंदिया	92,613	85,848	92.70%
कुल जिला	3,00,251	2,78,556	**92.77%**

अभिभावकों से सहयोग की अपील

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि उनका बच्चा अभियान के दौरान गोली लेने से छूट गया है, तो उसे 3 नवंबर को निर्धारित केंद्र पर दवा अवश्य दिलाएं। अभियान को सफल बनाने में सभी तहसील स्वास्थ्य अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, स्वास्थ्य सहायकों, स्वास्थ्य सेवकों, सेविकाओं और आशा सेविकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। जिला और तहसील स्तर के स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों ने भी अभियान की निगरानी की।

नियमित कर्ज चुकाने वाले किसानों को 50 हजार का इंतजार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। फसल कर्ज को नियमित चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रु. प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा को एक साल बीत चुका है, लेकिन अब तक किसी भी पात्र किसान के बैंक खाते में यह राशि जमा नहीं होने से किसानों में नाराजगी बढ़ रही है. एक ओर फसल कर्ज बकाया वाले किसानों को राहत देने के लिए सरकार चार सूचियां जारी कर चुकी है, वहीं नियमित कर्ज चुकाने वाले किसान अब भी अपनी प्रोत्साहन राशि की प्रतीक्षा कर रहे हैं. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि किसानों की दिवाली आखिर कैसे मीठी होगी?

जिले को सूखाग्रस्त घोषित किए जाने के बाद किसान पहले से ही आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं. अनियमित बारिश व फसलों पर कीटों के प्रकोप ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं. खेती में बढ़ती लागत, उत्पादन की अनिश्चितता और घरेलू खर्चों के बीच किसानों के लिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना कठिन हो गया है. ऐसे हालात में 50 हजार रु. की प्रोत्साहन राशि किसानों को त्योहार के दौरान कुछ आर्थिक सहारा दे सकती थी. लेकिन घोषणा के बावजूद राशि नहीं मिलने से किसानों को निराशा हाथ लगी है. नियमित कर्ज अदायगी करने वाले किसानों ने बैंक की किश्तें समय पर चुकाने के लिए अपनी कई जरूरतों को पीछे रखा. कर्ज बकाया न हो, इसके लिए उन्होंने आर्थिक अनुशासन बनाए रखा. ऐसे किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 50 हजार रु. देने की घोषणा की थी. लेकिन, घोषणा के एक साल बाद भी राशि वितरण की दिशा में ठोस प्रगति सामने नहीं आने से किसानों में असंतोष है. किसानों का सवाल है कि कर्जमाफी के पात्र किसानों की सूचियां जारी हो रही हैं, लेकिन नियमित कर्ज चुकाने वालों के प्रोत्साहन अनुदान का मामला आखिर कहां अटका है. किसानों का कहना है कि सरकार ने जिस तत्परता से प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी, उसी गति से उसका वितरण भी होना चाहिए था. दिवाली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के अवसर पर आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें घरेलू जरूरतें पूरी करने में मदद मिल सकती थी. अब किसानों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या दिवाली से पहले उनके खातों में 50 हजार रु. जमा होंगे या उन्हें आगे भी इंतजार करना पड़ेगा.

नियमित रूप से कर्ज चुकाकर बैंकिंग व्यवस्था में अपना भरोसा बनाए रखने वाले किसानों को एक साल तक घोषित सहायता का इंतजार करना पड़ रहा है. किसानों का कहना है कि सूखे की मार झेल रहे अन्नदाताओं के लिए यह राशि केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उनकी मेहनत और ईमानदारी का सम्मान भी है. इसलिए किसानों ने सरकार से बार-बार आश्वासन देने के बजाय प्रोत्साहन राशि का तत्काल वितरण करने की मांग की है, ताकि आर्थिक संकट से जूझ रहे किसानों को राहत मिल सके और उनकी दिवाली कुछ हद तक खुशहाल हो सके।

डब्ल्यूपीएल नीलामी में सोफी को यूपी वारियर्स ने 1.10 रुपये में खरीदा

कोच्ची । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए आज जारी नीलामी में ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू सबसे महंगी बिकी। सोफी को यूपी वारियर्स ने 1.10 करोड़ में खरीदा। सोफी ने नीलामी के लिए 50 लाख का बेस प्राइस रखा था। खबर लिखे जाने तक सभी पांच टीमें कुल 27 स्लॉट के लिए खिलाड़ियों पर बोली लगाती नजर आयीं। वहीं यूपी वॉरियर्स ने ही विकेटकीपर सुष्मा वर्मा के लिए सबसे पहली बोली लगाई। सुष्मा पर और किसी भी टीम ने अपनी दिलचस्पी नहीं दिखाई पर यूपी उसे 30 लाख के बेस प्राइस पर शामिल किया। इसके अलावा यूपी ने यूपी ने ग्रेस हैरिस और स्नेह राणा को भी उनके बेस प्राइस पर खरीदा। वहीं गुजरात जायंट्स ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट को खरीदा। ओर्ला प्रेंडरगास्ट 30 लाख रुपए के बेस प्राइस पर गुजरात जायंट्स में शामिल हो गई हैं। गुजरात के अलावा किसी अन्य टीम ने उनपर बोली नहीं लगायी।

भारत की ऑलराउंडर जी कमलिनी पर गुजरात जायंट्स की टीम ने बोली लगाकर 40 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है.इसके अलावा किरन नागविरे को दिल्ली कैपिटल्स ने 75 लाख रुपए में खरीदा

किरन पर मुंबई इंडियंस की टीम ने भी बोली लगायी थी पर उसके पास पर्याप्त रकम नहीं थी इसलिए वह उसे शामिल नहीं कर पायी।

आज सबसे पहले राघवी बिष्ट का नाम आया। राघवी का बेस प्राइज 30 लाख था किसी ने भी उसमें रुचि नहीं दिखायी।

नीलामी से पहले सभी टीमों के रिटेन किये खिलाड़ी

दिल्ली कैपिटल्स- एनाबेल सदरलैंड, चिनेले हेनरी, दीया यादव, जेमिमाह रोड्रिग्स, लौरा वोल्वार्ड्ट, लुसी हैमिल्टन, ममता मडीवाला, मारिज़ैन कप्प, मिन्नू मणि, एन. श्री चरणी, नंदनी शर्मा, निकी प्रसाद, शेफाली वर्मा!

गुजरात जायंट्स- अनुष्का शर्मा, एशले गार्डनर, बेथ मूनी, भारती फुलमाली, जॉर्जिया वेयरहैम, हैप्पी कुमारी, जिन्तिमणि कलिता, कनिका आहूजा, काशवी गौतम, किम गर्थ, राजेश्वरी गायकवाड़, रेणुका सिंह, सोफी डिवाइन, तनुजा कंवर, यास्तिका भाटिया।

मुंबई इंडियंस- अमनजोत कौर, अमेलिया केर, हरमनप्रीत कौर, हेले मैथ्यूज, नताली साइवर, निकोला कैरी, राहिला फिरदौस, एस. सजना, संस्कृति गुप्ता, शबनीम इस्माइल, वैष्णवी शर्मा.

आरसीबी- अरुंधति रेड्डी, एलिसे पेरी, जॉर्जिया वोल, लॉरेन बेल, नादिन डी क्लार्क, पूजा वस्त्राकर, प्रथ्योषा कुमार, प्रेमा रावत, राधा यादव, ऋचा घोष, सयाली सतघरे, श्रेयंका पाटिल, स्मृति मंधाना.

यूपी वारियर्स- दीप्ति शर्मा, हरलीन देयोल, क्रांति गौड़, मेग लैनिंग, फोबे लिचफील्ड, प्रतिका रावल, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, सोफी एक्लेस्टोन, तारा नॉरिस!

कब होगी डब्ल्यूपीएल 2027 सीजन की शुरुआत

डब्ल्यूपीएल 2027 का सीजन अगले साल जनवरी-फरवरी में होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इसकी तारीख की घोषणा पहले ही कर चुका है। डब्ल्यूपीएल का पांचवां सत्र 14 जनवरी से सात फरवरी 2027 तक खेला जाएगा। इस लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स के रूप में पांच फ्रेंचाइजी हिस्सा लेती हैं।

यूपी ने खरीदे सर्वाधिक खिलाड़ी

इसके लिए सभी पांच टीमों ने कमर कस ली है। यूपी वारियर्स ने सबसे ज्यादा आठ खिलाड़ी खरीदे जिसमें तीन विदेशी शामिल हैं। इसके बाद भी उनके पास 1.15 करोड़ रुपये का पर्स शेष है। डब्ल्यूपीएल में प्रत्येक टीमें न्यूनतम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल कर सकती हैं। गुजरात, मुंबई इंडियंस और यूपी वारियर्स ने अधिकतम खिलाड़ियों का कोटा पूरा कर लिया। वहीं, दिल्ली और आरसीबी के पास 17-17 खिलाड़ियों का पूल है।

किस पर लगी सर्वाधिक बोली?

इस मिनी नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पर सोफी मोलिन्यूक्स बिकीं जिन्हें टीम में शामिल करने के लिए यूपी वारियर्स ने 1.10 करोड़ रुपये खर्च किए। मोलिन्यूक्स का आधार मूल्य 50 लाख रुपये था।

अभिषेक फिर आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक एक पर पहुंचे

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिष्द (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 में तूफानी शतकीय पारी के बल पर नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन टेस्ट क्रिकेट में विश्व के नंबर एक गेंदबाज और ऑलराउंडर बने हैं।

अभिषेक ने अपने ही साथी खिलाड़ी ईशान किशन को पीछे छोड़ते हुए नंबरा एक स्थान हासिल किया है। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सीरीज के तीसरे और निर्णायक मैच में अभिषेक ने मात्र 35 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और कुल 38 गेंदों में 113 रनों की मैच विजेता पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम की। यह पहला मौका नहीं है जब अभिषेक शीर्ष पर पहुंचे हैं; इससे पहले वह जुलाई 2023 में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक बने थे, लेकिन बाद में ईशान किशन ने आयरलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद उनसे यह स्थान छीन लिया था।

भारत के संजू सैमसन छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें और न्यूजीलैंड के फिन एलन तीन स्थान की बढ़त के साथ 25वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 गेंदबाजी में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर सात स्थान की छलांग लगाकर सातवें और भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की बढ़त के साथ 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे और अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई 13 स्थान की छलांग के साथ सातवें नंबर पर आ गए हैं।

वहीं मार्को जानसेन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गकेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने मैच में 85 रन बनाने के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट भी लिए थे, जिससे मैच का रुख ही बदल गया। जानसेन ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ते हुए और टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भारत के रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष पर कब्जा किया है। जडेजा चार साल से भी अधिक समय से टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर बने हुए थे।

अन्य रैंकिंग में भी बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के लाभ के साथ ही दूसरे नंबर पर आ गए हैं।

राजस्थान के जैन बंधुओं पंकज और नीरज ने खरीदी अरबियन एसेस क्रिकेट फेंचाइजी

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले के पंकज जैन और उनके भाई नीरज जैन ने 'अरबियन एसेस' नाम की क्रिकेट फेंचाइजी खरीदी है। अरबियन एसेस टीम आगामी अबू धाबी टी10 लीग में उतरेगी। ये लीग 7 से 20 नवंबर तक चलेगी। बंधुओं को इस फेंचाइजी के लिए पंकज और नीरज को 50 साल के अधिकार मिले हैं, ये उनकी दीर्घकालिक योजना और खेल के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दिखाता है। अबू धाबी टी10 प्रतियोगिता क्रिकेट के सबसे छोटे और रोमांचक प्रारूप, टी10 की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय लीगों में से एक मानी जाती है, जहां दुनिया भर के कई दिग्गज खिलाड़ी खेलते हैं। अरबियन एसेस ने अपने पहले ही सत्र के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सितारों से सजी टीम बनायी है। इसमें इंग्लैंड के धाकड़ ऑलराउंडर मोईन अली, विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन और वेस्टइंडीज के पावर-हिटर आंद्रे रसेल जैसे नाम शामिल हैं। टीम के कोच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर लांस क्लूजनर बनाये गये है। पंकज के अनुसार, अरबियन एसेस उनके लिए महज एक क्रिकेट टीम या व्यावसायिक निवेश नहीं, बल्कि एक दीर्घकालीन सपना है। उनका लक्ष्य इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान रखने वाले स्पोर्ट्स ब्रांड के रूप में स्थापित करना है।

खेल महाकुंभ 2026 में अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के खुश को स्वर्ण, श्रीजा को कांस्य

अहमदाबाद। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन टेनिस एकेडमी के होनहार खिलाड़ियों खुश पारिख और श्रीजा शाह ने हाल ही में संपन्न हुए जिला स्तरीय खेल महाकुंभ 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते हैं। खुश पारिख ने अंडर-14 लड़कों के एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया है जबकि श्रीजा शाह ने अंडर-14 लड़कियों के एकल में कांस्य पदक हासिल किया।

ऑकलैंड टी-20 में 40,000 से अधिक दर्शकों के आने का अनुमान

ऑकलैंड। यहां भारत और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को होने वाले चौथे टी-20 मुकाबले में दर्शकों की भारी भीड़ होने की उम्मीद है। भारतीय टीम ने इस सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है पर जिस प्रकार का रोमांचक क्रिकेट देखने में आया है उससे प्रशंसक उत्साहित हैं। इस मैच में 40,000 से अधिक दर्शकों के आने की संभावना है।

इससे एक कारण भारतीय टीम के बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी है। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी-20 में इन दोनों ने पहले विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 133 रनों की साझेदारी कर किसी गेंदबाजों को को कोई अवसर नहीं दिया। इस दौरान दोनो ने ही एक से बढ़कर एक शॉट लगाकर दर्शकों का काफी मनोरंजन किया था। अभिषेक ने केवल 38 गेंदों पर 113 रनों की पारी खेली। वहीं वैभव ने भी 19 गेंदों में 45 रन बना दिये। युवा खिलाड़ियों की बैखौफ बल्लेबाजी से दर्शकों का मैचों की ओर रुझान बढ़ा है।

इससे माना जा रहा है कि दर्शक एक नया रिकार्ड बना देंगे। इससे पहले साल 2019 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए एक मुकाबले में 36,523 दर्शक उपस्थित थे। ईडन पार्क में अब तक की सर्वाधिक दर्शक संख्या वर्ष 1982 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय मैच के दौरान 42,000 तथा वर्ष 2015 के विश्व कप सेमीफाइनल में 41,000 दर्ज की गई थी। वहीं यदि चौथे टी20 में शुक्रवार को 40,000 से अधिक दर्शक स्टेडियम पहुंचते हैं, तो ये दर्शकों की संख्या के मामले में तीसरी बार होगा जब इतने अधिक लोग स्टेडियम पहुंचते हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया है कि पांचवे टी20 के भी पूरे टिक बिक गये हैं।

जानकारों की मानें तो दर्शकों का यह उत्साह केवल ऑकलैंड तक ही सीमित नहीं है। रविवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेले जाने वाले पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले के टिकट भी पूरी तरह से बिक चुके हैं।

वैभव को एक भारतीय महिला प्रशंसक अपना ध्यान रखने की नसीहत देती दिखीं

आकलैंड। भारतीय क्रिकेट जगत में उभरते 15 वर्षीय सितारे वैभव सूर्यवंशी का एक बेहद भावुक और प्यारा वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो में एक भारतीय महिला प्रशंसक उन्हें मां की तरह स्नेह देते हुए अपना ख्याल रखने की नसीहत देती नजर आ रही है। यह दिल छू लेने वाला वाकया न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही टी-20 श्रृंखला के तीसरे मुकाबले के बाद वेलिंग्टन के मैदान पर सामने आया, जिसने न केवल क्रिकेट प्रशंसकों का बल्कि सभी का ध्यान खींचा है।

भारत की धमाकेदार जीत के बाद जब वैभव मैदान के किनारे प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देने पहुंचे, तभी दर्शकों के बीच से उत्तर प्रदेश के बलिया की रहने वाली एक महिला ने उन्हें आवाज दी। महिला ने अपनापन जताते हुए कहा कि वे भी बलिया से ही हैं और न्यूजीलैंड की तेज ठंड तथा बर्फीली हवाओं से बचने की अहम सलाह दी। उन्होंने वैभव से कहा, बेटा, हमेशा गर्म पानी ही पीना और ठंडा पानी पीने से बिल्कुल बचना। महिला की बात में किसी अभिभावक जैसी चिंता, स्नेह और परवाह साफ झलक रही थी, जो विदेश की सरजमीं पर एक युवा बेटे को मिली मां जैसी ममता का प्रतीक थी। वैभव ने भी मुस्कुराते हुए उनके सुझाव को सहर्ष स्वीकार किया, जिससे यह पल और भी खास बन गया। कैमरे में कैद हुआ यह वाकया देखते ही देखते वायरल हो गया और लोगों के दिलों को छू गया। यह वायरल वीडियो सिर्फ क्रिकेट प्रेमियों के बीच ही नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के बीच जगह बना रहा है, जो मानवीय रिश्तों की गहराई को समझता है। यह दर्शाता है कि खेल न केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम है, बल्कि यह मानवीय रिश्तों, स्नेह और अपनत्व को भी बढ़ावा देता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में राशिद खान बना सकते है विश्व रिकार्ड

हरारे। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में एक विकेट लेते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। राशिद इस मैच के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में 200 विकेट के ऐतिहासिक आंकड़े को पार करने वाले पहले गेंदबाज बन जाएंगे। अभी उनके नाम 119 अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में 199 विकेट हैं। राशिद की यह यात्रा उनके असाधारण कौशल और निरंतरता का प्रमाण है। पहले टी20 मैच में उन्होंने 4 ओवर में केवल 20 रन देकर 2 विकेट लिए थे। सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं उन्होंने बल्लेबाजी में भी 10 गेंदों पर 30 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के आदिल राशिद 153 मैचों में 171 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके बाद हांगकांग के एहसान खान (119 मैचों में 165 विकेट), न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (142 मैचों में 165 विकेट) और न्यूजीलैंड के ही टिम साउदी (126 मैचों में 164 विकेट) का नंबर आता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा, लीग क्रिकेट सहित समग्र टी20 प्रारूप में भी राशिद ने अपनी बादशाहत कायम रखी है। वह कुल 550 टी20 मैचों में 740 विकेट के साथ दुनिया के सबसे सफल टी20 गेंदबाज हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 102 अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में 149 विकेट लिए हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उनके पास अपने 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने का शानदार अवसर होगा।

अभिषेक किसी भी प्रकार के हालातों मे खेलने में सक्षम - कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय टी20 टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह किसी भी प्रकार के हालातों में खेल सकता है। कैफ ने कहा कि जिस प्रकार से अभिषेक ने हाल के दिनों में खेला है उससे उनकी आलोचना करने वालों को जवाब मिल गया है। कैफ ने कहा कि जो लोग अभिषेक को सपाट पिच का खिलाड़ी कहते थे अब उन्हें ये अवसर नहीं मिलेगा। जिस प्रकार से उसने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों उन्हीं की धरती पर पीटा है। उससे साबित हुआ है कि वह किसी भी प्रकार की पिच पर खेल सकता है। कैफ का मानना है कि अभिषेक ने पिछले एक महीने के भीतर यह साबित कर दिया है कि वह कठिन और अलग-अलग हालातों में भी बड़ी व प्रभावशाली पारियां खेलने में सक्षम हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी 35 गेंदों में शतक और 15 गेंदों में अर्धशतक की पारी इसका उदाहरण है, खासकर तब जब न्यूजीलैंड की परिस्थितियाँ बल्लेबाजी के अनुकूल नहीं मानी जातीं।

कैफ ने साफ शब्दों में कहा, सबसे पहले, लोग यह कहना बंद कर दें कि अभिषेक शर्मा फ्लैट ट्रैक का खिलाड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तविकता इससे कोसों दूर है। कैफ ने बीते एक महीने में अभिषेक द्वारा खेली गई दो महत्वपूर्ण पारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जापान में हुए एशियाई खेल के फाइनल में आपको याद होगा, उन्होंने मुश्किल पिच पर रन बनाए थे। वहां स्पिनर हावी थे और उन्हें पिच से मदद मिल रही थी, फिर भी अभिषेक ने एक मैच विजेता पारी खेली थी।

एस्पेनयोल ने सेस्टाओ से मिली हार के बाद कोच को हटाया

मैड्रिड। स्पेन के फुटबॉल क्लब एस्पेनयोल ने कोपा डेल रे में सेस्टाओ रिवर के खिलाफ मिली 4-3 की हार के बाद अपने मुख्य कोच मनोलो गोंजालेज को बाहर कर दिया है। चौथे दर्जे की टीम से मिली हार के बाद से ही एस्पेनयोल में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं इसके बाद क्लब ने अपने पर एक बयान में कोच को हटाने की पुष्टि की।

इसमें कहा गया, एस्पेनयोल ने क्लब के कोच के तौर पर गोंजालेज का कार्यकाल समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही क्लब ने गोंजालेज के प्रति आभार जताते हुए कहा, आरसीडी गोंजालेज का उनके पेशेवर रवैये, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त करता है।

गौरतलब है कि 47 साल के गोंजालेज ने मार्च 2024 में रिजर्व साइड से प्रमोट होने के बाद एस्पेनयोल की पहली टीम की कमान संभाली थी। उनके मार्गदर्शन में क्लब ने उसी सत्र के आखिर में ला लीगा में वापसी की थी। हालांकि, पिछले सीजन के दूसरे हाफ में टीम का प्रदर्शन संघर्षपूर्ण रहा, जब एस्पेनयोल 143 दिनों के भीतर खेले गए 18 मैचों में कोई जीत हासिल नहीं कर सका। इससे उन्हें हटाने की मांग उठने लगी थी। इस सत्र में अपने शुरुआती पांच लीग मैचों में से दो जीतने के बावजूद, एस्पेनयोल तब से लगातार पांच गेम बिना जीत के खेल चुका है, जिससे गोंजालेज पर दबाव और बढ़ गया था।

स्टार्क ने लिए 6 विकेट, दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली पारी में 329 रनों पर सिमटी

केपटाउन। तेज गेंदबाज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका को तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन अपनी पहली पारी में 329 रनों पर आउट कर दिया। स्टार्क ने छह विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी ध्वस्त कर दी। इससे पहले मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम को सलामी बल्लेबाजों एडेन मार्करम और साथ खिलाड़ी मार्केस एकरमैन ने ठोस शुरुआत दी। दोनों ने ही पहले विकेट के लिए 141 गेंदों में 10 चौकों और 1 छक्के की सहायता से शानदार 78 रन बनाये। इन दोनों ने केवल 94 गेंदों में ही 95 रनों की तेज पारी खेली। ये हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर पाये।

वहीं मध्यक्रम में डेविड बेडिंघम ने 50 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। कप्तान टेम्बा बावुमा भी शून्य पर ही पवेलियन लौट गए। अंत में मार्को यानसेन ने 71 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 52 रन बनाकर अपनी टीम को 300 के ऊपर पहुंचाया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टार्क ने 72 रन देकर 6 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर में 20वां अवसर था जब उन्होंने एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इसके अलावा, अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन ने भी 71 रन देकर 2 विकेट लिए। अन्य गेंदबाजों को भी 1-1 विकेट मिला। इससे पूरी दक्षिण अफ्रीकी टीम पहले दिन का खेल खत्म होने तक, 329 रन ही बना पायी।

आईसीसी ने आचार संहित उल्लंघन के लिए पाक के हारिस रऊफ पर जुर्माना लगाया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर जुर्माना लगाया है। इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को हुए इस मुकाबले में रऊफ को अनुचित व्यवहार का दोषी पाया गया और उनपर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाये जाने के साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया। इसके अलावा इंग्लैंड टीम पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है।आईसीसी ने कहा है कि रऊफ ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए बनाये आचार सँहिता नियमों को तोड़ा है। ये खेल की भावना के विपरीत व्यवहार है। इसलिए उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार भी लगायी गयी है। गौरतलब है कि यह पिछले 24 महीने की अवधि में तीसरी बार है जब रऊफ ने कोई उल्लंघन किया है, जिसके चलते उनके खाते में कुल पांच नकारात्मक अंक दर्ज हो गए हैं।

यह घटना पाकिस्तान की पारी के अंत में 46वें ओवर की समाप्ति के बाद हुई। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े रऊफ ने वाइड बॉल की अपील की, जिसके बाद उनकी इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स के साथ बहस हो गई। पाकिस्तान के इस तेज गेंदबाज ने बहस के दौरान अपना बल्ला उठाया और ऑन-फील्ड अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद की चेतावनी के बावजूद अपनी बहस जारी रखी। इसके बाद, वह जैक्स की ओर बढ़ते हुए अंपायर को धक्का दे बैठे, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।वहीं इस मैच में इंग्लैंड टीम को धीमी ओवर गति का दोषी पाते हुए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने ओवर पूरा करने में तीन ओवर पीछे रह गए थे। यह जुर्माना आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत लगाया गया है, जिसमें यह स्पष्ट है कि यदि कोई टीम न्यूनतम ओवर-रेट की आवश्यकता से प्रत्येक ओवर कम फेंकती है, तो खिलाड़ी की मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाएगा।हारिस रऊफ और इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक दोनों ने ऑफ मैच रेफरी जेफ क्रो द्वारा लगाए गए आरोपों और संबंधित सजाओं को स्वीकार कर लिया। इससे अब इस मामले में आगे सुनवाई नहीं होगी।

तीन बार के एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण विजेता नीरज यादव ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। तीन बार के एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण विजेता खिलाड़ी नीरज यादव ने आत्महत्या कर ली है। वहीं नेशनल चीफ पैरा-एथलेटिक्स कोच एस. सत्यनारायण ने कहा कि नीरज ने ये कदम क्यों उठाया। इसका पता नहीं चला है। इस घटना के बाद से ही खेल जगत में दुख छाया हुआ है। डोपिंग प्रतिबंध के कारण वह इस महीने आयोजित एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा नहीं ले सके थे। इससे व्याप्त तनाव भी उनकी मौत के कारणों में से एक हो सकता है।

कोच ने कहा, नीरज ने अपने फ्लैट पर आत्महत्या कर ली है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। उन्होंने नीरज को भारत के सबसे प्रतिभाशाली और सम्मानित पैरा-एथलीटों में से एक बताया। साथ ही कहा कि नीरज ने अपनी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। उनका अचानक चले जाना भारतीय खेल समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है।

गौरतलब है कि सात साल की छोटी उम्र में ही पोलियो का शिकार होने के बाद से ही नीरज व्हीलचेयर पर थे और उसी पर रहते हुए आगे बढ़े। साल 2015 में एथलेटिक्स की दुनिया में कदम रखा। यह निर्णय उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, और वह जल्द ही भारतीय दल का हिस्सा बन गए। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से, उन्होंने जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

नीरज का एथलेटिक्स करियर उपलब्धियों से भरा रहा। 2018 के इंडोनेशिया एशियन पैरा गेम्स में उन्होंने जैवलिन थ्रो (एफ55 क्लास) में 29.84 मीटर के एशियन रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनकी सबसे यादगार उपलब्धि अक्टूबर 2023 में चीन के हांगझोऊ में हुए एशियन पैरा गेम्स में रही, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इन पदकों में डिस्कस थ्रो में स्वर्ण और पुरुषों की एफ55 कैटेगरी में जैवलिन में स्वर्ण पदक मेडल शामिल थे।

इससे पहले, 2022 में मोरक्को में माराकेच पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में भी उन्होंने एक नए भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। 2016 में फाजा ग्रैंड प्रिक्स में पुरुषों के शॉट पुट और डिस्कस एफ55 इवेंट में रजत पदक भी उनके नाम रहा। एथलेटिक्स में अपने शुरुआती दिनों में ही, 2015 दिल्ली स्टेट एथलेटिक्स मीट में उन्होंने शॉट पुट, जैवलिन और डिस्कस तीनों इवेंट्स में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर दिया था।

कलेक्टर ने किया संदूका और सायर में आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

बालाघाट । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुरूप जिले के नक्सल प्रभावित रहे 100 चिन्हित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, अधोसंरचना विकास एवं रोजगारमूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने 28 अक्टूबर को लांजी विकासखंड की देवरबेली ग्राम पंचायत के ग्राम संदुका एवं सायर के आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पोषण आहार, टीकाकरण, गर्भवती एवं धात्री माताओं को मिलने वाली सुविधाओं तथा आंगनवाड़ी भवनों की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संदुका में आंगनवाड़ी भवन की मरम्मत कराने के निर्देश

ग्राम संदुका के आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह को बताया गया कि बारिश के दिनों में केंद्र का भवन टपकता है। भवन की मरम्मत कराई जानी है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को दिए जाने वाले नाश्ते एवं दोपहर के भोजन, उनके टीकाकरण तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं को उपलब्ध कराए जा रहे पोषण आहार की जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों एवं माताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। दोनों आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं की सक्रियता एवं सजगता से वे प्रभावित हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है।

ग्राम सायर के आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान बताया गया कि केंद्र में एक बच्चा गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) श्रेणी में है, जिसका उपचार किया जा रहा है। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्र के भवन का नवीनीकरण किया जाना है। कलेक्टर श्री सिंह ने बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी लेते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जा रही सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों के नियमित टीकाकरण, पोषण आहार तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं को मिलने वाली सुविधाओं के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान उ-?होंने एक महिला से उसकी बेटी के वजन की जानकारी ली जिस पर महिला ने बताया कि बेटी का वजन 06 कि.ग्रा है। इस पर कलेक?टर श्री सिंह ने बच?ची को गोद में लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कहा कि बच्चों का वजन कैसे लिया जाता है, इस बच्ची का वजन लेकर बताओ। तब बच्ची का वजन लिया गया जिस पर बच्ची का वजन 06 किलो 900 ग्राम पाया गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने संदुका में प्राथमिक शाला का भी निरीक्षण किया। शाला में शिक्षक द्वारा बच?चों को गणित पढ़ाया जा रहा था। इस पर उन्होंने एक बच्चे से बोर्ड पर लिखा गुणा का सवाल हल करने कहा, जिस पर बच्चे ने सवाल को सही हल कर दिया। इससे कलेक्टर श्री सिंह प्रभावित हुए और उन्होंने शिक्षक की सराहना की और कहा कि गांव के 12वीं पास युवाओ की सूची तैयार कर बीआरसी कार्यालय को उपलब्ध करायें। जिससे उन्हें रोजगारमूलक गतिविधियों से जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी।

युवा को किराना दुकान खोलने के लिए स्वरोजगार योजना से ऋण दिलाने के निर्देश

ग्राम सायर में ग्रामीणों से संवाद के दौरान गांव के युवा ब्राम्हण धुर्वे ने सत्तीझोड़ी में किराना दुकान खोलने के लिए शासन से सहायता दिलाने की मांग की। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि स्वरोजगार योजना के अंतर्गत प्रकरण तैयार कर ब्राम्हण धुर्वे को किराना दुकान खोलने के लिए ऋण उपलब्ध कराने की आवश्यक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्री सिंह की इस पहल का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर गांव में ही आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

कम बारिश से कोदो-कुटकी और धान की फसलें सूखने पर अनावारी सर्वे कराने के निर्देश

ग्रामीणों ने चर्चा के दौरान बताया कि कम बारिश होने के कारण ग्राम संदुका में कोदो-कुटकी एवं धान की फसलें सूख गई हैं। इससे किसानों को नुकसान होने की आशंका है। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने एसडीएम लांजी को निर्देशित किया कि गांव में फसलों की स्थिति का अनावारी सर्वे शीघ्र कराया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे में कम अनावारी पाए जाने पर नियमानुसार राहत राशि उपलब्ध कराने के लिए प्रकरण तैयार किया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को आवश्यक सहायता मिल सके।

तालाब निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने और बिजली की समस्या दूर करने के निर्देश

ग्रामीणों ने गांव में तालाब निर्माण की मांग करते हुए बताया कि गांव में बिजली की लाइन होने के बावजूद उनके घरों में बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा गांव के कई लोगों के आधार कार्ड नहीं बने हैं और उन्हें वन अधिकार पट्टे भी नहीं मिल पा रहे हैं। ग्रामीणों की समस्याओं पर कलेक्टर श्री सिंह ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को गांव में तालाब निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं, विद्युत मंडल के अधिकारियों को गांव में बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्या का निराकरण करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए टेमनी में लगेगा शिविर

ग्राम सायर में ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि रविवार, 1 नवंबर को ग्राम टेमनी के स्कूल में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों के आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार किए जाएंगे। इससे दस्तावेजों के अभाव में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आ रही परेशानियों को दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम टेमनी में स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य नक्सल प्रभावित रहे चिन्हित गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना, ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देना तथा कृषि, स्वरोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

वालीबॉल मैदान के सौंदर्यीकरण से खिलाड़ियों को मिलेगी अनेक सुविधाएं

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर में लांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार करहि द्वारा वालीबॉल खिलाड़ियों की मांग पर वालीबॉल मैदान के सौंदर्यीकरण कार्य की आधारशिला रखी। बताए कि वालीबॉल मैदान का सौन्दर्यीकरण में आसपास मजबूत जाली लग जाने से खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों को अनेक तरह की सुविधाएं आसानी से मिल सकेगी। इसके अलावा विधायक राजकुमार करहि ने वार्ड क्रमांक 05 में एम.एल पाराशर के घर से धन्नू भूते के घर तक सी सी सड़क ,बेसिक स्कूल मैदान किरनापुर में सर्विजनिक पार्क निर्माण कार्य,सूर्योदय स्पोटिंग वालीवाल मैदान में फैंसिंग कार्य, पीडब्लुडी रोड (रवि अजीत की दुकान) से लेकर धनराज भूते के घर तक ड्रेनेज नाली,वार्ड क्र. 05 में धन्नू भूते के घर से अमित गौतम के घर तक ड्रेनेज नाली निर्माण, वार्ड क्र. 2 अशोक सोनी के घर से सालिक मुले के घर तक ड्रेनेज काली निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ने कहा कि निश्चित इन 5 सालों में भारतीय जनता पार्टी के विधायक द्वारा हर गाँव और हर पंचायतों मे विकास कार्य किए जा रहे है। और लांजी विधानसभा क्षेत्र मे लगभग 2.5 करोड़ के विकास कार्य किए गए हैं। वही अपने उद्बोधन मे विधायक राजकुमार करहि ने कहा कि किरनाई मॅदिर में मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से 25 लाख रूपये प्रदान किए जाएंगे।भगवान श्री कृष्ण मॅदिर का निर्माण कार्य जल्द ही प्रारंभ होगा और उसके निर्माण कार्य की राशि शीघ्र ही प्रदान की जाएगी। आज वालीबॉलि खिलाड़ियों एवं सूर्योदय वॉलीवाल क्लब की मांग पर मैदान मे फैंसिंग कार्य सहित अनेक निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई हैं। और आगे भी निरंतर विकास कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के अवसर पर विधायक राजकुमार करहि के अलावा जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, जनपद सदस्य मनीष भीमटे,भाजपा मण्डल अध्यक्ष मौना नन्हे बहेकार,वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एन आर गर्दे, वॉलीबॉल टूर्नामेंट समिति अध्यक्ष डॉ नन्हे बहेकार,शासकीय महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि राम कुमार राणा,मंगल प्रसाद रैकवार, सरिता जोशी, खुर्शीदा बानो कुरैशी, ग्राम पंचायत किरनापुर सरपंच धर्मकला भाई जे पी रामटेके, उपसरपंच रोशनी उपाध्याय,अंकुश पचभैया, विजय लिल्हारे, वार्ड पंच ललिता बाई शेंडे,संगीता ईडपांचे, उमेश भूते, भोजराज भीमटे, नंदकिशोर पांचे जय प्रकाश रामटेके, बालकृष्ण अर्जुनवार, ममता यादव शंकर सिंह कछवाह, पूर्व सरपंच दीपा बेनी अग्रवाल, जनपद सदस्य सोम सिंह पटले,प्रेम किशोर जांगड़े, एच सी सिल्हारे,अजय मर्सकोले, शिव तारन, योगेन्द्र फूलबांधे, प्रजात वासनिक,राकेश बोरकर, धर्मेन्द्र वराडे, उगेन्द्र मेश्राम, बी एन मेश्राम,अनिल चापेकर, रवि अजीत, मदन मोहन पाराशर सहित अनेक गणमान्य नागरिको की मौजूदगी रही।

बालाघाट पुलिस की गांजा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 24.314 किलो गांजा जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बहेला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 24 किलो 314 ग्राम गांजा जप्त किया है। जप्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से ओडिशा निवासी 27 वर्षीय आरोपी सीमांचल मलिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से गांजा 11 पैकेटों में बरामद किया गया। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर गांजे के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जांच की जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की घेराबंदी

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बालाघाट पुलिस जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और सप्लाई नेटवर्क पर नजर रख रही है। इसी क्रम में 27 अक्टूबर 2026 की रात बहेला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भरुसाडोंगरी तिराहे के पास एक व्यक्ति गांजा बेचने के उद्देश्य से मौजूद है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना बहेला पुलिस ने तत्काल टीम गठित की और मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस टीम ने भरुसाडोंगरी तिराहे से लगभग 150 मीटर दूर लांजी की ओर मुख्य मार्ग के समीप झाड़ियों में छिपे एक संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ लिया।

प्लास्टिक की बोरी से मिले 11 पैकेट

संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके कब्जे में रखी पीले रंग की प्लास्टिक की बोरी से खाकी रंग के टेप में लिपटे 11 पैकेट बरामद हुए। पैकेटों की जांच करने पर उनमें गांजा पाया गया। तौल करने पर कुल मात्रा 24.314 किलोग्राम निकली, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई गई है।पुलिस ने गांजे को विधिवत जप्त कर सीलबंद किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सीमांचल मलिक 27 वर्ष निवासी बलाकिया पाडीगन, जिला कंधमाल ओडिशा के रूप में हुई है।

गांव के जंगल में गांजा उगाने की बात बताई

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने गांजे के स्रोत के संबंध में अपने गांव के जंगल में अवैध रूप से गांजा उगाने और उसे बिक्री के उद्देश्य से प्लास्टिक की बोरी में छिपाकर लाने की बात बताई है। पुलिस अब गांजे की खेती उसके परिवहन संभावित खरीदारों और अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज

बहेला थाना पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 77/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ और अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है ताकि गांजे की तस्करी से जुड़े संभावित नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

बालाघाट पुलिस के अनुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। बहेला पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के अभियान की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

अर्नब चक्रवात का साये में बालाघाट जिला

किसानों के माथे पर खिंची चिंता की लकीरें,धान कटाई और गहाई पर संकट के बादल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चक्रवर्ती तूफान अर्नब का असर अब बालाघाट जिले में भी व्यापक तौर पर देखा जा रहा है। चक्रवर्ती तूफान के चलते मौसम में बदलाव हो चुका है जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही है।दरअसल धान की फसल पककर तैयार है, खेतों में कटाई का दौर चल रहा है और किसान अपनी महीनों की मेहनत को समेटने में जुटे हैं। इसी बीच चक्रवात के प्रभाव से मौसम में बदलाव की आशंका ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। आसमान में बादलों की आवाजाही और बारिश की संभावना ने धान कटाई से लेकर गहाई तक के काम पर संकट खड़ा कर दिया है। किसानों को डर है कि यदि इस समय बारिश हुई तो खेतों में खड़ी फसल के साथ कटकर रखी धान भी प्रभावित हो सकती है।जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मौसम की चाल ने बढ़ाई किसानों की धड़कनें

जिले में धान की खेती किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। खरीफ सीजन में दिन-रात मेहनत करने के बाद अब फसल को सुरक्षित घर तक पहुंचाने का समय है। ऐसे में मौसम का अचानक करवट लेना किसानों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। खेतों में कटाई के लिए तैयार धान और कटाई के बाद खुले में रखी फसल पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम खराब होने की स्थिति में किसानों को कटाई रोकनी पड़ सकती है, वहीं गहाई का काम भी प्रभावित होने की आशंका है।

खेत में कटी धान भीगने का डर, खलिहान तक पहुंचाने की जल्दबाजी

किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती तैयार फसल को सुरक्षित समेटने की है। बारिश होने पर खेतों में कटी धान भीग सकती है, जिससे उसकी गुणवत्ता और उपज को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। उधर नमी बढ़ने से धान की सुखाई और भंडारण में भी दिक्कत आ सकती है। यही वजह है कि मौसम को लेकर किसानों की नजरें आसमान पर टिकी हैं। किसान चाहते हैं कि फसल समेटने तक मौसम साफ बना रहे, ताकि उनकी मेहनत सुरक्षित रह सके।

बारिश हुई तो बढ़ सकती है परेशानी

बताया गया कि धान की कटाई और गहाई का काम मौसम पर काफी हद तक निर्भर करता है।यदि बारिश का दौर शुरू होता है तो कटाई की रफ्तार धीमी पड़ सकती है और खेतों में फसल समेटने में अतिरिक्त समय लग सकता है। इससे किसानों की लागत और मेहनत दोनों बढ़ने का खतरा है। वहीं, जिन किसानों की धान अभी खेतों में खड़ी है, उन्हें भी फसल की सुरक्षा की चिंता सता रही है।

किसानों के लिए अहम हैं अगले कुछ दिन

मौसम में संभावित बदलाव के बीच किसानों के लिए जरूरी है कि वे स्थानीय मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखें और कटी हुई धान को यथासंभव सुरक्षित स्थान पर रखें। खुले में रखी फसल को बारिश से बचाने के इंतजाम करना भी महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल किसानों की उम्मीद यही है कि मौसम उनका साथ दे और बिना किसी बाधा के धान की कटाई, गहाई तथा उपज को घर तक पहुंचाने का काम पूरा हो सके।अब मौसम की अगली करवट तय करेगी कि किसानों की मेहनत आसानी से घर पहुंचेगी या उन्हें नई मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

मौसम हुआ सुहाना, बढ़ेगी ठंड; बच्चों ने बदलाव का उठाया लुत्फ

उधर मौसम में आए बदलाव से शहर का मिजाज सुहाना हो गया है। आसमान में बादलों की आवाजाही और ठंडी हवाओं के बीच मौसम ने लोगों को गर्मी से राहत का एहसास कराया।मौसम के इस बदले अंदाज का बच्चों ने भी जमकर लुत्फ उठाया। कोई घरों के बाहर खेलता नजर आया तो कहीं बच्चे बाहर गार्डन में सुहाने मौसम का आनंद लेते दिखाई दिए। वहीं, मौसम में बदलाव के साथ आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

राकांपा ने मुंबई की कमान जीशान सिद्दीकी को सौंपी

मुंबई । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने अपनी मुंबई इकाई का अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य जीशान सिद्दीकी को नियुक्त किया है, जबकि उमेश पाटिल को पार्टी का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह घोषणा राकांपा प्रमुख और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने की।

दिवंगत बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए सुनेत्रा पवार और वरिष्ठ नेता पार्थ पवार का आभार व्यक्त किया। सिद्दीकी ने कहा कि उनका लक्ष्य मुंबई में पार्टी का विस्तार करना और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाना है। उन्होंने दिवंगत अजित पवार और अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। सुनेत्रा ने दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास देवगिरि में आयोजित समारोह में दोनों नेताओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर पार्टी के अन्य नेता और पदाधिकारी भी मौजूद थे। सुनेत्रा पवार ने विश्वास जताया कि पाटिल और सिद्दीकी दिवंगत अजित पवार के आदर्शों, दृष्टिकोण और जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करेंगे।

मोहसिन हत्याकांड में 5 दोषियों की 7 साल की कैद बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान 22 वर्षीय मोहसिन की हत्या के मामले में पांच दोषियों की सजा को बरकरार रखकर उनकी अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने अमन कश्यप, देवेंद्र कुमार, प्रदीप राय, आशीष और अरुण कुमार को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की कैद और 30,000 रुपये के जुर्माने की सजा को सही ठहराया। निचली अदालत ने इन दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 148 (घातक हथियारों से दंगा करना) के तहत दोषी ठहराया था। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में प्रत्यक्षदर्शी के बयान को महत्वपूर्ण माना, जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता हथियारों से लैस भीड़ में सबसे आगे थे और उन्होंने अन्य लोगों को मोहसिन पर हमला करने के लिए उकसाया था।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा

सरकारों को वही जज पसंद, जो उनसे सहमत हों

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा है कि सरकारें हमेशा ऐसे जजों को पसंद करती हैं, जो उनके विचारों से सहमत होते हैं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए जरूरी है कि वह दबाव के सामने मजबूती से खड़ी रहे। अपनी आगामी किताब विदाउट फियर ऑर फेवर को लेकर उन्होंने जजों की नियुक्ति, जमानत के अधिकार और न्यायपालिका की भूमिका जैसे मुद्दों पर अपनी राय रखी। जस्टिस कौल ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर मतभेद भी जाहिर किए। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम को नियुक्तियों पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना चाहिए। सरकार को जानकारी देना जरूरी है, लेकिन पहले से उसकी मंजूरी लेने की कोशिश नियुक्तियों की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

जस्टिस कौल ने कहा कि पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध अच्छे थे, लेकिन न्यायिक नियुक्तियों के मामले में दोनों की सोच अलग थी। उनके मुताबिक, चंद्रचूड़ कई बार सरकार के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखने में नरम पड़ जाते थे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्तियां समय पर होनी चाहिए। लंबी और जटिल प्रक्रिया के कारण योग्य वकील जज बनने से पीछे हट सकते हैं। नियुक्तियों में देरी न्यायपालिका के लिए नुकसानदेह है।

सौरभ कृपाल की नियुक्ति में देरी पर सवाल

जस्टिस कौल ने वरिष्ठ अधिवक्ता सौरभ कृपाल को दिल्ली हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने में हुई देरी का मुद्दा भी उठाया। उनके अनुसार, कृपाल के समलैंगिक होने को लेकर सरकार की आपत्ति नियुक्ति में बाधा बनी। सरकार का मानना था कि देश अभी किसी समलैंगिक व्यक्ति को न्यायाधीश के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। कृपाल के नाम की सिफारिश अक्टूबर 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट और नवंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की थी। केंद्र सरकार ने नवंबर 2022 में आपत्ति जताते हुए फाइल वापस भेज दी थी। जनवरी 2023 में कॉलेजियम ने दोबारा सिफारिश की, लेकिन नियुक्ति नहीं हो सकी। जस्टिस कौल ने इसे न्यायपालिका के लिए नुकसान बताया।

उमर खालिद और शरजील की जमानत पर चिंता

जस्टिस कौल ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं मिलने पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई बार भारत में दोष साबित होने से पहले ही लंबे समय तक जेल में रहना सजा जैसा हो जाता है। जमानत को सामान्य नियम और जेल में रखना अपवाद माना जाना चाहिए, हालांकि कुछ कानूनों में जमानत पर सख्त प्रतिबंध हैं। दोनों पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की कथित साजिश में शामिल होने का आरोप है। मामले में उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी.क्क के तहत केस दर्ज है।

अनुच्छेद 370 पर फैसला संवैधानिक जिम्मेदारी के तहत

जस्टिस कौल दिसंबर 2023 में उस पांच सदस्यीय संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा था। उन्होंने कहा कि फैसला देते समय उन्होंने खुद को कश्मीरी हिंदू के रूप में नहीं, बल्कि एक संवैधानिक न्यायाधीश के रूप में देखा। उनके परिवार ने 1947 के विभाजन का दर्द झेला था, लेकिन निजी अनुभवों को न्यायिक निर्णय पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से जारी हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की निष्पक्ष जांच के लिए सत्य एवं सुलह आयोग बनाने का सुझाव भी दिया। उनके मुताबिक, पीड़ितों को न्याय और मानसिक शांति देने के लिए गलतियों को स्वीकार करना जरूरी है।

सौरव दास को मेंटर करने से किया इनकार

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरव दास के साथ अपनी वायरल तस्वीर पर जस्टिस कौल ने स्पष्ट किया कि वह उनके मेंटर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दास से मुलाकात एक पत्रकार के रूप में हुई थी और दोनों की कुछ ही बार बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने दास को अपनी भाषा में संयम बरतने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग पीढ़ियों में भाषा और अभिव्यक्ति के तौर-तरीके अलग हो सकते हैं। राफेल विमान सौदे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि रक्षा सौदों में सरकार के निर्णयों की जगह अदालत अपना फैसला नहीं थोप सकती।

जस्टिस कौल ने कहा कि अदालतों का इस्तेमाल सरकार के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए नहीं होना चाहिए। राजनीतिक मुद्दों को दूसरे मंचों पर उठाया जाना चाहिए, हालांकि कानूनी सवाल होने पर अदालत को सुनवाई करनी चाहिए।

बालाघाट
गुरुवार 29 अक्टूबर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

डेढ़ साल की पुलिसिंग का लेखा-जोखा देकर बोले एसपी, तबादला विभागीय प्रक्रिया, चर्चित मामलों पर खोले पत्ते

डबल मनी के निवेशकों को राशि लौटाने की उम्मीद, चावल घोटाले की जांच जारी, नंदी बिसेन दंपति हत्याकांड, शशांक पटले और नारायण बोपचे मामलों पर भी साझा की कार्रवाई की जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र में वृद्ध महिला की हत्या और लूट के मामले का खुलासा करने के लिए 28 अक्टूबर को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता केवल एक आपराधिक वारदात के खुलासे तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके आदित्य मिश्रा के कार्यकाल की प्रमुख कार्रवाइयों और चर्चित मामलों की स्थिति सामने रखने का अवसर भी बनी। प्रेसवार्ता के दौरान एसपी मिश्रा ने हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई की जानकारी देने के साथ अपने स्थानांतरण का भी उल्लेख किया। इसके बाद जिले के बहुचर्चित डबल मनी मामले, चावल प्रकरण और अन्य चर्चित अपराधों की जांच को लेकर मीडिया से जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कई मामलों में पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी से लेकर साक्ष्य जुटाने और न्यायालय में चालान पेश करने तक कार्रवाई की है, जबकि कुछ प्रकरणों में विवेचना और न्यायालयीन प्रक्रिया अभी जारी है। अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई और आगे की जांच से जुड़ी स्थिति स्पष्ट की।

डबल मनी मामले में निवेशकों की राशि वापसी पर नजर

जिले के बहुचर्चित डबल मनी मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि इस प्रकरण में जिले के अनेक निवेशकों ने अपनी रकम लगाई थी और उनकी राशि वापस दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को उनका पैसा वापस मिलना जरूरी है, लेकिन पूरी प्रक्रिया न्यायालय के माध्यम से आगे बढ़ रही है। न्यायालय में दोनों पक्षों के वकील अपनी-अपनी दलीलें प्रस्तुत करते हैं और इसके आधार पर आगे की प्रक्रिया तय होती है। एसपी ने कहा कि पुलिस भी चाहती है कि निवेशकों को जल्द राहत मिले और उनकी राशि वापस लौटाई जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिन लोगों ने अपने संबंधित चेक और दस्तावेज हेल्प डेस्क केंद्र में जमा किए हैं, उन्हें राशि वापस दिलाने की दिशा में जल्द प्रगति हो सकती है। उन्होंने दिवाली से पहले या नए वर्ष तक निवेशकों को राहत मिलने की उम्मीद भी जताई। हालांकि, राशि वापसी न्यायालयीन प्रक्रिया और संबंधित तथ्यों पर निर्भर करेगी।

चावल मामले में एसआईटी की जांच जारी, आगे भी होगी पूछताछ

चावल मामले को लेकर एसपी मिश्रा ने स्पष्ट किया कि प्रकरण की जांच अभी समाप्त नहीं हुई है और विशेष जांच दल (एसआईटी) इस पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि मामले में न्यायालयीन प्रक्रिया भी चल रही है तथा जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की गई है और कुछ के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। प्रकरण में जल्द पूछताछ के लिये नोटिस जारी भी होने की जानकारी उन्होंने दी। एसपी ने कहा कि उनके स्थानांतरण से जांच पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उनके बाद आने वाले अधिकारी भी इस मामले में कार्रवाई को आगे बढ़ाएंगे। न्यायालय से जमानत प्राप्त कर चुके लोगों से भी आवश्यकता के अनुसार पूछताछ की जा सकती है। उन्होंने बताया कि मामले में सामने आए बड़े राइस मिलर्स सहित अन्य संबंधित लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। कुछ लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए गए हैं और उन्हें बुलाकर आवश्यक सवाल-जवाब किए जाएंगे। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नांदी मामले में बिसेन दंपति हत्याकांड से लेकर शशांक पटले मामले तक का जिक्र

प्रेसवार्ता के दौरान औपचारिक जानकारी के अलावा अनौपचारिक चर्चा में एसपी आदित्य मिश्रा ने जिले के कुछ अन्य चर्चित मामलों पर भी अपनी बात रखी। इनमें नांदी बिसेन दंपति हत्याकांड और शशांक पटले से जुड़े मामले प्रमुख रहे। उन्होंने बताया कि नांदी बिसेन दंपति हत्याकांड की जांच में पुलिस ने लगातार प्रयास किए और सीसीटीवी फुटेज सहित विभिन्न साक्ष्य जुटाकर पड़ताल की। इसी तरह शशांक पटले मामले में भी पुलिस की ओर से कार्रवाई जारी रखी गई। नारायण बोपचे से जुड़े मामले पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाकर जांच की है और विवेचना जारी है। इन मामलों का उल्लेख करते हुए एसपी ने पुलिस की ओर से की गई पड़ताल और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जानकारी साझा की। हालांकि, जिन प्रकरणों की जांच अभी पूरी नहीं हुई है, उनमें आगे की स्थिति विवेचना और साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगी।

विवेक तिरपुड़े मामले में दो अन्य डॉक्टर भी जांच के दायरे में

बिरसा के पूर्व ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुनील सिंह उर्फ शिवकुमार पांडेय की तलाश अब भी जारी है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि डॉ. सुनील सिंह अभी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने इनाम घोषित किया है। पुलिस की टीमें लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई हैं। वहीं, विवेक तिरपुड़े से जुड़े मामले में भी पुलिस जांच का दायरा बढ़ाने की तैयारी कर रही है। एसपी ने बताया कि इस प्रकरण में एक डॉक्टर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि महिला चिकित्सक डॉ. सृष्टि जैन को न्यायालय से राहत मिली है। इसके अलावा दो अन्य डॉक्टरों की भूमिका भी जांच के दायरे में है, जिनसे पुलिस जल्द पूछताछ करेगी। एसपी आदित्य मिश्रा के अनुसार, विवेक तिरपुड़े के ऑपरेशन के समय चिकित्सकों के पंजीयन से संबंधित पहलू भी जांच में सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि उस समय दो अन्य डॉक्टरों का मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल में पंजीयन नहीं था, बल्कि उनका पंजीयन महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में कराया गया था। पुलिस इन तथ्यों की पड़ताल कर रही है और संबंधित चिकित्सकों की भूमिका को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने संकेत दिए कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर इस मामले में आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

स्थानांतरण को बताया विभागीय प्रक्रिया, डेढ़ साल के कार्यकाल का किया उल्लेख

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बालाघाट में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्थानांतरण विभागीय प्रक्रिया का हिस्सा है। वे इससे पहले भी बालाघाट जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इसके बाद पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने करीब डेढ़ वर्ष तक जिले में पुलिस व्यवस्था का नेतृत्व किया। इस दौरान विभिन्न आपराधिक मामलों में कार्रवाई, जांच और आरोपियों तक पहुंचने के लिए किए गए प्रयासों का उन्होंने उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जिले में बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया और विभिन्न मामलों में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई गई। 28 अक्टूबर की प्रेसवार्ता में एक ओर तिरोड़ी हत्याकांड के खुलासे की जानकारी सामने आई, तो दूसरी ओर डबल मनी और चावल जैसे बड़े मामलों की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई। निवेशकों की राशि वापसी से लेकर लंबित जांचों तक कई महत्वपूर्ण सवालों पर एसपी ने अपना पक्ष रखा।

पत्नी के सिजेरियन ऑपरेशन का खर्च जुटाने के लिए वृद्धा की हत्या, जेवर लूटे, फिर सूने मकान में की चोरी

तिरोड़ी के हीरापुर तालाब किनारे मिली 56 वर्षीय खेलनबाई की हत्या का 20 दिन बाद खुलासा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हीरापुर में तालाब किनारे मिली वृद्ध महिला की हत्या और आभूषण लूट के मामले में पुलिस ने 20 दिन की जांच के बाद सनसनीखेज खुलासा किया है। 28 अक्टूबर को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि महिला की हत्या के आरोप में रूपेश मरकाम (21), निवासी ग्राम जामरापानी, थाना तिरोड़ी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पत्नी का हाल ही में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था और निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हुए खर्च के कारण उसे पैसों की जरूरत थी।

इसी आर्थिक दबाव के बीच उसने कथित तौर पर सोने के आभूषण लूटने की नीयत से 56 वर्षीय खेलनबाई पति मूलचंद तुरकर की हत्या कर दी। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने महिला के सिर पर लकड़ी के मोटे डंडे से कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह महिला के गले से मंगलसूत्र और दाहिने कान का सोने का टॉप्स लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मंगलसूत्र बरामद किया है, जबकि वारदात के समय पहने गए कपड़े और मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, घटना 8 अक्टूबर 2026 की है। उस दिन तिरोड़ी पुलिस को ग्राम हीरापुर में तालाब किनारे महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका की पहचान खेलनबाई तुरकर के रूप में की। उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और शव के पास खून फैला हुआ था। मृतका के पति मूलचंद तुरकर ने पुलिस को बताया कि वह सुबह करीब 11 बजे भैंस चराने के लिए घर से निकला था। उसने पत्नी को भैंस खरीदी के शेष रुपये देने के लिए सावरी जाने की बात बताई थी। दोपहर में खेलनबाई तालाब के पास रेलवे पटरी के समीप थीं। बाद में मूलचंद कपड़े बदलकर मोटरसाइकिल से सावरी चला गया। शाम करीब 5:30 बजे गांव के आकाश उर्फ राहुल तुरकर ने फोन पर उसे पत्नी की मृत्यु की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि अज्ञात व्यक्ति महिला की हत्या कर उनके सोने के आभूषण ले गया था। इस मामले में तिरोड़ी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 311 में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने चार टीमें गठित कर जांच आगे बढ़ाई। घटनास्थल का एफएसएल टीम और डॉग स्कॉड से निरीक्षण कराया गया। पुलिस ने आसपास खेतों में काम करने वाले लोगों, किसानों तथा हीरापुर और नीमटोला के ग्रामीणों से पूछताछ की। इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन से जुड़े उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों और कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया। घटनास्थल से लगभग 600 मीटर दूर स्थित मॉयल तिरोड़ी खदान में कार्यरत कर्मचारियों और श्रमिकों की गतिविधियों की भी जांच की गई। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि खदान के ब्लास्टर विभाग में काम करने वाला रूपेश मरकाम घटना के बाद से काम पर नहीं आ रहा था। उसके मोबाइल रिकॉर्ड और घटना के दिन की गतिविधियों की पड़ताल के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या और लूट की वारदात स्वीकार कर ली। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी की डिलीवरी तुमसर स्थित भोलसे निजी अस्पताल में हुई थी, जहां वह छह से सात दिन भर्ती रही। इलाज और ऑपरेशन पर हुए खर्च के कारण उसे पैसों की जरूरत थी। 8 अक्टूबर को वह अपनी एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक MP50 MQ 8850 से मॉयल तिरोड़ी खदान पहुंचा था, जहां उसने ब्लास्टिंग का काम किया। दोपहर करीब एक बजे तालाब के पास भैंस चरा रही महिला के गले में मंगलसूत्र और कानों में सोने के टॉप्स देखकर उसके मन में लालच आया। पुलिस के अनुसार, आरोपी कुछ देर तक महिला की गतिविधियों पर नजर रखता रहा और फिर खेत की बाउंड्री से लकड़ी का मोटा डंडा निकालकर पीछे से महिला के सिर पर छह से सात वार किए। महिला की मौत के बाद वह आभूषण लेकर भाग गया और इस्तेमाल किया गया डंडा झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मृतका का मंगलसूत्र, घटनास्थल से मिला खून लगा डंडा, वारदात के समय पहने गए कपड़े और मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

लूटे गए आभूषणों से भी नहीं पूरी हुई जरूरत, सूने मकान में भी की चोरी

पुलिस की शुरुआती जानकारी के अनुसार, हत्या के बाद आरोपी लूटे गए आभूषणों को गिरवी रखकर रुपये जुटाने में लगा था। लेकिन इससे भी उसकी पैसों की जरूरत पूरी नहीं हुई तो उसने एक सूने मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इस अतिरिक्त वारदात ने मामले को और गंभीर बना दिया। पुलिस ने आरोपी की गतिविधियों की जांच करते हुए हत्या और लूट की घटना की कड़ियों को जोड़ा और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, रूपेश ने 21 अक्टूबर को बोनकट्टा में एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए मंगलसूत्र सहित सोने के आभूषण चोरी किए थे। पूछताछ में उसने चोरी किए गए आभूषणों को सिवनी में बेचने की जानकारी दी। बताया गया कि वृद्ध महिला की हत्या के बाद लूट की वारदात में उसे पर्याप्त रकम नहीं मिली थी, जिसके चलते उसने बोनकट्टा में चोरी की योजना बनाई। चोरी के दौरान वह अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया था, जिसे बाद में पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी रूपेश मरकाम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मृतिका के गले से लूटा गया सोने का मंगलसूत्र बरामद किया। इसके गिरफ्तार आरोपी की पहचान रूपेश मरकाम, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम जामरापानी, थाना तिरोड़ी के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 311 के तहत कार्रवाई की गई है।

मोटरसाइकिल रोड पार हो रही महिला को ठोस मारकर हुई अनियंत्रित

महिला घायल-मोटरसाइकिल सवार वनरक्षक भी जख्मी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 6 किलोमीटर दूर बैहर रोड स्थित भरवेली सिवनी कैंप चौक में बुधवार की शाम सड़क हादसा हो गया। सड़क पार कर रही एक महिला को मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला के साथ मोटरसाइकिल चालक वनरक्षक भी घायल हो गया। दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में लाया गया

जहां अत्यधिक लोग चोट लगने से घायल महिला लीलावती सलामे पति दशरथ सलामे 55 वर्ष वार्ड क्रमांक 15, सिवनी कैंप भरवेली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं मोटरसाइकिल चालक वनरक्षक नंदकिशोर खैरवार पिता जेठू लाल खैरवार 56 वर्ष महर्षि स्कूल के पास, भटेरा बालाघाट निवासी है। जिन्हें इस दुर्घटना में मामूली चोटे आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नंदकिशोर वन परिक्षेत्र लोगुर में वनरक्षक के पद पर पदस्थ है। और वह मोटरसाइकिल से आना-जाना करते हैं। बताया गया कि लीलावती सलामे अपने परिवार के साथ मजदूरी करती हैं। 28 अक्टूबर, को शाम करीब 6:45 बजे लीलावती सामान खरीदने के लिए चौक की ओर गई थीं। सामान खरीदकर घर लौटते समय जब वह सड़क पार कर रही थीं तभी नंदकिशोर खैरवार मोटरसाइकिल में ग्राम डोरा के जंगल से अपने घर भटेरा लौट रहे वनरक्षक नंदकिशोर खैरवार की मोटरसाइकिल रोड पार हो रही लीलावती से टकरा कर अनियंत्रित हो गई जिससे महिला लीलावती और मोटरसाइकिल चालक नंदकिशोर खैरवार दोनों घायल हो गए हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। इस दुर्घटना में अत्यधिक चोट लगने से घायल लीलावती को अस्पताल मे भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों घायलों के बयान दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित भरवेली थाना भेज दिया है।

एमएससी तक पढ़ी युवती नारना गांव से लापता

अपहरण की आशंका में मामला दर्ज, पिता की शिकायत पर बैहर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज किया अपराध, युवती की तलाश जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम नारना से एमएससी तक पढ़ाई कर चुकी एक युवती के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने उसके अपहरण कर किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर रखे जाने की आशंका जताई है। शिकायत पर बैहर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नारना निवासी सुरेंद्र उइके खेती-किसानी का काम करते हैं। उनके परिवार में दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी किरण उइके ने एमएससी तक की पढ़ाई की है, जबकि छोटी बेटी का नाम संगीता उइके है। बताया गया कि 26 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे सुरेंद्र उइके अपनी पत्नी मुनियाबाई और छोटी बेटी संगीता के साथ खेत में काम करने चले गए थे। उस समय घर पर किरण अकेली थी। दोपहर करीब 12 बजे सुरेंद्र ने किरण को फोन लगाया लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला। इसके बाद दोपहर करीब 1 बजे जब वह घर पहुंचे तो किरण घर पर नहीं मिली। किरण के अचानक लापता होने पर परिजनों ने गांव में उसकी तलाश की। इसके अलावा गोरखपुर, कोरंजा, सुरवाही और बालाघाट में भी फोन के माध्यम से संपर्क कर उसके संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया लेकिन कहीं से भी किरण का पता नहीं चल सका। काफी तलाश के बाद भी बेटी की जानकारी नहीं मिलने पर सुरेंद्र उइके ने बैहर थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी बेटी का अपहरण कर उसे किसी गुप्त स्थान पर बंधक बनाकर रखा हो सकता है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच करते हुए लापता युवती किरण उइके की तलाश में जुटी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट